केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

मालवा हेराल्ड

वर्ष : 16 अंक : 216 | उज्जैन, गुरुवार 15 जनवरी 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपए

महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

सुविचार

अगर रिश्ता निभाना है तो कुछ बातों को नजर अंदाज करना भी सीखो, हर बहस में जीतने की कोशिश करने वाले अक्सर रिश्ते हार जाते है...

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने किया श्री महाकाल महोत्सव का शुभारंभ

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के मुख्य आतिथ्य में मकर सक्रांति पर्व की पावन संध्या पर श्री महाकाल महालोक परिसर में 05 दिवसीय श्री महाकाल महोत्सव की भव्य शुभारंभ किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर कहा कि श्री महाकाल की नगरी काल गणना के साथ अब यह नगरी उत्सव और आनंद की नगरी के रुप में पहचानी जा रही है। बाबा श्री महाकाल की नगरी स्वर्ग से भी सुंदर रुप ले रही है। यहां पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा श्री महाकाल महालोक का शुभारंभ किया गया था। शुभारंभ के बाद पहली बार बाबा श्री महाकाल के आंगन में श्री महाकाल महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। श्री महाकाल की इस पवित्र नगरी में भगवान श्री राम, भगवान श्री कृष्ण के साथ ही भगवान श्री गुरुनानक देव महाराज ने भी यहां आकर इस धरती को धन्य किया है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि अवंतिका नगरी कई प्राचीन कथाओं को समेटे हुए है। धार्मिक पर्यटन के आधार पर उज्जैन और प्रदेश की पहचान बन रही है। श्री महाकाल हमारी प्रत्येक श्वास में बसे हुए हैं। बाबा श्री महाकाल ने सेवा करने का अवसर दिया है। उसी अवसर के बलबूते पर परमात्मा हमें अच्छे से अच्छा काम करने का मौका दे रहा है। मध्य प्रदेश में परमात्मा की कृपा है। दो-दो ज्योतिर्लिंग यहां है। उज्जैन तो और सौभाग्यशाली है कि शक्तिपीठ मां हरसिद्धि हमारे यहां विराजी हुई और दक्षिण भारत के हिसाब से मॉ गढ़कालिका का भी एक शक्तिपीठ है। उन्होंने कहा कि यह हमारा सौभाग्य है यह सम्राट विक्रमादित्य की नगरी बाबा श्री महाकाल के आशीर्वाद से दुनिया में एक अलग प्रकार से जानी जाती। शिवरात्रि से लेकर के गुड़ी पड़वा तक एक महीने लगातार उज्जैन में मेला लगता है। उज्जैन और ग्वालियर में आयोजित व्यापार मेंले में वाहनों पर कर की छूट भी दी जा रही है। इस प्रकार यहां श्रद्धालु दर्शन के लिए आए और बाबा के आशीर्वाद से वाहन भी खरीदकर ले जाए। इस बार इसमें नया अध्याय जोड़ा गया कि भोपाल की तर्ज पर 05 दिवसीय वन्य उत्पाद मेला भी दशहरा मैदान पर आयोजित किया जाएगा। आज के अवसर पर श्रावण महोत्सव के समान श्री महाकाल उत्सव की शुरुआत की जा रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि इस उत्सव ने उज्जैन की सुंदरता को स्वर्ग के समान बना दिया है। आज की उज्जैयिनी नगरी महाकवि कालिदास की रचनाओं की अवंतिका के समान हो गई है। सम्राट विक्रमादित्य और राजा भोज के काल से अवंतिका नगरी न्याय और प्रशासनिक दक्षता की वाहक है। सम्राट विक्रमादित्य, राजा भोज और अवंतिका नगरी की अन्य महान विभूतियों और प्रेरक कहानियों को श्री महाकाल महालोक में मूर्ति कला और दीवारों पर चित्रों के माध्यम से बड़ी सुंदर तरीके से दर्शाया गया है। भगवान श्री महाकाल की प्रेरणा से यह जीवन मानव सेवा के लिए समर्पित है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बाबा श्री महाकाल के डमरू की कल्पना भी बहुत सुंदर है। जिसमें बारिश की बूंद गिरते हुए तालाब नदी पर जो आवाज करती है उसी आवाज से मिलकर डमरू वादन का सृजन हुआ है। बाद के सारे यंत्र उससे जुड़ते चले गए जिसके माध्यम से संगीत की बहुत समृद्ध परंपरा हमारे शास्त्रीय संगीत के माध्यम से नाना प्रकार से दुनिया ने सीखी है।

प्रभारी मंत्री श्री गौतम टेटवाल ने इस अवसर पर कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव हर विधा में पारंगत है। भगवान श्री महाकालेश्वर की नगरी उज्जैनी के सुनहरे इतिहास और गरिमा को देश और दुनिया के कोने-कोने में ले जाने का सफलता पूर्वक प्रयास मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किया है। यह अद्वितीय है मुख्यमंत्री के कुशल नेतृत्व में उज्जैन का चहुंमुखी विकास हो रहा है।

सांसद बालयोगी श्री उमेश नाथ जी महाराज ने इस अवसर पर कहा कि महाकाल महोत्सव उज्जैन को विश्व के पटल पर एक अविस्मरणीय क्षण के रुप में ले जाएगा। इस पवित्र प्रांगण में आज प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की प्रेरणा से आज महाकाल महोत्सव का भव्य शुभारंभ किया जा रहा है। विधायक श्री अनिल जैन कालूहेडा ने भी संबोधित किया।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्री महाकालेश्वर मंदिर की नवीन आधिकारिक वेबसाइट पोर्टल www.shrimahakaleshwar.mp.gov.in का शुभारंभ किया। इसके साथ ही मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 600 करोड़ की लागत से निर्मित होने वाले श्री महाकालेश्वर भक्त निवास के दानदाताओं के लिए वेबसाइट www.shrimahakaleshwar.mp.gov.in/bhaktniwas का भी शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री द्वारा 100 ऐपिसोड के सीरीयल महाकाल सृष्टि के समय के टीजर का भी लोकार्पण किया गया। वीर भारत न्यास, विक्रमादित्य शोध पीठ तथा श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित यह महोत्सव 18 जनवरी 2026 (विक्रम संवत 2082) तक चलेगा।

इसके पश्चात प्रसिद्ध पार्श्व गायक श्री शंकर महादेवन द्वारा 'शिवोऽहम्' एवं अन्य प्रसिद्ध भजनों की रंगारंग प्रस्तुति दी। जिसने उपस्थित नागरिकों व कलाप्रेमियों का मन मोह लिया। इस अवसर पर श्री सत्यनारायण जटिया,श्री संजय अग्रवाल, श्री राजेश धाकड़, श्री रवि सोलंकी, श्री नरेश शर्मा, श्री श्रीराम तिवारी,श्री रूप पमनानी आदि जनप्रतिनिधि और हजारों की संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

अभ्युदय मध्यप्रदेश एवं स्वाभिमान पर्व- 2026 के अंतर्गत उज्जैन में श्री महाकाल महोत्सव

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश की सांस्कृतिक चेतना, लोक-परंपराओं एवं सनातन विरासत को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश शासन के अभ्युदय मध्यप्रदेश अभियान तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आव्हान पर देश भर में मनाए जा रहे स्वाभिमान पर्वङ्क2026 के अंतर्गत धार्मिक नगरी उज्जैन में श्री महाकाल महोत्सव का भव्य आयोजन 14 से 18 जनवरी 2026 (विक्रम संवत 2082) तक श्री महाकाल महालोक एवं त्रिवेणी संग्रहालय में किया जा रहा है।

महोत्सव का शुभारंभ 14 जनवरी 2026 को सायंकाल श्री महाकाल महालोक में हुआ। शुभारंभ अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे ।

शुभारम्भ समारोह में दी गई शिवोहम की प्रस्तुति हुई

उद्घाटन संध्या पर शिवोऽहम् शीर्षक से विशेष संगीतिक प्रस्तुति आयोजित की गई। जिसमें प्रसिद्ध पार्श्ववगायक पद्मश्री शंकर महादेवन (सिद्धार्थ-शिवम) द्वारा अपने सुपुत्रों के साथ शिव-भक्ति से ओतप्रोत संगीतमय प्रस्तुति दी गई।

जनजातीय एवं लोक कला प्रस्तुतियाँ हुई

स्वाभिमान पर्व- 2026 की भावना के अनुरूप, महोत्सव के अंतर्गत प्रतिदिन अपराह्न 4 से 6 बजे तक त्रिवेणी संग्रहालय परिसर में जनजातीय लोकनृत्यों की श्रृंखला प्रस्तुत की गई। जिसमें– भारिया जनजातीय भड़म नृत्य -दादूलाल डांडोलिया एवं साथी (छिंदवाड़ा), गोंड जनजातीय ठाठ्या नृत्य - अर्जुन वाघमारे एवं साथी (बैतूल), काठी नृत्य - अशोक मौर्य एवं साथी (हरदा), भील जनजातीय भगोरिया नृत्य - मनीष सिसोदिया एवं साथी (धार) की विशेष प्रस्तुति हुई।

कला यात्रा से जन–जन तक संदेश पहुँचा

अभ्युदय मध्यप्रदेश के संदेश को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से कला यात्रा का आयोजन भी किया गया। इसमें शिव बारात (भाव शैली) ङ्क कृष्णा वर्मा एवं साथी, उज्जैन द्वारा प्रस्तुति दी गई। कला यात्रा बुधवार दोपहर 4 बजे देवास गेट बस स्टैंड से प्रारंभ हुई जो मालीपुरा, फव्वारा चौक, इंदौर गेट होते हुए श्री महाकाल लोक पहुँची।

आयोजन की सहयोगी संस्थाएँ

यह आयोजन संस्कृति संचालनालय, जनजातीय लोक कला एवं बोली विकास अकादमी, त्रिवेणी संग्रहालय, कृषि उद्योग विकास परिषद (नई दिल्ली), उज्जैन विकास प्राधिकरण, जिला प्रशासन एवं नगर निगम उज्जैन के सहयोग से संपन्न होने जा रहा है। श्री महाकाल महोत्सव, अभ्युदय मध्यप्रदेश एवं स्वाभिमान पर्वङ्क2026 के संकल्पों के अनुरूप, प्रदेश की सांस्कृतिक अस्मिता, आत्मगौरव एवं सनातन परंपरा का उत्सव है, जिसमें सहभागिता हेतु आम नागरिकों को सादर आमंत्रित किया गया है। आमजन का प्रवेश इसमें पूर्णत॰ निशुल्क हैं। प्रवेश की व्यवस्था त्रिवेणी संग्रहालय के पास से की गई है।

आज होगी अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी॰ देश-विदेश के अनेक विद्वान भाग लेंगे

वीर भारत न्यास एवं श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति द्वारा 14 से 18 जनवरी 2026 तक आयोजित। श्री महाकाल महोत्सव के अंतर्गत शिव तत्त्व और श्री महाकाल पुरातिहास, साहित्य और संस्कृति के परिप्रेक्ष्य में केंद्रित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 15 जनवरी, गुरुवार को होगा। इस संगोष्ठी में दस से अधिक देशों और भारत के बारह से अधिक राज्यों के विद्वान विषय के विविध पक्षों पर प्रकाश डालेंगे। इन देशों में मॉरीशस, नीदरलैंड, फीजी, यूएसए, यूके, आयरलैंड, नॉर्वे, स्वीडन, थाईलैंड, श्रीलंका और नेपाल आदि सम्मिलित हैं। संगोष्ठी में भारत के राज्यों उत्तर प्रदेश, दिल्ली, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, तमिलनाडु, आंध्रप्रदेश, केरल, राजस्थान, गुजरात, पंजाब, मध्य प्रदेश, बिहार, हिमाचल प्रदेश आदि के विशेषज्ञ विद्वान सम्मिलित होंगे।

इस संगोष्ठी का आयोजन त्रिवेणी कला एवं पुरातत्व संग्रहालय, जयसिंहपुरा, महाकाल लोक में प्रातः काल 11 से सन्ध्या 4॰30 बजे तक किया जाएगा। संगोष्ठी में देश - विदेश के विविध क्षेत्रों में शिवोपासना, पुराख्यान, पुरातत्व, इतिहास, शैव दर्शन, साहित्य, वास्तु, मुद्राशास्त्र, शिल्प, चित्र आदि पर गहन मंथन किया जाएगा।

संगोष्ठी में भाग लेने वाले विद्वानों में आयरलैंड में भारत के महामहिम राजदूत श्री अखिलेश मिश्रा, डॉ. रामा तक्षक, नीदरलैंड, डॉ. सोमदत्त काशीनाथ, वकोका, मॉरीशस, डॉ. आशुतोष द्विवेदी, फिजी, डॉ. बीर बहादुर महतो नेपाल, डॉ. मीरा सिंह फिलाडेल्फिया यूएसए, डॉ. सदाशिव कुमार द्विवेदी वाराणसी, डॉ. शुभंकर मिश्रा मॉरीशस, डॉ. अजय कुमार झा, जनकपुर नेपाल, डॉ. हरिसिंह पाल नई दिल्ली, पुरातिहासकार डॉ. शांतिस्वरूप सिन्हा वाराणसी, डॉ. आर सी ठाकुर महिदपुर, श्री हरेराम बाजपेयी इंदौर, डॉ. नारायण व्यास भोपाल, पद्मश्री डॉ. भगवतीलाल राजपुरोहित, पूर्व कुलपति प्रो. बालकृष्ण शर्मा उज्जैन, श्री नर्मदाप्रसाद उपाध्याय इंदौर, श्रीमती ऋतु शर्मा, नंदन पांडे, नीदरलैंड, कुलगुरु प्रो. शिवशंकर मिश्र उज्जैन, डॉ. अरुण कुमार उपाध्याय, भुवनेश्वर उड़ीसा, डॉ. श्रीकृष्ण जुगनू उदयपुर, डॉ. अभिषेक त्रिपाठी आयरलैंड, कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी उत्तराखंड, पूर्व कुलगुरु प्रो. सीजी विजय कुमार मेनन केरल, प्रो. शारदा प्रसाद, बिहार, प्रो. केदारनारायण जोशी, प्रो. केदारनाथ शुक्ल, उज्जैन, डॉ. दिव्या माथुर ब्रिटेन, डॉ. सुगंधी कुलसिंह श्रीलंका, प्रो. शैलेंद्र कुमार शर्मा उज्जैन, डॉ. प्रशांत पुराणिक उज्जैन, डॉ. रमण सोलंकी उज्जैन, डॉ. संतोष पंड्या, डॉ. सुनीता मंडल कोलकाता पश्चिम बंगाल, प्रो. जगदीश चंद्र शर्मा, डॉ. चिट्टी अन्नपूर्णा चेन्नई तमिलनाडु आदि सम्मिलित हैं।

संगोष्ठी के विविध तकनीकी सत्रों में संस्कृत विद्वान डॉ. तुलसीदास परोहा उज्जैन, डॉ. सदानंद त्रिपाठी, डॉ. पूजा उपाध्याय, डॉ. शुभम शर्मा, डॉ. प्रीति पांडेय, डॉ. महेंद्र पंड्या, डॉ. गोपाल कृष्ण शुक्ल, डॉ. सर्वेश्वर शर्मा, डॉ. संकल्प मिश्रा, डॉ. अखिलेश द्विवेदी, डॉ. उपेंद्र भार्गव आदि शोध पत्रों की प्रस्तुति करेंगे।

गोंड और बैगा जनजातीयों की आकर्षक नृत्य प्रस्तुति

शुक्रवार 16 जनवरी को सीधी के उपेंद्र सिंह एवं साथियों के द्वारा गोंड जनजातीय कर्मा नृत्य की प्रस्तुति दी जाएगी। डिंडोरी के दयाराम एवं साथियों के द्वारा बैगा जनाजातीय परधौनी नृत्य की प्रस्तुति दी जाएगी। गोटेगांव के कमलेश नामदेव और साथियों के द्वारा अहिराई नृत्य प्रस्तुत किया जाएगा। छिंदवाडा की अंकिता एवं साथियों द्वारा भारीया जनजातीय सैताम नृत्य प्रस्तुत किया जाएगा। इसके अलावा मयूरी डोड एवं साथियों के द्वारा कला यात्रा में मटकी लोकनृत्य प्रस्तुत किया जाएगा। यह यात्रा शास्त्री नगर, नीलगंगा चौराहा, हाट बाजार से होती हुई महाकाल लोक पहुंचेगी।

कोरकू और ढिमरियाई जनजाती के नृत्य के साथ गणगौर नृत्य की प्रस्तुति

शनिवार 17 जनवरी को हरदा के मंशाराम एवं साथियों द्वारा कोरकू जनजातीय नृत्य गदली की प्रस्तुति दी जाएगी। खंडवा की अनुजा जोशी एवं साथियों द्वारा गणगौर नृत्य की प्रस्तुति दी जाएगी। सागर के लीलाधर रायकवार एवं साथियों द्वारा ढिमरियाई नृत्य की प्रस्तुति दी जाएगी। बडौदा के विजय भाई राठवा एवं साथियों द्वारा राठवा जनजातीय राठ नृत्य की प्रस्तुति दी जाएगी। कला यात्रा में उज्जैन के योगेश मालवीय और साथियों के द्वारा मलखंब की प्रस्तुति दी जाएगी। यह यात्रा बुधवारिया, नई सडक, सती गेट, गोपाल मंदिर होती हुई महाकाल लोक पर आकर समाप्त होगी।

होली और मटकी नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियां दी जाएगी

रविवार 18 जनवरी को हरदा के कोरकू जनजातीय नृत्य थापटी की प्रस्तुति दी जाएगी। बडौदा के विजय भाई राठवा एवं साथियों द्वारा राठवा जनजातीय होली नृत्य की प्रस्तुति दी जाएगी। उज्जैन की विनती जैन एवं साथियों के द्वारा मटकी नृत्य की प्रस्तुति दी जाएगी। सीधी के दान बहादूर घासी एवं उनके साथियों द्वारा घासी जनजातीय नृत्य घसिया बाजा की प्रस्तुति दी जाएंगी। इस दिन निकाली जाने वाली कला यात्रा में उज्जैन की पल्लवी किशन एवं साथियों के द्वारा गणगौर नृत्य की प्रस्तुति दी जाएंगी। यह कला यात्रा गणगौर दरवाजा ,कार्तिक चौक, गुदरी चौराहा होते हुए महाकाल लोक पहुंचेगी। उक्त सभी प्रस्तुतियां शाम 4 बजे से 6 बजे तक श्री महाकाल महालोक के समीप त्रिवेणी संग्रहालय में दी जाएगी।

15 जनवरी 2026

अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी (प्रातः 10:30 बजे)
विषय शिव तत्त्व और महाकाल:
पुरातिहास, साहित्य और संस्कृति के परिप्रेक्ष्य में

गोण्ड जनजातीय गुदुमबाजा
अशोक कुमार मार्को एवं साथी-डिण्डोरी

बैगा जनजातीय करमा नृत्य
दयाराम एवं साथी-डिण्डोरी

बरेदी नृत्य
मनीष यादव एवं साथी-सागर

भील जनजातीय भगोरिया नृत्य
मनीष सिसोदिया एवं साथी-धार

कला यात्रा
डमरू वादन दल, मुकेश शास्त्री एवं साथी – उज्जैन
रामघाट-हरसिद्धि पाल-बड़ा गणेश- महाकाल लोक

16 जनवरी 2026

गोण्ड जनजातीय करमा नृत्य
उपेन्द्रसिंह एवं साथी-सीधी

बैगा जनजातीय परधौनी नृत्य
दयाराम एवं साथी-डिण्डोरी

अहिराई नृत्य
कमलेश नामदेव एवं साथी-गोटेगांव

भारिया जनजातीय सैताम नृत्य
अंकिता एवं साथी-छिंदवाड़ा

कला यात्रा
मटकी लोकनृत्य – मयूरी डोड एवं साथी उज्जैन
रूट-शास्त्री नगर-नीलगंगा चौराहा-हॉट बाजार- महाकाल लोक

17 जनवरी 2026

कोरकू जनजातीय गदली नृत्य
मंशाराम एवं साथी-हरदा

गणगौर नृत्य
अनुजा जोशी एवं साथी-खण्डवा

ढिमरियाई नृत्य
लीलाधर रेकवार एवं साथी-सागर

राठवा जनजातीय राठ नृत्य
विजय भाई राठवा एवं साथी-बड़ोदा

कला यात्रा
मलखंब दल - योगेश मालवीय एवं साथी - उज्जैन
बुधवारिया-नई सड़क-सती गेट-गोपाल मंदिर- महाकाल लोक

18 जनवरी 2026

कोरकू जनजातीय थापटी नृत्य
मंशाराम एवं साथी-हरदा

मटकी नृत्य
विनती जैन एवं साथी-उज्जैन

घासी जनजातीय घसियाबाजा
दानबहादुर घासी एवं साथी-सीधी

राठवा जनजातीय होली नृत्य
विजय भाई राठवा एवं साथी-बड़ौदा

कला यात्रा
गणगौर लोकनृत्य – पल्लवी किशन एवं साथी- उज्जैन
गणगौर दरवाजा-कार्तिक चौक (सवारी मार्ग)-गुदरी चोराहा-महाकाल लोक

वीर भारत न्यास
मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग का अधिष्ठान

श्रीमहाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति

D13015/25

इंदौर की पहचान उसकी संघर्षशील जनता, अदम्य हौसलों और विकासशील सोच से हैः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

स्वच्छ जल अभियान के तहत अमृत 2.0 योजना की ऐतिहासिक परियोजना का किया भूमिपूजन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि इंदौर निरंतर प्रगति, विकास और नवाचार की दिशा में आगे बढ़ रहा है। आज इंदौर देश का सबसे तेज़ी से विकसित होने वाला शहर बन चुका है। विकास, स्वच्छता, उद्योग, व्यापार और सुशासन के क्षेत्र में इंदौर ने अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है, जिस पर पूरे मध्यप्रदेश को गर्व है। इंदौर की पहचान उसकी संघर्षशील जनता, अदम्य हौसलों और विकासशील सोच से है। आज प्रदेश का हर जिला इंदौर जैसा बनना चाहता है। उन्होंने कहा कि कठिन समय में सरकार, नगर निगम और प्रशासन ने पूरी संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता के साथ नागरिकों के साथ खड़े रहकर हरसंभव प्रयास किए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इंदौर शहर की पेयजल व्यवस्था को सुदृढ़, आधुनिक एवं दीर्घकालिक समाधान प्रदान करने की दिशा में स्वच्छ जल अभियान के अंतर्गत अमृत 2.0 इंदौर जलप्रदाय योजना (पैकेजङ्क1) के तहत 800 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से प्रस्तावित बहुप्रतीक्षित जलप्रदाय परियोजना का विधिवत भूमिपूजन किया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मकर संक्रांति के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भागीरथपुरा क्षेत्र में घटित जल-जनित घटना ने सभी को पीड़ा पहुँचाई है। उन्होंने इस घटना में दिवंगत हुए नागरिकों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए बाबा महाकाल से प्रार्थना की कि वे दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान दें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मकर संक्रांति केवल पर्व नहीं, बल्कि तिल-तिल करके आगे बढ़ने का संकल्प है। जैसे इस दिन से सूर्य उत्तरायण होता है और प्रकाश बढ़ता है, वैसे ही इंदौर निरंतर प्रगति, विकास और नवाचार की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने गर्व के साथ कहा कि आज इंदौर देश का सबसे तेज़ी से विकसित होने वाला शहर बन चुका है। विकास, स्वच्छता, उद्योग, व्यापार और सुशासन के क्षेत्र में इंदौर ने अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है, जिस पर पूरे मध्यप्रदेश को गर्व है। आज प्रदेश का हर जिला इंदौर जैसा बनना चाहता है। उन्होंने कहा कि कठिन समय में सरकार, नगर निगम और प्रशासन ने पूरी संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता के साथ नागरिकों के साथ खड़े रहकर हरसंभव प्रयास किए। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि आपदा के समय राजनीति करना इंदौर स्वीकार नहीं करेगा। सकारात्मक और रचनात्मक विपक्ष लोकतंत्र की शक्ति है, लेकिन पीड़ा पर राजनीति करना सर्वथा अनुचित है। नर्मदा जल परियोजनाओं पर बोलते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मालवा और निमाड़ क्षेत्र को नर्मदा जल से जोड़ने के लिए वर्षों संघर्ष करना पड़ा। उन्होंने कहा कि सरदार सरोवर बांध को पूर्ण कर देश को जल सुरक्षा देने का श्रेय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को जाता है। इसके माध्यम से सिंचाई क्षमता में ऐतिहासिक वृद्धि हुई है। मध्यप्रदेश में आज 56 लाख हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में सिंचाई संभव हो सकी है। उन्होंने नदी जोड़ो परियोजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि पार्वतीङ्ककालीसिंधङ्कचंबल परियोजना राजस्थान और मध्यप्रदेश के लिए वरदान सिद्ध होगी। केनङ्कबेतवा नदी जोड़ो अभियान पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी का सपना था, जिसे आज प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में साकार किया गया है। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन के माध्यम से प्रत्येक गांव और प्रत्येक शहर तक शुद्ध पेयजल पहुँचाना सरकार का संकल्प है। उन्होंने कहा कि इंदौर की पहचान उसकी संघर्षशील जनता, अदम्य हौसलों और विकासशील सोच से है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के मार्गदर्शन और राज्य सरकार के पूर्ण सहयोग से इंदौर आत्मनिर्भर बनकर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि इंदौर आगे बढ़ेगा, सरकार पूरी मजबूती से इंदौर के साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कार्यक्रम के पूर्व जीवन दायिनी मां नर्मदा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पूजन-अर्चन ?किया। उन्होने सभागृह परिसर में संविधान निर्माता बाबा साहब अंबेडकर और स्वर कोकिला लता मंगेशकर की प्रतिमा पर श्रद्धा सुमन भी अर्पित किए।

नगरीय प्रशासन एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए इंदौर में नर्मदा के जल आंदोलन तथा नर्मदा के जल लाने की संघर्ष यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि यह इंदौर का ऐतिहासिक जनआंदोलन था। उन्होंने कहा कि नर्मदा जल परियोजना केवल एक योजना नहीं, बल्कि इंदौर की जनशक्ति और संकल्प का परिणाम है। उन्होंने कहा कि यदि नर्मदा नहीं आती, तो इंदौर आज जिस रूप में है, वह कभी नहीं बन पाता। उन्होंने इंदौर की स्वच्छता पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि यहां की पहचान केवल विकास से नहीं, बल्कि नागरिकों की सहभागिता से बनी है। देर रात तक शहर की सफाई में जुटने वाले सफाई कर्मी इंदौर की असली ताकत हैं। इंदौर की स्वच्छता पर हम सबको गर्व है। उन्होंने कहा कि सुबह-सुबह घरों से कचरा गाड़ियों में स्वयं नागरिकों द्वारा कचरा डालना इंदौर की जनभागीदारी का जीवंत उदाहरण है। मंत्री श्री विजयवर्गीय ने कहा कि इंदौर नंबर वन था, इंदौर नंबर वन है और इंदौर नंबर वन रहेगा। नर्मदा, स्वच्छता और जनता के स्वाभिमान से बनी इंदौर की आन-बान-शान को कोई आंच नहीं आने दी जाएगी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विकसित भारत का जो संकल्प लिया है, उसी संकल्प को मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में साकार रूप दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में विकास कार्य तेज गति से संचालित हो रहे हैं और शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने के लिए सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। यह विकास केवल अधोसंरचना तक सीमित नहीं है, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, जल संसाधन और रोजगार के क्षेत्रों में भी नए आयाम स्थापित कर रहा है।

महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने इंदौर के भविष्य की जल-आवश्यकताओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए 1100 करोड़ रुपये की योजना को दूरदृष्टि के साथ 2400 करोड़ रुपये तक विस्तार दिया। यह निर्णय आने वाले दशकों की जरूरतों को ध्यान में रखकर लिया गया है। आज की भूमिपूजित परियोजना केवल निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके अंतर्गत 10 वर्षों का संचालन एवं संधारण भी शामिल है। इससे शहर को लंबे समय तक सुचारु, सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित होगी। परियोजना पूर्ण होने पर इंदौर की वर्तमान एवं भविष्य की पेयजल आवश्यकताओं की प्रभावी पूर्ति संभव होगी। यह परियोजना इंदौर को स्वच्छ, पर्याप्त और भरोसेमंद पेयजल उपलब्ध कराने की दिशा में मील का पत्थर सिद्ध होगी।

इंदौर में चाइनीज मांझे का कहर, किसी के गले में 8 टांके तो किसी का चेहरा कटा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर शहर में प्रतिबंधित चाइनीज मांझे का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। बुधवार को शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में महज कुछ ही घंटों के भीतर चार लोग इस जानलेवा डोर की चपेट में आ गए। इन हादसों में घायल हुए लोगों को गंभीर अवस्था में अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जहां किसी के गले पर गहरे घाव आए हैं तो किसी का चेहरा बुरी तरह कट गया है।

पहली हृदयविदारक घटना भंवरकुआं थाना क्षेत्र के अंतर्गत तीन इमली इलाके में घटित हुई। यहां चांदमारी ईंट भट्ठा निवासी हेमराज पिता रविंद्र चौरसिया अपनी बाइक से मांगलिया स्थित अपने रिश्तेदारों के घर जा रहे थे। हेमराज एक पेट्रोल पंप पर कार्यरत हैं और ड्यूटी खत्म कर घर लौट रहे थे। इसी दौरान अचानक उनके गले में पतंग की डोर फंस गई। मांझा इतना धारदार था कि पलक झपकते ही उनका गला कट गया और सड़क पर खून का फव्वारा फूट पड़ा। वहां मौजूद राहगीरों ने तत्परता दिखाते हुए उन्हें तुरंत नजदीकी निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका उपचार जारी है। चाइनीज मांझे से जुड़ा दूसरा हादसा परदेशीपुरा क्षेत्र में सामने आया। नंदानगर के रहने वाले महेश सोनी जब अपने काम से जा रहे थे, तभी वे मांझे की चपेट में आ गए। उनके गले में गंभीर चोट आई है और उन्हें भी इलाज के लिए निजी अस्पताल ले जाया गया है। इसके अलावा तीसरी घटना जूनी इंदौर ब्रिज पर हुई। तिल्लौर निवासी प्रेम भंडारी, जो दूध वितरण का कार्य करते हैं, अपनी बाइक से जा रहे थे तभी अचानक उनके सामने डोर आ गई। खुद को बचाने की कोशिश में प्रेम के गले के पास गहरा घाव हो गया। डॉक्टरों के मुताबिक उनके घाव पर 8 टांके लगाने पड़े हैं। पतंग खरीदने जा रहे किशोर का चेहरा हुआ क्षत-विक्षत- चौथी घटना रामानंद नगर इलाके की है, जहां माधव पिता घनश्याम वसुनिया नामक युवक हादसे का शिकार हुआ। माधव स्वयं पतंग खरीदने के लिए बाजार जा रहा था, तभी सामने से आ रही चाइनीज डोर ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। उसने बचने का प्रयास किया लेकिन डोर उसके चेहरे पर लग गई, जिससे उसकी दाढ़ी वाला हिस्सा बुरी तरह कट गया। घायल को पहले जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे करीब 10 टांके आए। प्राथमिक उपचार के बाद परिजन उसे बेहतर इलाज के लिए निजी अस्पताल ले गए।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने डॉ.उत्तम यादव के निवास शोक संवेदना व्यक्त कर दी श्रद्धांजलि

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इंदौर प्रवास के दौरान आज नवलखा स्थित वसुधैव कुटुंबकम परिसर में चिड़ियाघर प्रभारी तथा अपने समधी डॉ. उत्तम यादव के निवास पहुँचे। उन्होंने डॉ. उत्तम यादव की पत्नी स्व. श्रीमती संगीता यादव के चित्र पर पुष्प अर्पित कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शोकाकुल परिजनों से भेंट कर उन्हें ढांढस बंधाया और इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने हेतु ईश्वर से प्रार्थना की। इस दौरान विधायक श्री रमेश मेंदोला, तथा श्री गोलू शुक्ला, श्री सुमित मिश्रा, श्री प्रताप सिंह करोसिया, श्री श्रवण चावड़ा, पुलिस कमिश्नर श्री संतोष सिंह, कलेक्टर श्री शिवम वर्मा तथा निगमायुक्त श्री क्षितिज सिंघल सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

शुक्ला ब्रदर्स की बस ने मारी बाइक सवार को टक्कर, आक्रोशित भीड़ ने बस में आग लगाई

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में बेलगाम उपनगरीय बसें रोज हादसों की वजह बन रही है। बुधवार सुबह भाजपा विधायक गोलू शुक्ला के परिवार की ट्रेवल्‌स एजेंसी की बस ने एक बाइक सवार को टक्कर मार दी। वह गंभीर रुप से घायल हुआ है। इसके बाद भीड़ ने बस को आग के हवाले कर दिया।

यह घटना राजकुमार ब्रिज के समीप बुधवार सुबह उस वक्त हुई, जब शुक्ला ब्रदर्स की उपनगरीय बस ब्रिज की तरफ बढ़ रही थी। बस की रफ्तार तेज थी और उसमें कुछ यात्री भी बैठे थे। बस ने एक बाइक सवार को टक्कर मार दी। टक्कर से युवक के हाथ पैर और पीठ में चोट लगी। लोगों ने बस को रोका और चालक के साथ हाथापाई की। चालक भीड़ से पीछा छुड़ाकर भाग निकला। लोगों ने घायल युवक को एमवाय अस्पताल पहुंचाया। इस बीच नाराज लोगों ने बस को आग लगा दी। आग ने बस के अगले और पिछले हिस्से को चपेट में ले लिया। सूचना मिलने के बाद मौके पर फायर ब्रिगेड की दमकलें पहुंची और बस में लगी आग को बुझाया। उधर पुलिस चालक की तलाश कर रही है। शुक्ला ब्रदर्स की बस से चार माह में यह तीसरी घटना है। इससे पहले इंदौर-उज्जैन रोड पर बस की टक्कर से एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई थी। राजकुमार ब्रिज पर भी बस ने एक महिला और बेटी को टक्कर मारकर घायल कर दिया था। पीथमपुर के मनाल होटल चौराहे पर एक ट्रक ने बाइक सवार को रौंद दिया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। तेज गति से आ रहे ट्रक ने बाइक को पंद्रह फीट तक रौंदा। युवक का शव ट्रक के पहिए में ही फंसा रहा और उसने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। पुलिस ने चालक को गिरफ्तार कर लिया है।

मकर संक्रांति पर यातायात पुलिस इंदौर का विशेष जागरूकता अभियान, हेलमेट और चाइनीज मांझे को लेकर दिया सुरक्षा संदेश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर शहर में यातायात को सुगम और सुरक्षित बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह एवं अतिरिक्त पुलिस आयुक्त श्री आर. के. सिंह के मार्गदर्शन तथा पुलिस उपायुक्त (यातायात/जोन-4) श्री आनंद कलादगी के निर्देशन में यातायात पुलिस इंदौर द्वारा मकर संक्रांति के पावन अवसर पर एक विशेष जनजागरूकता अभियान आयोजित किया गया।

इस अभियान के अंतर्गत सड़क सुरक्षा के प्रति आम नागरिकों को जागरूक करने के लिए वाहन चालकों को मकर संक्रांति की शुभकामनाओं के साथ तिल के लड्डू वितरित किए गए। साथ ही पतंग की खतरनाक डोर, विशेषकर प्रतिबंधित चाइनीज मांझे से होने वाली दुर्घटनाओं से बचाव के लिए गले की सुरक्षा हेतु नेक प्रोटेक्टर बेल्ट भी वितरित किए गए।

अभियान को प्रभावशाली और आकर्षक बनाने के लिए यमराज और चित्रगुप्त के वेश में कलाकारों द्वारा प्रतीकात्मक प्रस्तुति दी गई। उन्होंने हेलमेट पहनने, सुरक्षित गति से वाहन चलाने और यातायात नियमों का पालन करने का संदेश देते हुए बताया कि लापरवाही जीवन के लिए घातक हो सकती है। इस अनोखे अंदाज ने आमजन का विशेष ध्यान आकर्षित किया और सड़क सुरक्षा का संदेश गहराई से पहुंचाया।

यातायात पुलिस इंदौर ने नागरिकों से अपील की कि पतंग उड़ाते समय सुरक्षित धागे का उपयोग करें, प्रतिबंधित चाइनीज मांझे का प्रयोग न करें और दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट अवश्य पहनें। इसके साथ ही गले में कपड़ा या नेक प्रोटेक्टर का उपयोग कर स्वयं की सुरक्षा सुनिश्चित करें।

यातायात पुलिस, इंदौर ने आम नागरिकों से पर्व को सुरक्षित, जिम्मेदारीपूर्ण और नियमों के अनुरूप मनाने की अपील करते हुए कहा कि यातायात नियमों का पालन कर ही हम स्वयं और दूसरों की जान सुरक्षित रख सकते हैं।

चाइनीज मांझे के खिलाफ इंदौर पुलिस कमिश्नरेट का व्यापक जनजागरूकता अभियान, हर थाना क्षेत्र में चलाया जा रहा "SAY NO TO CHINESE MANJHA" अभियान

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मानव जीवन के साथ-साथ पशु-पक्षियों के लिए जानलेवा साबित हो रहे नायलॉन व प्रतिबंधित चाइनीज मांझे के विरुद्ध इंदौर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा लगातार नित नए प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह के निर्देश पर शहर के सभी थाना क्षेत्रों में "SAY NO TO CHINESE MANJHA" विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है, जिसके तहत जनजागरूकता के साथ-साथ प्रतिबंध का उल्लंघन करने वालों पर सख्त वैधानिक कार्रवाई भी की जा रही है।

इस अभियान के अंतर्गत नगरीय जोन के वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में पुलिस द्वारा पतंग की दुकानों, बाजारों, खुले मैदानों एवं पतंग उड़ाने वाले स्थानों पर सतत निगरानी रखते हुए सर्चिंग और चैकिंग की जा रही है। आमजन को चाइनीज मांझे के खतरों से अवगत कराने के लिए नुक्कड़ नाटक, जागरूकता रैलियां, बैनर-पोस्टर, जनसंवाद, शपथ कार्यक्रम और पीए सिस्टम के माध्यम से अनाउंसमेंट किए जा रहे हैं। इसके साथ ही ड्रोन कैमरों के जरिए भी निगरानी रखी जा रही है। अभियान के दौरान कई थाना क्षेत्रों में विशेष नवाचार किए गए। थाना खजराना क्षेत्र में पुलिस उपायुक्त जोन-02 श्री कुमार प्रतीक के नेतृत्व में दुकानों की सर्चिंग की गई तथा सब्जियों के माध्यम से डेमो देकर यह बताया गया कि यह मांझा किस प्रकार गले, हाथ और शरीर को गंभीर नुकसान पहुंचा सकता है। वहीं बच्चों और युवाओं को इस खतरनाक मांझे का उपयोग न करने की शपथ भी दिलाई गई।

पुलिस थाना तुकोगंज क्षेत्र अंतर्गत 56 दुकान पर डीसीपी जोन-03 श्री राजेश व्यास की उपस्थिति में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से चाइनीज मांझे के दुष्परिणामों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया। इसी प्रकार सराफा, राजवाड़ा, जूनी इंदौर, तिलक नगर, सदर बाजार, बाणगंगा, तेजाजी नगर सहित अन्य थाना क्षेत्रों में भी नुक्कड़ नाटक, जनसंवाद और डेमो के जरिए लोगों को जागरूक किया गया।

विभिन्न थाना क्षेत्रों में जागरूकता रैलियां निकालकर प्रमुख मार्गों, पुलों, दीवारों और चौराहों पर प्रतिबंधित मांझे के दुष्परिणाम दर्शाते बैनर-पोस्टर लगाए गए। वाहनों की गति नियंत्रित करने के लिए बैरिकेड्स लगाए गए तथा वाहनों पर सेफ्टी वायर भी लगवाए गए। अभियान के दौरान नागरिकों को यह भी बताया गया कि चाइनीज मांझे का क्रय-विक्रय और उपयोग पूर्णतः प्रतिबंधित है तथा इसका उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

इंदौर पुलिस कमिश्नरेट का यह व्यापक अभियान आमजन को सुरक्षित पतंगबाजी के लिए प्रेरित करने, सड़क दुर्घटनाओं व जानलेवा घटनाओं को रोकने तथा शहर को सुरक्षित बनाए रखने की दिशा में एक प्रभावी कदम साबित हो रहा है।

इंदौर को मिलने जा रहा नया जंगल, देवगुराड़िया में बनेगा मिनी फॉरेस्ट

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहरवासियों को हरियाली की दिशा में एक और बड़ी सौगात मिलने जा रही है। वन विभाग द्वारा देवगुराड़िया क्षेत्र में पहाड़ियों के बीच एक नया जंगल यानी मिनी फॉरेस्ट विकसित किया जाएगा। आने वाले कुछ वर्षों में यह क्षेत्र हरियाली से आच्छादित होकर इंदौर के लिए नया प्राकृतिक आकर्षण बनेगा।

वन विभाग ने इस नए साल की शुरुआत के साथ ही देवगुराड़िया क्षेत्र में मिनी फॉरेस्ट विकसित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। यह प्रोजेक्ट चरणबद्ध तरीके से पूरा किया जाएगा। पहले चरण में चयनित भूमि पर पौधरोपण का कार्य किया जाएगा, जिसके बाद दूसरे चरण में विस्तार किया जाएगा। 20-20 हेक्टेयर के दो मिनी फॉरेस्ट होंगे विकसित- वन विभाग की योजना के तहत देवगुराड़िया क्षेत्र में 20-20 हेक्टेयर के दो अलग-अलग सेक्टर में मिनी फॉरेस्ट विकसित किए जाएंगे। पहले चरण में 20 हेक्टेयर भूमि पर विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए जाएंगे, जिससे धीरे-धीरे यह इलाका घने जंगल का स्वरूप ले सके।

वन मंडल इंदौर के अनुसार देवगुराड़िया क्षेत्र में पहाड़ियों के बीच राजस्व विभाग की जमीन उपलब्ध है, जो वर्तमान में पुलिस प्रशासन के अधीन है। लगभग 83 हेक्टेयर भूमि फायरिंग रेंज के लिए सुरक्षित है। पुलिस और जिला प्रशासन के सहयोग से इसी क्षेत्र के 20-20 हेक्टेयर हिस्से में वन विभाग द्वारा विभिन्न प्रजातियों के पेड़ लगाए जाएंगे। इस परियोजना की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। नए मिनी फॉरेस्ट के विकसित होने से न केवल इंदौर की हरियाली बढ़ेगी, बल्कि पर्यावरण संतुलन, जैव विविधता और शुद्ध हवा को भी बढ़ावा मिलेगा। आने वाले समय में यह क्षेत्र शहरवासियों के लिए प्राकृतिक विरासत के रूप में विकसित होगा।

वर्ष 2026 की शुरुआत में प्रदेश ने रचा बिजली आपूर्ति का नया कीर्तिमान

मकर संक्रांति पर्व पर 19,895 मेगावाट अधिकतम मांग की निर्बाध आपूर्ति

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। वर्ष 2026 की शुरुआत मध्यप्रदेश के ऊर्जा क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक रही। मकर संक्रांति पर्व के अवसर पर प्रदेश ने अब तक की सर्वाधिक विद्युत मांग को सफलतापूर्वक पूरा करते हुए नया कीर्तिमान स्थापित किया। पर्व के दिन प्रातः 10 बजकर 36 मिनट पर प्रदेश में 19,895 मेगावाट की रिकॉर्ड बिजली मांग दर्ज की गई, जिसे विद्युत कंपनियों के उत्कृष्ट समन्वय से बिना किसी व्यवधान के पूरा किया गया।

इस दौरान प्रदेश की समस्त विद्युत उत्पादन, पारेषण एवं वितरण कंपनियों ने समन्वित प्रयास करते हुए 19,895 मेगावाट की मांग की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की, जिससे आम नागरिकों को पर्व के दिन लगातार और भरोसेमंद बिजली उपलब्ध रही।

प्रदेश में बिजली मांग की स्थिति- एम.पी. पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एम.पी. ट्रांसको) स्टेट लोड डिस्पैच सेंटर के मुख्य अभियंता श्री प्रदीप सचान ने बताया कि अधिकतम मांग के समय मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी (जबलपुर, सागर एवं रीवा संभाग) में 5380 मेगावाट, मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी (भोपाल एवं ग्वालियर संभाग) में 6382 मेगावाट तथा पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी (इंदौर एवं उज्जैन संभाग) में 7780 मेगावाट की मांग दर्ज की गई। इसके अतिरिक्त सेज एवं रेलवे क्षेत्रों में 353 मेगावाट विद्युत मांग रही।

इस तरह सुनिश्चित हुई आपूर्ति- रिकॉर्ड मांग की पूर्ति के समय प्रदेश के ताप विद्युत गृहों से 3369 मेगावाट, जल विद्युत गृहों से 1450 मेगावाट, प्रदेश में स्थित नवीकरणीय ऊर्जा स्त्रोतों से 1466 मेगावाट उत्पादन था। एनटीपीसी, बैंकिंग एवं अन्य स्त्रोतों से कुल 13610 मेगावाट बिजली प्राप्त की गई।

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने दी बधाई- ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर प्रदेश की सभी विद्युत कंपनियों और विद्युत कार्मिकों को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता उनके अथक परिश्रम, तकनीकी दक्षता और समर्पित कार्यशैली का परिणाम है। उन्होंने बताया कि अधिकतम मांग के समय प्रदेश के सभी उत्पादन केन्द्रों, ट्रांसमिशन लाइनों एवं सबस्टेशनों से पूर्ण समन्वय के साथ निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की गई।

स्वास्थ्य विभाग तथा इंडेक्स मेडिकल कॉलेज के सहयोग से हेल्थ शिविर का किया गया आयोजन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर के भागीरथपुरा प्रभावित क्षेत्रों में आज बुधवार को स्वास्थ्य विभाग तथा इंडेक्स आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज के सहयोग से हेल्थ शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में महिलाओं एवं बच्चों के स्वास्थ्य संबंधी विभिन्न जांचे की गई। भागीरथपुरा प्रभावित क्षेत्र में आज ओपीडी में 03 डायरिया के मरीज आए, जिनका उपचार किया गया। किसी को भी रैफर नहीं किया गया। आशा कार्यकर्ताओं ने लोगों को समझाईश दी कि पानी को उबाल कर ही पीएं और यदि उपचार चल रहा है तो दवाईयों का डोज पूर्ण करें।

कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशानुसार क्षेत्र में 02 एम्बुलेंस लगाई गई हैं। 24×7 चिकित्सकों की ड्यूटी क्षेत्र में लगाई गई है। आज अभियान स्वास्थ्यवर्धन के अंतर्गत उपचार, परामर्श एवं जाँच की गई, जिसमें लोगों ने अपने आपको काफी सहज एवं सुरक्षित महसूस किया तथा उन्होंने कहा कि हेल्थ कार्ड के माध्यम से हमें अपने स्वास्थ्य सूचकांकों की जानकारी भी मिल रही है तथा स्वास्थ्य के स्तर का पता भी चल रहा है। दल द्वारा दिए गए परामर्श से यह भी जानकारी प्राप्त हो रही है, कि हमें किस तरह की जीवन शैली को अपनाना चाहिए, जिससे कि स्वयं, परिवार एवं समुदाय स्वस्थ रह सके।

बताया गया कि वर्तमान में अस्पतालों में भर्ती मरीजों की संख्या 27 है, जिसमें 8 मरीज आईसीयू में भर्ती होकर उपचाररत हैं।

20 मंडल एवं 13 बस्तियों में सम्पन्न हुए हिन्दू सम्मेलन, पंच परिवर्तन के माध्यम से समाज परिवर्तन का आह्वान

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में जिले के 20 मंडलों एवं 13 बस्तियों में क्रमशः आयोजित हुए। हिन्दू सम्मेलन श्रद्धा, संस्कृति और संगठन की भावना का सशक्त उदाहरण बने। इन सम्मेलनों में बड़ी संख्या में समाजजन, मातृशक्ति, युवा वर्ग एवं वरिष्ठ नागरिकों की सक्रिय सहभागिता देखने को मिली। सम्मेलन का उद्देश्य हिन्दू समाज को एक सूत्र में बांधते हुए धर्म, संस्कृति और राष्ट के प्रति जागरूकता को और अधिक सुदृढ़ करना रहा।

सम्मेलन में संत महात्माओं ने अपने प्रवचनों के माध्यम से हिन्दू धर्म की सनातन परंपराओं, भारतीय संस्कृति की महानता तथा जीवन में संस्कारों के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। संतों ने कहा हिन्दू धर्म केवल पूजा-पद्धति नहीं बल्कि जीवन जीने की एक समग्र पद्धति है, जो मानवता, करुणा, सह-अस्तित्व और प्रकृति संरक्षण का संदेश देता है। उन्होंने युवाओं से अपनी जड़ों से जुड़े रहने और भारतीय संस्कृति को अपनाने का आह्वान किया।

मातृशक्ति की सहभागिता सम्मेलन की विशेष पहचान रही। मातृशक्तियों ने अपने विचार रखते हुए कहा कि परिवार और समाज के निर्माण में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने बच्चों में संस्कारों के रोपण, पारिवारिक एकता बनाए रखने और सामाजिक समरसता को सशक्त करने में माताओं की जिम्मेदारी पर बल दिया। मातृशक्तियों ने कहा कि यदि परिवार सशक्त होगा तो समाज और राष्ट्र स्वतः सशक्त बनेंगे।

इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वक्ताओं ने संघ की 100 वर्षों की प्रेरणादायी यात्रा पर प्रकाश डालते हुए बताया कि संघ की स्थापना से लेकर आज तक उसका मूल उद्देश्य राष्ट्र निर्माण रहा है। वक्ताओं ने कहा कि संघ ने बीते एक शताब्दी में सेवा, संस्कार और संगठन के माध्यम से समाज के हर वर्ग को जोड़ने का कार्य किया है। शिक्षा, सेवा, सामाजिक समरसता, आपदा प्रबंधन और राष्ट्रभक्ति जैसे क्षेत्रों में संघ के स्वयंसेवकों का योगदान सर्वविदित है।

संघ के वक्ताओं ने आगे बताया कि वर्तमान समय में समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए पंच परिवर्तन को आत्मसात करना अत्यंत आवश्यक है। पंच परिवर्तन के अंतर्गत *पहला विषय कुटुंब प्रबोधन बताया गया, जिसके माध्यम से परिवारों में संवाद, संस्कार, अनुशासन और भारतीय जीवन मूल्यों को पुनः स्थापित करने का प्रयास किया जाना चाहिए। परिवार ही समाज की सबसे छोटी लेकिन सबसे मजबूत इकाई है।

दूसरा विषय सामाजिक समरसता पर केंद्रित रहा। वक्ताओं ने कहा कि जाति, वर्ग और आर्थिक भेदभाव से ऊपर उठकर एक समरस और संगठित समाज का निर्माण ही समय की आवश्यकता है। सभी वर्गों के बीच आपसी सहयोग और सम्मान की भावना विकसित कर ही एक सशक्त राष्ट्र की नींव रखी जा सकती है।

तीसरा विषय पर्यावरण संरक्षण पर रखा गया। वक्ताओं ने कहा कि प्रकृति का संरक्षण केवल सरकार का नहीं बल्कि प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। जल, वन, भूमि और जीव-जंतुओं की रक्षा कर ही भावी पीढ़ियों के लिए सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित किया जा सकता है। पर्यावरण के प्रति जागरूकता को जन आंदोलन का रूप देने का आह्वान किया गया।

चौथा विषय नागरिक कर्तव्य पर वक्ताओं ने कहा कि अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों का पालन भी उतना ही आवश्यक है। कानून का पालन, सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा, स्वच्छता, मतदान और सामाजिक जिम्मेदारियों का निर्वहन ही सच्चे नागरिक का परिचय है।

पांचवां विषय स्वदेशी पर केंद्रित रहा। वक्ताओं ने स्वदेशी उत्पादों के उपयोग पर जोर देते हुए कहा कि इससे न केवल देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी बल्कि आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को भी बल मिलेगा।

सम्मेलन में समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने, हिन्दू समाज को संगठित करने तथा पंच परिवर्तन को व्यवहार में उतारने का संकल्प लिया गया। आयोजकों ने सभी समाजजनों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे सम्मेलन समाज में जागरूकता, एकता और सांस्कृतिक चेतना को निरंतर मजबूत करते रहेंगे।

मंदसौर में 17 जनवरी से राज्य स्तरीय बेसबॉल प्रतियोगिता, प्रीतेश चावला ने घोषित की आयोजन समिति

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। खेल गतिविधियों के केंद्र मंदसौर में आगामी 17 एवं 18 जनवरी 2026 को दो दिवसीय राज्यस्तरीय बेसबॉल प्रतियोगिता का भव्य आयोजन होने जा रहा है। इस गौरवशाली प्रतियोगिता के सफल संचालन हेतु आयोजन अध्यक्ष प्रीतेश चावला द्वारा आयोजन समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों की अधिकृत घोषणा कर दी गई है। समिति में शहर के वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों और खेल प्रेमियों को विभिन्न महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। आयोजन समिति में मार्गदर्शक सांसद सुधीर गुप्ता, बंशीलाल गुर्जर, यशपाल सिंह सिसोदिया, राजेश दीक्षित, श्रीमती दुर्गा विजय पाटीदार, श्रीमती रमादेवी गुर्जर, बसंत शर्मा एवं घनश्याम बटवाल बनाये गये वहीं संरक्षक विजय सुराणा, हिम्मत डांगी, गौरव अग्रवाल, विजेंद्र देवड़ा, विनोद डगवार, अरविंद सारस्वत एवं मुकेश काला को बनाया गया। समिति के उपाध्यक्ष भानुप्रताप सिंह सिसोदिया, बंशी राठौर, हेमंत शर्मा, राजेश गुर्जर एवं सूरज प्रताप सिंह तोमर, सचिव ओमप्रकाश सूर्यवंशी, संयुक्त सचिव आशुतोष नवाल, हीरालाल मालवीय, अंकित सोनी, पप्पू जैन एवं निर्विकार रातड़िया, कोषाध्यक्ष विमलचन्द मच्छीरक्षक एवं हिम्मत लोढ़ा बनाये गये है। कार्यकारिणी सदस्य के रूप में संजय राठौर, अर्जुन डाबर, पुष्पेंद्र भावसार, भगवान ज्ञानानी, पुलकित डांगी, आबिद हुसैन, हितेश भाटी, नवीन सकलेचा, संजय संचेती, दलपत डांगी, मनोहर धारू, दिनेश यादव एवं नवीन खोखर कों शामिल किया गया है, जो प्रतियोगिता की व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देंगे। आयोजन समिति अध्यक्ष प्रीतेश चावला ने विश्वास व्यक्त किया है कि यह राज्यस्तरीय स्पर्धा मंदसौर के खेल इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ेगी।

धरती आबा अभियान के विशेष शिविरों ने बदली सहरिया परिवारों की उम्मीदें

विदिशा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। धरती आबा अभियान के अंतर्गत जिले के चिन्हित ग्रामों में विशेष शिविरों का आयोजन कर शासन की योजनाओं का लाभ सीधे पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाया जा रहा है।

इसी क्रम में बासौदा तहसील के ग्राम काचरोध एवं दाऊद बासौदा में एक साथ विशेष शिविर आयोजित किए गए, जिनका उद्देश्य जनजातीय परिवारों को आवश्यक प्रमाण पत्र त्वरित रूप से उपलब्ध कराना रहा।

तहसीलदार श्री अरविन्द यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि इन शिविरों के माध्यम से दोनों ग्रामों के कुल 81 हितग्राहियों को मौके पर ही जाति प्रमाण पत्र जारी कर प्रदान किए गए। इनमें दाऊद बासौदा के 60 एवं ग्राम काचरोध के 21 हितग्राही शामिल हैं। शिविर में सभी प्रक्रियाएं सरल एवं पारदर्शी रखी गईं, जिससे ग्रामीणों को कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़े।

ग्राम काचरोध निवासी श्री राजेश सहरिया, पिता मुन्ना लाल सहरिया ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें उम्मीद नहीं थी कि जाति प्रमाण पत्र घर बैठे ही मिल जाएगा। उन्होंने इस सुविधा के लिए शासन एवं प्रशासन का आभार व्यक्त किया।

धरती आबा अभियान के अंतर्गत आयोजित ये विशेष शिविर प्रशासन की संवेदनशीलता एवं जनकल्याण के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं, जिससे जनजातीय एवं वंचित वर्गों को समय पर आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध हो रहे हैं और वे विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ सहजता से प्राप्त कर पा रहे हैं।

जनहित के निर्माण कार्यों में प्रगति लाएं - कलेक्टर

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्रीमती मिशा सिंह की अध्यक्षता में कलेक्टर कार्यालय सभाकक्ष में जिला शहरी विकास अभिकरण अंतर्गत नगर पालिका परिषद, नगर पालिका एवं नगर पंचायत द्वारा शासकीय कार्यों एवं योजनाओं के क्रियान्वयन संबंधी समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में परियोजना अधिकारी श्री अरुण पाठक द्वारा जिले में संचालित प्रधानमंत्री आवास योजना, बी एल सी घटक 1.0 , बी एल सी घटक 2.0, प्रधानमंत्री स्वनिधी योजना, अमृत योजना 2.0, स्वच्छ सर्वेक्षण, स्वच्छ भारत मिशन, गीता भवन निर्माण कार्य, विभिन्न योजनाओं में भूमि आवंटन संबंधी कार्य की प्रगति, एसबीएम अंतर्गत स्वीकृत कार्यों की समीक्षा, अनधिकृत कॉलोनी की जानकारी का नगरीय निकायवार प्रस्तुतीकरण दिया गया। प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने निर्देशित किया कि सभी अपूर्ण कार्यों में रिकवरी संबंधी कार्यवाही की जाए, इस संबंध में न्यायालय कलेक्टर द्वारा तहसीलदार को जानकारी दी जाए तथा आरआरसी के प्रकरणों का प्रस्ताव भेजें।

उन्होंने सभी अपूर्ण कार्यों को शीघ्रता से पूर्ण करने के लिए निर्देश दिए। प्रधानमंत्री आवास योजना घटक 2.0 के संबंध में आंकड़ों का विस्तृत विश्लेषण प्रस्तुत नहीं करने के कारण सी एम ओ पिपलोदा को कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने के लिए पी ओ डूडा को निर्देशित किया। सभी प्रकार की पेंडेंसी संबंधी जानकारी कारण सहित प्रस्तुत करने, पात्र लोगों को पात्र घोषित करने अपात्र लोगों को अपात्र घोषित करने तथा जिनको होल्ड पर रखा गया है, उनकी जानकारी देने के लिए एक सप्ताह की समय सीमा निर्धारित की गई। बड़ावदा, पिपलोदा और सैलाना क्षेत्र के लिए इंजीनियर की नियुक्ति संबंधी प्रस्ताव प्रेषित करने के निर्देश दिए। प्रधानमंत्री स्वनिधि निधि योजना अंतर्गत सैलाना का कार्य अच्छा पाया गया। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि स्व सहायता समूह की महिलाओं का इस संबंध में सहयोग लिया जाए तथा पूर्व में जिन हितग्राहियों ने समय पर राशि लौटाई है,ऐसे समूहों के प्रस्ताव लिए जाएं।

जिन नगरीय निकायों की कार्य उपलब्धि कम है उन सभी को कारण बताओं नोटिस जारी करते हुए अनुशासनात्मक कार्यवाही के लिए प्रस्ताव प्रेषित किए जाएं। अमृत 2.0 योजना अंतर्गत समीक्षा के दौरान निर्देशित किया गया कि नई पेयजल संबंधी निर्माण कार्य करते समय सीवरेज के आसपास पानी की पाइपलाइन नहीं डाले, इस संबंध में जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम किया जाए। पेयजल संबंधी निर्माण कार्य करते समय घर के आसपास सेप्टिक टैंक ना हो इस बात का ध्यान रखा जाए। तालाब निर्माण संबंधी समस्त कार्य बारिश होने से पूर्व पूर्ण कर लिए जाएं। तालाब के कार्यों में रिचार्ज शाफ्ट के साथ रेन वाटर रिचार्ज का भी कार्य कराया जाए। विभिन्न योजनाओं में भूमि आवंटन के संबंध में आ रही दिक्कतों के लिए सोमवार को आयोजित होने वाली नजूल की बैठक में जानकारी प्रस्तुत की जाए , ताकि राजस्व विभाग के माध्यम से समस्या का निराकरण हो सके। गीता भवन निर्माण कार्य की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने निर्देशित किया कि पुराने एवं अनुपयोगी जर्जर भवनों को गिराया जाए और उसकी जमीन का उपयोग शासकीय नियम अनुसार फॉरेस्ट पी डब्ल्यू डी, विद्युत, फायर और टीएमसी की एन ओ सी प्राप्त करके किया जाए। अनाधिकृत कॉलोनी के संबंध में सर्वे कराकर कार्रवाई करने के लिए निर्देशित किया गया। कलेक्टर ने स्वच्छ जल अभियान अंतर्गत सभी नगरीय निकायों में प्रत्येक मंगलवार को जल सुनवाई आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक वार्ड में मुनादी कराए और हर वार्ड में जाकर पेयजल संबंधी समस्याओं का मौके पर निराकरण किया जाए। उन्होंने कहा कि पुरानी सीवर लाइन और पुरानी पेयजल लाइन की मैपिंग की जाए और इसके सघन चेकिंग की जाए। पेयजल की टंकियां साफ होना अत्यंत आवश्यक है, इसकी एप्लीकेशन में प्रविष्टि करें और जिओ टेग करें, सभी संपवेल केंद्रों पर पेयजल के सैंपल लिए जाएं और इसकी बैक्टीरिया जांच कराई जाए , वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट और पेयजल लाइन में लीकेज ना हो। सभी नालियों की नियमित सफाई की जाए नालियां चोक नहीं होना चाहिए। क्षेत्र में सेवाएं प्रदान करते समय जनप्रतिनिधियों का सहयोग लिया जाए वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट और सीवरेज प्लांट का निरीक्षण किया जाए।

मकर संक्रांति पर्व पर जय अंबे, कालिका, देव डूंगरी माता की लोटन यात्रा हुई, महाप्रसादी सम्पन्न

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मकर संक्रांति पर्व के त्यौहार धार्मिक आयोजन के अवसर पर देवडूंगरी माता मंदिर परिसर रेवास देवड़ा रोड़ पर लोटल यात्रा निकाली गई व अतिथियों एवं भक्त मंडल, मंदिर समिति के ने मातृशक्ति का वस्त्र वितरण कर किया सम्मान किया। 14 जनवारी बुधवार को रेवास देवड़ा रोड़, स्थित चमत्कारी एक प्रसिद्ध मंदिर पर जय अंबे, कालिका देव डूंगरी माता मंदिर, माता रानी की विशाल लोटन यात्रा हूई। भण्डारा मे नुक्ती पुड़ी का भोग लगाया। मंदिर परिक्षेत्र मे देवडूंगरी माता भक्त मंण्डल के द्वारा विशाल चल समारोह बेंडबाजो, ढोल ढमाकों के साथ धार्मिक भजनों के साथ बालजी मंदिर से निकाला गया। लोटल यात्रा मे मंदसौर विधायक विपीन जैन, पंडित श्रीकृष्णवल्लभ शास्त्री मालवा स्वामी, समिति अध्यक्ष बंशीलाल राठौर, सामाजिक कार्यक्रता राधेश्याम मारू, सरपंच दिनेश जाट, पंच कचेलिया तेली समाज के मनोहर राठौर, बसंतीलाल भाटी, महेश दुबे, प्रियाशंराज व्यास आदी अतिथियों के अलावा धार्मिक सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारी ने सहभगीता की। जय अम्बे, देवडूंगरी मातारानी भक्त मंण्डल, मंदिर समिति के सदस्य रामेश्वर सोलंकी ने बताया कि प्रतिवर्ष इस वर्ष भी लोटल यात्रा और भंडारा का आयोजन हुआ। अतिथियों द्वारा मातृशक्ति को वस्त्र वितरण किया गया। समिति की ओर से अतिथियों को मातारानी के दुप्पटा पहनाकर सम्मान किया गया। सभी धर्मप्रेमीजनता ने भंडारे मे प्रसादी ग्रहण की।

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना गर्भवती महिलाओं के लिए बनी सहारा

नीमच जिले की 51 हजार से अधिक महिलाओं को मिला लाभ

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना जरूरतमंद गर्भवती माताओं के लिए संबल बन रही है। योजना के माध्यम से गर्भावस्था के दौरान स्वास्थ्य, पोषण और सुरक्षित प्रसव के लिए मिलने वाली आर्थिक सहायता ने महिलाओं के चेहरे पर खुशी ला दी है। सरकार की इस योजना के तहत पहले जीवित जन्म के लिए पात्र महिलाओं को 5,000 रुपये की राशि सीधे उनके बैंक खाते में प्रदान की जाती है, जिससे गर्भावस्था के दौरान आवश्यक पोषण-सामग्री, दवाइयों और जांच का खर्च वहन करना आसान हो रहा है।

मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री मोहन यादव के नेतृत्व में इस योजना के क्रियान्वयन को और गति मिली है। राज्य सरकार द्वारा स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा स्थानीय प्रशासन के समन्वय से लाभार्थियों तक योजना का लाभ त्वरित रूप से पहुँचाया जा रहा है। नीमच जिले में इस योजना का सकारात्मक प्रभाव स्पष्ट दिखाई दे रहा है। कलेक?टर श्री हिमांशु चंद्रा के निर्देशन में जिले में अब तक लगभग 51397 महिलाओं को लाभ प्राप्त हो चुका है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों की आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, संहायिकाओं तथा आशा-उषा कार्यकर्ताओं के सक्रिय प्रयासों से गर्भवती महिलाओं का समय पर पंजीयन, टीकाकरण, स्वास्थ्य परीक्षण और संस्थागत प्रसव सुनिश्चित किया जा रहा है। योजना के चलते मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने, बेहतर पोषण स्तर बनाए रखने और सुरक्षित मातृत्व को प्रोत्साहन देने के प्रयास सफल होते दिख रहे हैं। लाभान्वित महिलाएं प्रधानमंत्री और प्रदेश के मुख?यमंत्री डॉ.मोहन यादव के प्रति आभार व्यक्त कर रही हैं और इस योजना को आर्थिक तथा सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने वाली महत्वपूर्ण योजना बता रही हैं। नीमच महिला एवं बाल विकास कार्यक्रम अधिकारी सुश्री अंकिता पंड्या ने बताया कि नीमच जिले में प्रधानमंत्री मातृवन्दना योजनांतर्गत कुल 51397 महिलाएं चिन्हित कर लाभान्वित की गई है। प्रधानमंत्री मातृवन्दना योजना 2017 से शुरू हुई है इसके तहत प्रथम प्रसव पर 5000 रुपए की राशि का प्रावधान महिलाओं के लिए है। साथ ही द्वितीय प्रसव पर यदि बालिका का जन्म होता है तो एकमुश्त 6000 रुपए का प्रावधान है। इस योजना से पूरे जिले की महिलाएं लाभान्वित हो रही है। अपनी पोषण संबंधी आवश्यकताएं, अपने गर्भावस्था के दौरान जो भी समस्याएं आती है उसके निराकरण के लिए महिलाएं इस राशि का उपयोग कर रही है।

जावद तहसील के गांव सकतपुरिया की रहने वाली सुश्री पूजा बंजारा ने बताया कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता से उन्हें प्रधानमंत्री मातृवन्दना योजना की जानकारी मिली। उनके गर्भावस्था के दौरान 3 महीने के टीके के बाद 3 हजार रुपए की राशि मिली है और उसके बाद 2 हजार की राशि मिली। इससें उन?हे गर्भावस्था में काफी फायदा हुआ है। वे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का धन्यवाद कर रही है ।

विराट हिंदू सम्मेलन को लेकर नगर सिंगोली में निकली विशाल प्रभातफेरी

हिन्दू समाज में सम्मेलन को लेकर भारी उत्साह

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। संघ शताब्दी वर्ष को लेकर नगर सिंगोली में दिनांक 28 जनवरी को विराट हिंदू सम्मेलन का आयोजन हे उसकी तैयारी को लेकर हिन्दू समाज द्वारा अलग अलग आयोजन हर रोज हो रहे हैं।आज दिनांक 14 जनवरी मकर संक्रांति पर्व के अवसर पर हिन्दू सम्मेलन के कार्यकर्ताओं ओर बारी के बालाजी मित्र मंडल के मार्ग दर्शन में नगर के मध्य स्थित गूर्जर समाज के मंदिर से प्रातः काल 7 बजे से विशाल प्रभातफेरी निकाली गई जिसमें महिला पुरुष युवक युवतियों ने जबरदस्त उत्साह के साथ भाग लिया भगवान के भजनों के साथ नाचते गाते युवाओं ओर महिलाओं की टोली ने प्रभातफेरी में जयघोष से आकाश को गुंजायमान कर दिया। प्रभातफेरी अहिंसा पथ बापु बाजार विवेकानंद बाजार पुराना बस स्टैंड तिलस्वां चौराहा नया बस स्टैंड होते हुए पुनः गूर्जर समाज मंदिर पर पहुंची जहां आरती के पश्चात प्रसाद वितरण किया गया। प्रभातफेरी के दौरान गोतमालय भवन के बाहर पत्रकार संघ द्वारा सभी के लिए अल्पाहार की व्यवस्था की गई तथा जोधपुर मिष्ठान पर केसरिया दुध पिलाया गया। हिन्दू सम्मेलन को लेकर नगर में जबरदस्त उत्साह का वातावरण बना हुआ है।

इंटरनेशनल सिटी फेस-2 कालोनी विकास की अनुमति जारी

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमाशु चंद्रा द्वारा एक प्रकरण में आवेदक / कॉलोनाईजर भारत पिता उदयलाल जारोली निवासी बंगला नं. 45 किला मार्ग नीमच के आवेदन पर कस्बा नीमच स्थित भूमि सर्वे नं. 2050/2 रकबा 0.840 हे., सर्वे नं. 2504 रकबा 0.1360 हे., सर्वे नं. 2506 रकबा 0.7210 हे., सर्वे नं. 2509/2 रकबा 0.0320 हे., सर्वे नं. 2510 रकबा 0.0210 हे., सर्वे नं. 2511 रकबा 1.1770 हे., सर्वे नं. 2512 रकबा 0.0840 हे., सर्वे नं. 2513 रकबा 0.3340 हे., सर्वे नं. 2514 रकबा 0.0520 हे.., सर्वे नं. 2515 रकबा 0.0840 हे., सर्वे नं. 2516/2 रकबा 0.1050 हे., सर्वे नं. 2520/1 रकबा 1.0210 हे., सर्वे नं. 2524/1/2 रकबा 1.3810 हे. कुल सर्वे नग 13 कुल संयुक्त रकबा 6.078 हे. में से 4.6804 हे. भूमि पर इंटरनेशनल सिटी फेस-2 कॉलोनी विकसित करने की सशर्त अनुमति जारी की गई है। इस संबंध में जारी आदेशानुसार कस्बा नीमच स्थित कॉलोनी इंटरनेंशनल सिटी फेस-2 के बंधक भूखंड क्र.80 से लगायत 93 एवं भूखंड क्रमांक 96 से लगायत 109,132 से लगायत 150,178,183,184,186,187 कुल 52 भूखंड नगरपालिका परिषद नीमच के पास बंधक रखे गये है। उक?त बंधक रखे गए भूखंड का किसी भी प्रकार से कलेक?टर की अनुमति के बिना विक्रय नही किया जा सकेगा।

युवा संगम रोजगार मेले में 265 युवा लाभावित

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला रोजगार कार्यालय नीमच एवं शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) रामपुरा के संयुक्त तत्वावधान में युवा संगम रोजगार स्वरोजगार मेले का आयोजन मंगलवार को किया गया। इस मेले में कुल 336 युवाओं ने पंजीयन कराया इसमें से 265 युवाओं का प्राथमिक रूप से रोजागार के लिए चयन किया गया है। इस युवा संगम में मालवा पेट्रो प्रोडक्ट प्र.लि. भारत फाईनेश्ल, टी.एस.पी.एल.ग्रुप पुणे पी.एम. फूड कॉर्पोरेशन एवं व्ही.ई. कमर्शियल प्रा. लि. पीथमपुर सहित प्रतिष्ठित कंपनियों ने सहभागिता की।

सभी बीएलओ नये मतदाताओं को फार्म -6 भरवाने में सहयोग करें श्री झा

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने की मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण कार्य की समीक्षा

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री संजीव कुमार झा ने बुधवार को वीडियों कांफ्रेसिंग के माध्यम से मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण कार्य की प्रगति की समीक्षा की । उन्होने निर्देश दिए कि बीएलओं नये मतदाताओं का नाम जोडने के लिए फार्म-6 भरवाने के कार्य में सहयोग करें।मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री झा ने सभी रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे फार्म-6,7 व फार्म 8 निर्धारित का समयावधि में निराकरण करें। उन्होने कहा कि मतदाता सूची को त्रुटी रहित एवं शुद्ध बनाना है।किसी भी पात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची में शामिल होने से छूटे नही और अपात्र मतदाता का नाम सूची मे शामिल ना हो पाए, इसका विशेष ध्यान रखे। वी.सी. में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय के अधिकारीगण,नीमच एनआईसी में कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा , एडीएम श्री बी.एस.कलेश, एसडीएम श्री संजीव साहू व अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

डी.एम. ने किया अनावेदक मिहीर शर्मा को जिला बदर

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला मजिस्ट्रेट श्री हिमांशु चंद्रा व्दारा म.प्र.राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा 5 के तहत ग्राम सोनियाना हा.मु. उदय बिहार नीमच निवासी मिहीर पिता गोपाल शर्मा को तीन माह की अवधि के लिए जिला बदर का आदेश जारी किया गया है। उक्त अवधि में मिहीर शर्मा नीमच जिले की राजस्व सीमा तथा समीपवर्ती मंदसौर, रतलाम, शाजापुर, उज्जैन, देवास, आगर मालवा जिले की राजस्व सीमा में तीन माह की अवधि तक प्रवेश नहीं कर सकेगा। अनावेदक मिहीर पिता गोपाल शर्मा के विरूद्ध पुलिस थाना केंट में विभिन्न धाराओं में अपराध पंजीबद्ध होकर न्यायालय में विचाराधीन है।

ई-टोकन से होगा उर्वरक वितरण, किसानों को मिलेगी पारदर्शी और समयबद्ध सुविधा

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। किसानों को पारदर्शी, सुगम एवं समय पर उर्वरक उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिले में ई-टोकन प्रणाली के माध्यम से उर्वरक वितरण किया जा रहा है।ई-टोकन प्राप्त करने हेतु किसानों को एमपीएफआर पोर्टल के फार्मर कॉर्नर में मोबाइल नंबर एवं ओटीपी के माध्यम से पंजीयन करना होगा। लॉगिन के बाद आधार नंबर दर्ज कर ओटीपी से आधार सत्यापन किया जाएगा, जिसमें नाम मैच स्कोर 80 प्रतिशत से अधिक होना अनिवार्य है। मोबाइल नंबर का भी सत्यापन किया जाएगा। इसके बाद पीएम किसान सम्मान निधि पात्रता हेतु हाँ/नहीं विकल्प का चयन कर Fetch Land Details पर क्लिक कर सर्वे नंबर जोड़े जाएंगे। आधार से भूमि स्वामी का नाम मिलान न्यूनतम 20 प्रतिशत होना आवश्यक है।

भूमि विवरण जोड़ने के बाद Verify All Land पर क्लिक कर समग्र आईडी दर्ज करनी होगी। सहमति बॉक्स पर क्लिक कर पुनः आधार ओटीपी के माध्यम से फाइनल सबमिट करना होगा।ई-टोकन देखने के लिए किसान को फार्मर आईडी बनाना आवश्यक है, जिसमें सभी सर्वे नंबर जोड़ना होंगे। इस कार्य हेतु संबंधित पटवारी से संपर्क किया जा सकता है।

ई-टोकन जनरेट करने के लिए किसान Web.e-token.mpkrishi.org वेबसाइट पर लॉगिन कर आधार एवं मोबाइल ओटीपी से सत्यापन करेंगे। इसके पश्चात एग्री-स्टैक से भू-अभिलेख देखकर विक्रेता (सहकारी या नगद विक्रय केंद्र) का चयन, फसल का चयन तथा उर्वरक की मात्रा की गणना कर ई-टोकन जनरेट किया जाएगा। उर्वरक प्राप्त करने के लिए किसानों को संबंधित उर्वरक विक्रेता के यहाँ ई-टोकन दिखाकर उर्वरक खरीदना अनिवार्य होगा।

सम्पादकीय

विश्व राजनीति का नया समीकरण, अमेरिका-ईरान और वेनेजुएला तनाव

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वैश्विक राजनीति की धुरी को तेज़ी से बदल दिया है,उनके हाल के निर्णयों ने अंतरराष्ट्रीय आर्थिक प्रणाली, सैन्य रणनीति और कूटनीतिक संतुलन पर गंभीर प्रभाव डाला है जिन्हें व्यापक स्तर पर समझना अब वक्त की मांग है।

सबसे ताज़ा और व्यापक रूप से पुष्टि की गई घोषणा यह है कि ट्रंप प्रशासन ने कहा है कि ईरान के साथ व्यापार करने वाले देशों पर अमेरिका 25त्न अतिरिक्त टैरिफ लगाएगा वह आदेश तत्काल प्रभावी और अंतिम व निर्णायक बताया गया है। यह क़दम सीधे तौर पर उन देशों को निशाना बनाता है जिनके पास ईरान के साथ बड़े आर्थिक समझौते हैं, जैसे चीन, भारत, तुर्की, रूस और संयुक्त अरब अमीरात। इसके परिणामस्वरूप न केवल वैश्विक व्यापार संबंधों में विसंगति पैदा हो सकती है, बल्कि विश्व अर्थव्यवस्था में भी महत्वपूर्ण अवरोध का सामना करना पड़ सकता है।

टैरिफ नीति को व्यापारिक दबाव का एक हथियार बताया गया है, लेकिन यह अब स्पष्ट है कि यह उपाय परंपरागत प्रतिबंधों से आगे बढ़कर उपस्थित किया गया है – यह न केवल ईरान को आर्थिक रूप से अलग-थलग करने का प्रयास है, बल्कि उसके व्यापारिक भागीदारों को भी अमेरिका के साथ रिश्तों पर पुनर्विचार करने के लिए मजबूर करता है। इस क़दम से उस नेटवर्क पर असर पड़ेगा जो ईरान को कच्चे तेल, औद्योगिक कच्चा माल और कृषि वस्तुओं के रूप में समर्थन देता है, और भारत जैसे बड़े व्यापारिक राष्ट्रों को भी टैरिफ भार का सामना करना पड़ सकता है। आर्थिक संकट का विस्तार टैरिफ का कदम अंतरराष्ट्रीय बाजारों में दवाब बनाने की कोशिश है, लेकिन इससे वैश्विक आपूर्ति-श्रृंखला में मूल्य वृद्धि, व्यापार विवाद और निवेश अनिश्चितता जैसी चुनौतियाँ उभर सकती हैं। उदाहरण के लिए, चीन खास तौर पर ईरान का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है, और उसके खिलाफ टैरिफ का असर न केवल तेल के व्यापार पर होगा बल्कि पूरे ईरानी लक्ज़मीन, वस्त्र और तकनीकी वस्तुओं के व्यापार को उलझा सकता है। इसके अलावा, कुछ विश्लेषकों का मानना है कि इससे अमेरिका-चीन व्यापार संबंधों पर तनाव और बढ़ सकता है, क्योंकि चीन पहले से ही पश्चिमी बाजार में अपने निर्यात पर भारी शुल्क का सामना कर रहा है। ऐसे में अतिरिक्त 25त्न टैरिफ से वैश्विक व्यापार युद्ध की आशंका बढ़ सकती है।

आर्थिक दबाव के साथ-साथ, ट्रंप प्रशासन के कुछ सूत्र यह संकेत भी दे रहे हैं कि ईरान के खिलाफ सैन्य विकल्पों पर विचार जारी है,खासकर उन स्थितियों में जहाँ ईरान के विरोध प्रदर्शन हिंसक दबाव में बदलते दिख रहे हैं। हालाँकि अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है कि अमेरिका ने सीधे ईरान पर हमला करने का निर्णय ले लिया है, सैन्य रणनीति के विकल्प तालिका में मौजूद बताए जा रहे हैं। कुछ रिपोर्टों में यह भी उल्लेख है कि कतर जैसे क्षेत्रों में अमेरिकी एयरबेस पर गतिविधियाँ बढ़ी हैं, जिससे यह सवाल उठता है कि संभव सैन्य कार्रवाइयों के लिए तैयारी भी चल रही है, हालांकि इसकी पुष्टि स्वतंत्र स्रोतों द्वारा अभी सीमित रूप से ही हुई है।

ट्रम्प प्रशासन ने पिछले सालों में ईरान के परमाणु कार्यक्रम और उसके ठिकानों पर कई प्रतिबंधात्मक उपायों और हमले जैसी कार्रवाइयों की भूमिका निभाई थी। इसी कड़ी में पिछले युद्धों और संघर्षों का हवाला देते हुए कई विश्लेषक मानते हैं कि संभावित भविष्य की सैन्य रणनीतियाँ भी गंभीर परिणाम लाने की क्षमता रखती हैं।कूटनीतिक परिदृश्य और प्रत्युत्तर कूटनीति के क्षेत्र में, ट्रंप प्रशासन की नीतियाँ स्वरूप में सख्त हैं लेकिन अपने साथ कई विरोध भी जड़ित करती हैं। उदाहरण के लिए, ईरान ने संवाद चैनल खुले रखने की इच्छा जताई है, जिससे यह संकेत मिलता है कि तेहरान वार्ता के द्वार बंद नहीं करना चाहता है – बावजूद इसके कि स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। चीन ने स्पष्ट रूप से अमेरिकी टैरिफ नीति का विरोध किया है, इसे अनैच्छिक, एकतरफा और अनिश्चितता पैदा करने वाला बताया है। चीनी प्रवक्ता ने कहा कि टैरिफ युद्ध के समाधान के बजाय समस्या को और बढ़ाता है, और यह भी चेतावनी दी कि ऐसे उपाय कोई विजेता नहीं पैदा करते। यूरोपीय और एशियाई देशों ने भी संकेत दिया है कि वे विवादास्पद फैसलों के संभावित स्थायी प्रभावों का अध्ययन कर रहे हैं, और ऐसे में वैश्विक स्तर पर कूटनीति, व्यापार संगठन और संयुक्त राष्ट्र जैसे मंचों में व्यापक बहस की संभावनाएँ बन रही हैं। ट्रम्प प्रशासन ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को गिरफ्तार करके अमेरिका ले जाने का दावा किया, जिससे अंतरराष्ट्रीय क़ानून, संप्रभुता और शक्ति संतुलन पर तीखी बहस छिड़ गई है। कई देशों ने इसे वैश्विक हस्तक्षेप के रूप में देखा, और अमेरिका-विरोधी राष्ट्रों में चिंता और नाराज़गी बढ़ी है। यह कदम संकेत देता है कि अमेरिकी नीति अब केवल एक क्षेत्र तक सीमित नहीं रही बल्कि औपनिवेशिक-जनित दबाव, सैन्य हस्तक्षेप और विरोधी राज्यों पर कड़ा रुख अपनाने की दिशा में अग्रसर है। अमेरिका अगर सैन्य कदम उठता है, तो परिणाम मानवीय संकट, स्थानीय प्रतिरोध, ईंधन की कीमतों में वृद्धि, निवेश प्रवाह में गिरावट और वैश्विक सुरक्षा ढाँचे में तीव्र अस्थिरता हो सकते हैं। इसके अलावा, ईरान का उत्तरदायित्व, बातचीत के दरवाज़े खोलने की संभावना और स्थानीय प्रदर्शनकारी समूहों की भूमिका भी मध्य-पूर्व के भविष्य को आकार दे रहे हैं।

आत्म सुख को पाने का मार्ग है सहज योग

आत्मविनाशी यानि आत्मा को सुख न दे पाने वाले व्यवहार वे हैं जो हमें भावनात्मक, शारीरिक या मानसिक रूप से नुकसान पहुँचाते हैं। यह कभी कभार अंजाने में हो जाता है या हो सकता है कि आप ठीक-ठीक जानते हों कि आप क्या गलत कर रहे हैं, लेकिन कई इच्छायें इतनी प्रबल होती है कि उसे नियंत्रित नहीं किया जा सकता है यानि हम अपनी इच्छाओं के गुलाम हो जाते हैं।

बुरी आदतें जैसे रोज देर रात तक जागने की आदत के कारण स्ट्रेस बढ़ता है। इससे उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, डायबिटीज या डिप्रेशन जैसी समस्या की आशंका बढ़ सकती है। जरुरत से ज्यादा खाने से या फास्ट फूड अधिक खाने से मोटापा बढ़ता है। वजन ज्यादा होने पर शरीर में कोलेस्ट्रॉल का स्तर भी बढ़ता है, जिससे हृदय को नुकसान पहुंचता है। इन आदतों से बेबस व्यक्ति क्रोधी और चिड़चिड़ा भी हो जाता है जो हमारे अपने जीवन को त्रस्त कर देता है। नशे की आदत सबसे बड़ी गुलामी है।

दरअसल जब हम अपनी बुरी आदतों पर काबू पाने की कोशिश करते हैं तब हमारे दिमाग के कुछ हिस्से हमारे खिलाफ काम कर रहे होते हैं। मनोवैज्ञानिक कहते हैं, ये आदतें हमारे दिमाग को कठोरता से जकड़े रखती हैं। और मस्तिष्क का भाग उन चीज़ों के लिए तरसता रहता है जिसका विरोध करने की हम बहुत कोशिश कर रहे होते हैं।

पर हमेशा क्या हम अपनी बुरी आदतों का गुलाम बने रहेंगे? हमें इन बुराईयों से मुक्ति तो चाहिए ना! इस संबंध में हमारी परमपूज्य श्री माताजी ने दिनांक 26 अप्रेल 1993 के प्रवचन में हम सहज योगियों को यह निर्देशात्मक जिम्मेदारी दी है उन्होंने कहा कि, हम नहीं कह सकते हैं कि कितने बचाये जायेंगे। क्या मनुष्य अपनी मूर्खता के कारण, अपनी विनाशकारी आदतों के कारण खो सकते हैं, जो उन्होंने बना ली है। लेकिन आपकी (सहज योगियों की) बहुत बड़ी जिम्मेदारी है ऐसा मत सोचो कि मैं किसी काम के लिए अच्छा नहीं हूँ। कभी नहीं, ऐसा कभी मत सोचो। आप सभी संत हैं और आप महान कार्य करने में सक्षम हैं। महान कार्य यह है कि जो इंसान सहज योग से जुड़ा नहीं हैं उन्हें हम सहज योग बतायें। दरअसल ध्यान धारणा वो भी सहज योग पद्धति से जब हम करते हैं तो हमारी आत्मा जागृत होती है और हमारे सूक्ष्म शरीर की शक्तियां हममें सद्गुण जागृत करती हैं और आश्चर्यजनक बदलाव हममें आते हैं। ? हमारे हाथों से और सिर के तालु भाग से प्रवाहित होने वाला चैतन्य हमारे मस्तिष्क और विचारों को संतुलित करता है। तो क्यों न हम सहज योग को अपनायें। जीवन को सुंदर बनाने का सुंदर मार्ग है सहज योग।

पढ़ने की लौ एवं किताबों से नाता अटूट है

53वें भारत मंडपम् में 10 से 18 जनवरी 2026 तक नौ दिनों के किताबों के जमावडे ने एक बात स्पष्ट कर दी है कि किताबों से नाता कभी नहीं टूट पायेगा। इस मेले में 35 से अधिक देशों के एक हजार से अधिक प्रकाशक भाग ले रहे हैं। यह भव्य विश्व पुस्तक मेला केवल पुस्तकों की खरीद-फरोख्त का आयोजन नहीं है, बल्कि यह उस जीवंत पुस्तक-संस्कृति का उत्सव है, जिसे अनेक लोग डिजिटल युग में कमजोर मानने लगे थे। एक-एक किलोमीटर लंबी कतारें, बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक की उत्सुक भागीदारी और पुस्तकों के प्रति बढ़ता आकर्षण इस धारणा को स्वस्थ करता है कि पुस्तकें जीवन का अभिन्न हिस्सा रही हैं और भविष्य में भी रहेंगी। इंटरनेट, सोशल मीडिया एवं अन्य इलेक्ट्रोनिक माध्यमों पर अपार पाठ्य सामग्री एवं साहित्य उपलब्ध होने के बावजूद पुस्तक मेलों में इतनी भीड़ क्यों आ रही है? छपी हुई पुस्तकें एवं शब्द केवल ज्ञान, जिज्ञासा और मनोरंजन की विशाल दुनिया के दरवाजे नहीं खोलते, वे हमें गंध, स्पर्श, संवेदना, सोच, अनुभूति की प्रेरक, अनुकरणीय एवं रोमांचक दुनिया में भी ले जाते हैं। इस वर्ष के पुस्तक मेले के दृश्य पुस्तक-संस्कृति के प्रति नई आशा, नया विश्वास और नया उत्साह पैदा करते हैं। यह मेला स्पष्ट संकेत देता है कि पढ़ने की प्रवृत्ति केवल जीवित ही नहीं है, बल्कि नए पंखों के साथ उड़ान भर रही है।

पुस्तक मेला वस्तुतः एक विश्व उत्सव है-ऐसा उत्सव जो ज्ञान, विचार, कल्पना और संवाद को एक साझा मंच देता है। दुनिया भर में पुस्तकों के दायरे को पहचानने, उन्हें प्रोत्साहित करने और संस्कृतियों को जोड़ने के लिए यह आयोजन अतीत और भविष्य के बीच एक मजबूत कड़ी तथा पीढ़ियों और सभ्यताओं के बीच एक सेतु का कार्य करता है। यही कारण है कि यूनेस्को हर वर्ष पुस्तक उद्योग के तीन प्रमुख क्षेत्रों-प्रकाशक, पुस्तक विक्रेता और पुस्तकालयों के अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ मिलकर विश्व पुस्तक राजधानी का चयन करता है, ताकि पुस्तक-संस्कृति की प्रेरणा पूरे वर्ष बनी रहे। यह पहल इस बात का प्रमाण है कि पुस्तकें केवल ज्ञान का माध्यम नहीं, बल्कि वैश्विक संवाद और मानवीय एकता का भी आधार हैं। किताबें अपने सभी रूपों में-मुद्रित, ई-बुक, ऑडियो हमें सीखने, सोचने और स्वयं को सशक्त बनाने का अवसर देती हैं।

वे हमारा मनोरंजन करती हैं, हमें दुनिया को समझने में मदद करती हैं और दूसरों की दुनिया में झांकने का अवसर देती हैं। इस साल का मेला 'भारतीय सैन्य इतिहास- वीरता और ज्ञान/75' थीम पर आधारित है, जो भारत की रक्षा बलों के महत्वपूर्ण पलों, योगदानों और कहानियों पर ध्यान केंद्रित करता है। 'थीम मंडप 2026' दर्शकों के लिए विशेष आकर्षण बना हुआ है। यह मंडप भारत की सैन्य विरासत के 75 वर्षों की ऐतिहासिक और निर्णायक यात्रा को दिखा रहा है, जिसकी जड़ें शौर्य, प्रज्ञा और नैतिक मूल्यों में निहित हैं. इसमें कथाओं, दृश्यात्मक प्रस्तुतियों और संवाद के माध्यम से 1947 से लेकर ऑपरेशन सिंदूर 2025 तक भारत की सैन्य यात्रा को रेखांकित करता है।

दिल्ली का विश्व पुस्तक मेला वैश्विक साहित्यिक परिदृश्य में एक प्रतीकात्मक उत्सव बन चुका है। इस मेले में विश्वप्रसिद्ध लेखकों का आगमन होता है, साहित्यिक संवाद, विमर्श और चर्चाएं होती हैं। विलियम शेक्सपियर, मिगुएल डे सर्वेंट्स जैसे विश्व साहित्य के स्तंभों से लेकर भारतीय भाषाओं के महान साहित्यकारों तक की रचनाएं यहाँ पाठकों को एक साथ उपलब्ध होती हैं। यह मेला भारतीय साहित्य को वैश्विक मंच देता है और साथ ही विश्व साहित्य को भारतीय पाठकों से जोड़ता है। पुस्तकों को 'ज्ञान का बाग' कहा गया है। जो व्यक्ति पुस्तकों से सच्ची दोस्ती कर लेता है, उसे जीवन भर ज्ञान का संबल मिलता है।

कठिन समय में पुस्तकें मित्र की तरह साथ देती हैं, मार्गदर्शन करती हैं और समाधान की दिशा दिखाती हैं। पुस्तक का महत्व सार्वभौमिक, सार्वकालिक और सार्वदेशिक है। किसी भी युग में, किसी भी तकनीकी आंधी में उसका महत्व कम नहीं हो सकता। इंटरनेट, सोशल मीडिया और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी अनेक क्रांतियां आई हैं और आगे भी आएंगी, लेकिन पुस्तक-संस्कृति अपनी उपयोगिता और प्रासंगिकता बनाए रखेगी। कारण स्पष्ट है-पुस्तकें केवल सूचना नहीं देतीं, वे चिंतन, मनन और विवेक का विकास करती हैं।

तकनीक ने ज्ञान के क्षेत्र में क्रांति अवश्य की है, लेकिन यह हर समय संभव नहीं कि किताबों के स्थान पर केवल स्क्रीन से पढ़ा जाए। पुस्तक का स्पर्श, उसकी सुगंध, पन्नों को पलटने का अनुभव और पढ़ते हुए होने वाला एकांत संवाद-ये सभी तत्व पुस्तक को विशिष्ट बनाते हैं। पुस्तकें मानसिक रूप से मजबूत बनाती हैं, सोचने-समझने का दायरा बढ़ाती हैं और व्यक्ति को आत्मअनुशासन सिखाती हैं। पुस्तकें जाग्रत देवता के समान हैं। उनका अध्ययन, मनन और चिंतन तत्काल लाभ देता है। महात्मा गांधी के जीवन पर गीता, टॉल्स्टॉय और थोरो के विचारों का गहरा प्रभाव था। इसी तरह, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वैचारिक निर्माण और वैश्विक छवि के निर्माण में पुस्तकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। वे स्वयं एक सजग पाठक रहे हैं और पुस्तक-संस्कृति को जीवंत करने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने 'मन की बात' जैसे अभिनव कार्यक्रमों के माध्यम से पढ़ने, लिखने और विचार करने की संस्कृति को जन-जन तक पहुँचाया है। उनका संदेश 'बुकें दे, बुके नहीं' केवल एक प्रतीकात्मक नारा नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक दृष्टि है-जहाँ उपहार में फूलों के गुलदस्ते की बजाय ज्ञान का उपहार देने की प्रेरणा दी गई है। वे मानते हैं कि सत्साहित्य की शक्ति तोप, टैंक और परमाणु अस्त्रों से भी अधिक है, क्योंकि हथियार ध्वंस करते हैं, जबकि साहित्य मानव-मूल्यों में आस्था पैदा करता है और स्थायी परिवर्तन लाता है। सत्साहित्य समाज में सकारात्मक परिवर्तन का आधार बनता है-ऐसा परिवर्तन जो सत्ता और कानून से किए गए परिवर्तनों से कहीं अधिक टिकाऊ होता है। इसी कारण प्रधानमंत्री मोदी भारत के परिवर्तन में पुस्तक-संस्कृति और सत्साहित्य की निर्णायक भूमिका को स्वीकारते हैं। उनके नेतृत्व में राष्ट्रीय शिक्षा नीति, भारतीय भाषाओं को बढ़ावा, स्थानीय साहित्य का सम्मान और पठन-संस्कृति को प्रोत्साहन देने की दिशा में ठोस पहलें देखने को मिलती हैं।

पुस्तकें चरित्र निर्माण का सर्वोत्तम साधन हैं। उत्तम विचारों से युक्त पुस्तकों के प्रचार-प्रसार से युवाओं को नई दिशा दी जा सकती है। देश की एकता और अखंडता का पाठ पढ़ाया जा सकता है और एक सशक्त राष्ट्र का निर्माण किया जा सकता है। पुस्तकें प्रेरणा का भंडार हैं, उन्हें पढ़कर व्यक्ति के भीतर कुछ महान करने की आकांक्षा जागती है। वे कल्पवृक्ष भी हैं और कामधेनु भी, क्योंकि उनकी छाया में मनुष्य अपनी आंतरिक क्षमताओं को पहचानता है। आज का इंसान घर बदलता है, पहनावा बदलता है, रिश्ते और मित्र बदलता है, फिर भी असंतुष्ट रहता है क्योंकि उसने पुस्तकरूपी कल्पवृक्ष की छाया छोड़ दी है। पुस्तकें व्यक्ति को बदलने का मार्ग दिखाती हैं-सोच, व्यवहार और दृष्टि को सकारात्मक दिशा देती हैं। जब तक व्यक्ति स्वयं को नहीं बदलता, वह अपनी मंज़िल नहीं पा सकता। आत्मानुशासन, आत्मचिंतन और आत्मविकास-ये सभी पुस्तक-संस्कृति की देन हैं।

इंटरनेट और ई-पुस्तकों की बढ़ती पहुँच के बावजूद छपी हुई किताबों का महत्व कम नहीं हुआ है। वे आज भी प्रासंगिक हैं और रहेंगी। हजारीप्रसाद द्विवेदी का कथन-÷साहित्य वह जादू की छड़ी है, जो पशुओं में, ईंट-पत्थरों में और पेड़-पौधों में भी विश्व की आत्मा का दर्शन करा देती है÷, आज भी उतना ही सार्थक है। निश्चित ही, विश्व पुस्तक मेला की प्रेरणा भारतीय जन-चेतना को झकझोर रही है और उन्हें नए भारत-सशक्त भारत के निर्माण की दिशा में प्रेरित कर रही है।

साररूप में यह कहा जा सकता है कि दिल्ली का विश्व पुस्तक मेला पुस्तक-संस्कृति और पढ़ने की प्रवृत्ति को नए पंख देने वाला एक अत्यंत उपयोगी और प्रासंगिक आयोजन है। इसका उद्घाटन करते हुए शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने अपने संबोधन में कहा कि पुस्तकें ज्ञान का वाहक हैं जो पीढ़ियों को जोड़ती हैं, सभ्यताओं की स्मृतियों को संजोती हैं और समाज को दिशा देती हैं। यह मेला केवल पुस्तकों का नहीं, विचारों का, संस्कारों का और भविष्य का मेला है-जहाँ शब्द समाज का निर्माण करते हैं और पन्ने इतिहास की दिशा तय करते हैं।

-ललित गर्ग

अनुशासन, त्याग और पराक्रम का उत्सव-भारतीय थल सेना दिवस

हर वर्ष 15 जनवरी को भारतीय थल सेना दिवस (इंडियन आर्मी डे) मनाया जाता है। वास्तव में, यह दिन भारतीय सेना के गौरव, शौर्य, अनुशासन और उन वीर जवानों के सर्वोच्च बलिदान को समर्पित है, जो देश की सीमाओं पर खड़े होकर राष्ट्र की रक्षा करते हैं। यह केवल एक उत्सव मात्र नहीं है, बल्कि यह भारतीय सैन्य इतिहास के एक निर्णायक क्षण की स्मृति भी है।दरअसल, 15 जनवरी 1949 को लेफ्टिनेंट जनरल के.एम.करिअप्पा ने भारत के पहले भारतीय सेनाध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाला था। उस समय ब्रिटिश जनरल फ्रांसिस बुचर ने उन्हें औपचारिक रूप से यह पद सौंपा था। यह क्षण भारत की सैन्य संप्रभुता, आत्मनिर्भरता और औपनिवेशिक विरासत से मुक्ति का प्रतीक माना जाता है। बाद में, वर्ष 1986 में के. एम. करिअप्पा को उनके अतुलनीय योगदान के लिए फील्ड मार्शल की मानद उपाधि प्रदान की गई।स्वतंत्रता के बाद प्रारंभ में सेना दिवस 1 अप्रैल को मनाने का विचार किया गया था, किंतु ऐतिहासिक महत्व को ध्यान में रखते हुए 15 जनवरी की तिथि को स्थायी रूप से निर्धारित किया गया। शुरुआती वर्षों में सेना दिवस के कार्यक्रम सीमित रूप से विभिन्न सैन्य छावनियों में आयोजित होते थे, जबकि भव्य सार्वजनिक परेड और औपचारिक समारोहों की परंपरा बाद के वर्षों में विकसित हुई।आज सेना दिवस के अवसर पर दिल्ली या चयनित शहरों के परेड ग्राउंड में शानदार सैन्य परेड आयोजित की जाती है तथा इसमें सेना अपने आधुनिक हथियारों, टैंकों, मिसाइलों, राडार प्रणालियों और युद्ध कौशल का प्रदर्शन करती है। इसके साथ ही वीरता पुरस्कार, जैसे सेना मेडल, भी प्रदान किए जाते हैं। यह दिन नई सैन्य तकनीकों, युद्ध अभ्यासों और रेजिमेंटल परंपराओं की औपचारिक शुरुआत का भी साक्षी बनता है। पाठकों को बताता चलूं कि भारतीय थल सेना विश्व की सबसे बड़ी स्वैच्छिक (वॉलंटरी) सेना मानी जाती है, जहाँ सैनिकों की भर्ती पूरी तरह स्वेच्छा से होती है और किसी भी प्रकार की जबरन भर्ती की व्यवस्था नहीं है। सैनिकों की संख्या के लिहाज़ से यह दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी सक्रिय थल सेना है, जिसमें लगभग 14.5 लाख (1.45 मिलियन) से अधिक सक्रिय सैनिक कार्यरत हैं। इसके अतिरिक्त 11-12 लाख रिज़र्व सैनिक तथा लगभग 25 लाख अर्धसैनिक बल भी भारत की सुरक्षा व्यवस्था का अभिन्न हिस्सा हैं। नवम्बर 2025 में ऑस्ट्रेलिया के प्रतिष्ठित लोवी इंस्टीट्यूट ने एशिया पॉवर इंडेक्स जारी किया जिसमें भारत को अमेरिका और चीन के बाद विश्व की तीसरी सबसे बड़ी सैन्य शक्ति घोषित किया है।

-सुनील कुमार महला

स्मार्टफोन अब सुरक्षित कवचः नए नियम बदल देंगे सबकुछ

आज का युग पूरी तरह से डिजिटल हो चुका है, और स्मार्टफोन हमारी जिंदगी का सबसे अहम और व्यक्तिगत हिस्सा बन गया है। हम इसे सिर्फ बातचीत और मनोरंजन के लिए नहीं बल्कि बैंकिंग, शिक्षा, स्वास्थ्य, कामकाज और सामाजिक जुड़ाव के लिए भी हर रोज इस्तेमाल करते हैं। यह छोटा उपकरण अब हमारी डिजिटल पहचान, वित्तीय लेन-देन और निजी जानकारी का मुख्य वाहक बन गया है। लेकिन इसी सहजता के पीछे छुपा है बड़ा खतरा। साइबर हमले, डेटा चोरी, फेक ऐप्स, मालवेयर और ऑनलाइन ठगी अब आम नागरिक की सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती बन चुके हैं। ऐसे में भारत सरकार द्वारा प्रस्तावित स्मार्टफोन साइबर सिक्योरिटी नियम न केवल समय की मांग हैं, बल्कि ये आम नागरिक की डिजिटल जिंदगी को सुरक्षित बनाने का एक निर्णायक कदम भी हैं।

नए प्रस्तावों में सबसे पहला और अहम बदलाव है पूर्वस्थापित ऐप्स (ब्लोटवेयर) की स्वतंत्रता और यूजर कंट्रोल। अक्सर कंपनियां फोन में ऐसे ऐप्स इंस्टॉल कर देती हैं, जो बैकग्राउंड में कैमरा, माइक्रोफोन और लोकेशन जैसी संवेदनशील जानकारी तक पहुंच रखते हैं। यूजर को इसका पता तक नहीं चलता और यही रास्ता स्पाइवेयर और मालवेयर के लिए आसान बनता है। नए नियम स्पष्ट रूप से कहते हैं कि कोई भी ऐप यूजर की स्पष्ट अनुमति के बिना किसी भी डेटा तक पहुंच नहीं रख सकता। इसका सीधा फायदा यह होगा कि आम नागरिक अपनी प्राइवेसी और सुरक्षा पर खुद नियंत्रण रख सकेगा, और केवल उन्हीं ऐप्स का इस्तेमाल करेगा, जिन पर वह भरोसा करता है।

सुरक्षा कवच को और मजबूत करने के लिए मालवेयर स्कैनिंग की अनिवार्यता भी प्रस्ताव में शामिल है। स्मार्टफोन अब नियमित रूप से और ऑटोमैटिक रूप से अपने सिस्टम को स्कैन करेगा, और किसी भी खतरनाक सॉफ्टवेयर का तुरंत अलर्ट देगा।

साथ ही, सिस्टम लॉग्स को कम से कम 12 महीने तक डिवाइस पर स्टोर करना अनिवार्य होगा, ताकि साइबर अपराध की जाँच और ट्रेस करना आसान हो। इसका मतलब है कि फोन स्वयं एक सुरक्षा कवच बन जाएगा, और यूजर को अलग से किसी सुरक्षा ऐप पर निर्भर रहने की आवश्यकता नहीं होगी।

सॉफ्टवेयर अपडेट्स की प्रक्रिया में भी अब कड़ाई होगी। कंपनियों को बड़े अपडेट्स से पहले सरकार को सूचित करना अनिवार्य होगा। यह सुनिश्चित करेगा कि अपडेट में कोई छुपी हुई सुरक्षा खामी या कमजोरियां न हों। अक्सर कंपनियां पुराने वर्जन पर छोड़ देती हैं, जिससे यूजर्स असुरक्षित रहते हैं। समय पर और सुरक्षित अपडेट्स से डेटा ब्रिच का खतरा कम होगा। आम नागरिक के लिए यह राहत की बात है, क्योंकि अधिकांश लोग अपडेट्स की अहमियत नहीं समझ पाते और पुराने वर्जन पर रहना उनके डेटा को जोखिम में डाल देता है।

एक महत्वपूर्ण चर्चा का विषय है सोर्स कोड शेयरिंग। सरकार कंपनियों से सुरक्षा जांच के लिए सोर्स कोड साझा करने पर विचार कर रही है। इससे टेस्ट लैब्स में सुरक्षा कमजोरियों और वल्नरेबिलिटी को जल्दी पकड़ा जा सकेगा। हालांकि कंपनियां इसे अपनी इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी का खतरा मानती हैं। आम नागरिक के नजरिए से यह कदम बेहद उपयोगी होगा क्योंकि इससे उनके डिवाइस की सुरक्षा बढ़ेगी, बशर्ते गोपनीयता और व्यापारिक रहस्य का संतुलन बना रहे।

नए नियमों का मूल आधार डेटा प्राइवेसी है। यूजर की सहमति को अनिवार्य बनाया गया है। कोई भी ऐप बिना अनुमति के संवेदनशील डेटा नहीं ले सकेगा। यह डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट के सिद्धांतों के अनुरूप है। आम नागरिक अब अपनी निजी जानकारी पर पूर्ण नियंत्रण महसूस करेगा। फेक ऐप्स और संदिग्ध लिंक्स के कारण डेटा चोरी की घटनाओं में कमी आएगी। इसके साथ ही, यह कदम ठगी, वित्तीय नुकसान और ऑनलाइन फ्रॉड को रोकने में भी मदद करेगा।

सख्त नियमों से साइबर फ्रॉड और ऑनलाइन ठगी पर कड़ा नियंत्रण लगेगा। भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा स्मार्टफोन मार्केट है, जहां रोज लाखों लोग ऑनलाइन लेन-देन करते हैं। फ्रॉड के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। नई पाबंदियां कंपनियों को मजबूर करेंगी कि वे मजबूत सुरक्षा फीचर्स विकसित करें। इसका सीधा लाभ आम नागरिक को होगा–सुरक्षित बैंकिंग, भरोसेमंद ऐप्स और कम साइबर ठगी। हालांकि इसे लागू करना चुनौतीपूर्ण होगा। विशेषकर छोटी कंपनियों और स्टार्टअप्स पर यह अतिरिक्त बोझ डाल सकता है और कभी-कभी इनोवेशन की गति को प्रभावित कर सकता है।

सरकार का उद्देश्य स्पष्ट है–जनहित और डिजिटल सुरक्षा को सुनिश्चित करना। स्मार्टफोन अब केवल एक उपकरण नहीं, बल्कि आम नागरिक का सुरक्षा साथी बन जाए। आम आदमी को भरोसा होना चाहिए कि उसका स्मार्टफोन उसका दोस्त है, दुश्मन नहीं। सख्ती जरूरी है, लेकिन पारदर्शिता, संतुलन और यूजर की सहमति के साथ। यदि ये नियम सही तरीके से लागू हो जाएं, तो करोड़ों भारतीयों की डिजिटल जिंदगी मजबूत, सुरक्षित और भरोसेमंद बन जाएगी। समय आ गया है कि हम साइबर दुनिया में सतर्क, जागरूक और सशक्त बनें, ताकि हमारी डिजिटल यात्रा सुरक्षित और निर्भय हो।

इन नियमों के सफल और सही तरीके से लागू होने से केवल व्यक्तिगत डिजिटल सुरक्षा ही मजबूत नहीं होगी, बल्कि पूरे डिजिटल इकोसिस्टम का भरोसा भी और दृढ़ बन जाएगा। बैंकिंग, ई-कॉमर्स और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म अधिक सुरक्षित और विश्वसनीय बनेंगे। यूजर अब निश्चिंत रह सकेगा कि उसकी वित्तीय जानकारी, निजी डेटा और ऑनलाइन लेन-देन सुरक्षित हैं। यह कदम भारत को एक डिजिटल सुरक्षित और भरोसेमंद राष्ट्र बनाने की दिशा में निर्णायक साबित होगा, जहां आम नागरिक की ऑनलाइन पहचान और व्यक्तिगत डेटा पर पूरा नियंत्रण रहेगा।

-प्रो. आरके जैन

पीएम श्री विद्यालय शिक्षक तैनातीः बैकडोर एंट्री की नई नीति

इतिहास में यह शायद पहली बार है कि किसी चयन परीक्षा का उत्तीर्ण मानदंड और मेरिट, परिणाम देखने के बाद तय किए जाने की स्थिति में रखे गए हों। हरियाणा सरकार की राजकीय मॉडल संस्कृति एवं पीएम श्री विद्यालय शिक्षक तैनाती नीतिङ्क2025 को काग़ज़ों में पारदर्शिता और निष्पक्षता का दस्तावेज़ बताया जा रहा है, लेकिन इसके प्रावधानों का गहन अध्ययन कई गंभीर और असहज प्रश्न खड़े करता है।

पीएम श्री विद्यालय शिक्षक तैनाती नीति की सबसे बड़ी और बुनियादी कमी यह है कि स्क्रीनिंग परीक्षा के लिए न्यूनतम उत्तीर्ण अंक निर्धारित ही नहीं किए गए हैं। जब यह स्पष्ट नहीं है कि परीक्षा में पास होने के लिए कितने अंक आवश्यक होंगे, तो चयन को योग्यता आधारित कैसे कहा जा सकता है? यह कोई साधारण तकनीकी त्रुटि नहीं, बल्कि पूरी चयन प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर सीधा आघात है। नीति के अनुसार स्क्रीनिंग परीक्षा को कुल चयन में साठ प्रतिशत वज़न दिया गया है, लेकिन पासङ्कफेल का कोई स्पष्ट मानक न होने के कारण यह परीक्षा पूरी तरह प्रशासनिक विवेक पर निर्भर हो जाती है।

जब विवेक के लिए कोई लिखित, सार्वजनिक और बाध्यकारी मानक नहीं होते, तो चयन प्रक्रिया स्वतः ही संदेह के घेरे में आ जाती है। यहीं से बैकडोर एंट्री की संभावना जन्म लेती है–जिसे चाहें उत्तीर्ण और जिसे चाहें बाहर।

इससे भी अधिक चौंकाने वाली बात यह है कि नीति में अनिवार्य मेरिट सूची बनाने का कोई प्रावधान नहीं है। न रैंकिंग का उल्लेख है, न कट-ऑफ अंकों का और न ही यह स्पष्ट किया गया है कि समान अंक होने की स्थिति में प्राथमिकता कैसे तय होगी। इससे पहले जब केंद्रीय स्तर पर आयोजित परीक्षाओं के माध्यम से चयन हुआ था, तब स्पष्ट मेरिट सूची, सार्वजनिक प्राप्तांक और तुलनात्मक मूल्यांकन की व्यवस्था मौजूद थी।

वर्तमान नीति में चयन प्रक्रिया चुनौती योग्य न होकर, केवल औपचारिक वैधता का साधन बनती प्रतीत होती है–मानो निर्णय पहले हो चुके हों और अंक बाद में उन्हें सही ठहराने के लिए जोड़े गए हों। स्क्रीनिंग परीक्षा की पारदर्शिता स्वयं एक बड़ा प्रश्नचिह्न है। यह स्पष्ट नहीं किया गया कि प्रश्नपत्र कौन तैयार करेगा, मूल्यांकन किस संस्था या एजेंसी द्वारा और किस पद्धति से किया जाएगा, तथा अंकों के सामान्यीकरण जैसी कोई व्यवस्था होगी या नहीं। जब चयन का सबसे बड़ा भाग इसी परीक्षा पर आधारित हो और वही सबसे अधिक अस्पष्ट हो, तो यह आशंका स्वाभाविक है कि योग्यता से अधिक पहचान, पहुँच और सिफारिश निर्णायक भूमिका निभा सकती है।

नीति के पीछे की पृष्ठभूमि पर नज़र डालें तो तस्वीर और स्पष्ट होती है। वास्तविकता यह है कि इन पीएम श्री एवं मॉडल संस्कृति विद्यालयों के लिए अपेक्षित संख्या में आवेदन ही नहीं आए। विभाग स्वयं जानता है कि जिस स्क्रीनिंग परीक्षा का आयोजन किया गया, उसमें सभी अभ्यर्थी निर्धारित स्तर पर उत्तीर्ण नहीं हो पाए। यही कारण रहा कि शुरुआती चरणों में ही इन विद्यालयों में अनेक पद रिक्त रह गए। रिक्त पद विभागीय साख के लिए असहज स्थिति पैदा करते हैं। ÷मॉडल÷ विद्यालयों में खाली पद शिक्षा व्यवस्था की सफलता के दावों को कमजोर करते हैं।

इसी दबाव में विभाग ने प्रारंभिक चरणों में चयन प्रक्रिया के मापदंडों में शिथिलता बरती। दूर-दराज़ जिलों में कार्यरत शिक्षकों को उचित मापदंड, साक्षात्कार और मेरिट की कठोरता में ढील देकर इन विद्यालयों में समायोजित किया गया। इस प्रक्रिया से अनेक ऐसे शिक्षकों को, जो वर्षों से दूरस्थ क्षेत्रों में तैनात थे, अपने गृह या समीपवर्ती जिलों में आने का अवसर मिल गया। बाद के चरणों में स्थिति और असंगत हो गई। जो अभ्यर्थी बाद में आए, वे उन मापदंडों से अलग थे जो प्रारंभ में इन विद्यालयों के लिए निर्धारित किए गए थे। चयन प्रक्रिया में यह असमानता स्वयं इस बात का प्रमाण है कि नीति का क्रियान्वयन न तो एकरूप रहा और न ही निष्पक्ष।

इसी पृष्ठभूमि में वर्तमान नीति में न्यूनतम उत्तीर्ण अंक न रखना, परिणाम और मेरिट सूची को सार्वजनिक न करना किसी भूल का परिणाम नहीं लगता। विभाग को यह भय स्पष्ट रूप से है कि यदि कठोर मापदंड, स्पष्ट कट-ऑफ और पारदर्शी मेरिट लागू की गई, तो बड़ी संख्या में सीटें खाली रह जाएँगी। वास्तविकता यह भी है कि अधिकांश शिक्षक इन विद्यालयों में जाना नहीं चाहते–न कार्य परिस्थितियाँ आकर्षक हैं और न ही स्थानांतरण नीति में कोई दीर्घकालिक सुरक्षा। यही कारण है कि पूरी प्रक्रिया को जानबूझकर लचीला, अस्पष्ट और प्रशासनिक विवेक पर आधारित रखा गया है।

यदि सीटें खाली रह जाती हैं, तो बिना मेरिट, बिना तुलनात्मक मूल्यांकन और बिना सार्वजनिक जवाबदेही के किसी को भी–विशेषकर ÷अपने लोगों÷ को–इन विद्यालयों में भेजा जा सके। यहीं पर योग्यता आधारित चयन की अवधारणा समाप्त होती है और नियंत्रित चयन की व्यवस्था शुरू होती है। नीति का एक और गंभीर पहलू यह है कि चयन के बाद शिक्षक दस वर्षों तक इन्हीं विद्यालयों में बने रह सकते हैं। यदि चयन प्रक्रिया ही त्रुटिपूर्ण या पक्षपातपूर्ण हुई, तो उस गलती को सुधारने की कोई व्यावहारिक संभावना शेष नहीं रहती। इसका नुकसान केवल योग्य शिक्षकों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि विद्यार्थियों और पूरी शिक्षा व्यवस्था को इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी।

यदि सरकार की मंशा वास्तव में निष्पक्ष और गुणवत्तापूर्ण चयन की होती, तो पदों की संख्या के अनुपात में तीन या पाँच गुना अभ्यर्थियों की स्पष्ट मेरिट सूची तैयार की जा सकती थी। यह प्रक्रिया संवैधानिक, न्यायसंगत और कानूनी दृष्टि से कहीं अधिक मजबूत होती, लेकिन नीति में इस विकल्प को जानबूझकर शामिल नहीं किया गया। अक्सर किसी नीति की असली मंशा उसमें लिखी बातों से नहीं, बल्कि उन बातों से समझ में आती है जो उसमें नहीं लिखी होतीं। न्यूनतम उत्तीर्ण अंकों का अभाव, मेरिट सूची की अनिवार्यता न होना और चयन प्रक्रिया को चुनौती देने के स्पष्ट प्रावधानों का न होना–ये सभी संकेत देते हैं कि उद्देश्य योग्यता आधारित चयन नहीं, बल्कि सीटें भरने और चयन को नियंत्रित करने का है।

अंततः यह नीति मेरिट आधारित चयन की अपेक्षा मेरिट के नाम पर बैकडोर एंट्री की अधिक प्रतीत होती है। यदि सरकार वास्तव में शिक्षा की गुणवत्ता और निष्पक्षता को लेकर गंभीर है, तो उसे न्यूनतम उत्तीर्ण अंक स्पष्ट रूप से निर्धारित करने होंगे, मेरिट सूची को अनिवार्य बनाना होगा और पूरी चयन प्रक्रिया को सार्वजनिक निगरानी के दायरे में लाना होगा। अन्यथा यह नीति भविष्य में चयन नहीं, बल्कि चयन के नाम पर मेरिट की हत्या के उदाहरण के रूप में याद की जाएगी।

-डॉ. सत्यवान सौरभ

अमलतास अस्पताल में स्वास्थ्य का महाकुंभ

सर्व रोग निदान शिविर से सैकड़ों मरीज हो रहे लाभान्वित

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। क्षेत्र के नागरिकों के लिए स्वास्थ्य सुविधाओं की दिशा में अमलतास सुपर स्पेशलिटी अस्पताल द्वारा आयोजित वर्ष 2026 का पहला और सबसे बड़ा 'सर्व रोग निदान शिविर' प्रारंभ हो चुका है। 10 जनवरी से शुरू हुए इस शिविर का लाभ बड़ी संख्या में मरीज उठा रहे हैं। शिविर 16 जनवरी तक चलेगा।

अस्पताल प्रबंधन के अनुसार शिविर में हृदय रोग, किडनी रोग, कैंसर, मस्तिष्क रोग, मूत्र एवं पथरी रोग, बर्न एवं प्लास्टिक सर्जरी सहित अन्य गंभीर बीमारियों का निशुल्क विशेषज्ञ परामर्श दिया जा रहा है। साथ ही खून व पेशाब की जांच, शुगर जांच, सोनोग्राफी, एक्स-रे, ईसीजी (श्वष्टत्र), आंखों की जांच, बच्चों के लिए विशेष परामर्श तथा महिलाओं के लिए कैंसर स्क्रीनिंग जैसी महत्वपूर्ण जांचें भी निःशुल्क की जा रही हैं।

शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के मरीज अस्पताल पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ ले रहे हैं। कई मरीजों ने बताया कि इतनी सुविधाएं एक ही स्थान पर निशुल्क मिलने से उन्हें समय और खर्च दोनों की बचत हो रही है।

अमलतास वेलफेयर सोसायटी के चेयरमैन ने बताया कि इस शिविर का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण एवं दूरस्थ अंचलों में रहने वाले उन लोगों तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना है, जो आर्थिक या अन्य कारणों से बड़े अस्पतालों तक नहीं पहुंच पाते। उन्होंने कहा कि अमलतास अस्पताल का संपूर्ण स्टाफ और विशेषज्ञ चिकित्सक पूरी निष्ठा से जनसेवा में जुटे हुए हैं।

स्वास्थ्य के क्षेत्र में इस पहल को लेकर क्षेत्रवासियों में उत्साह देखा जा रहा है और शिविर को सफल बनाने में मरीजों की सक्रिय भागीदारी लगातार बढ़ रही है।

अस्पताल प्रबंधन ने नागरिकों से अपील की है कि अधिक से अधिक लोग इस सर्व रोग निदान शिविर का लाभ उठाएं और समय रहते अपने स्वास्थ्य की जांच करवाएं।

देवास जिले के नवाचार "देवास बाल वाटिका" को राष्ट्रीय स्तर पर स्कॉच अवार्ड में सिल्वर श्रेणी में पुरस्कार मिला

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देवास जिले में कलेक्टर ऋतुराज सिंह एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती ज्योति शर्मा के मार्गदर्शन में नवाचार कर ग्राम पंचायतों में देवास बाल वाटिका का निर्माण कराया गया। ''देवास बाल वाटिका'' नवाचार को राष्ट्रीय स्तर पर स्कॉच अवार्ड में सिल्वर श्रेणी में पुरस्कार प्रदान किया गया। देवास बाल वाटिका नवाचार को अवार्ड मिलने पर कलेक्टर ऋतुराज सिंह ने ग्रामीण विकास विभाग, सभी पंचायतों एवं नवाचार में सहयोग करने वाले सभी सहभागियों का बधाई दी। देवास बाल वाटिका'' नवाचार के तहत ग्राम पंचायतों में देवास बाल वाटिका बनाई गई। इस नवाचार में ग्रामीण क्षेत्रों में सर्वांगीण विकास की परिकल्पना को साकार करने के लिए बच्चों को खेलने के लिए उपयुक्त स्थान, झूले, युवाओं के व्यायाम के लिए पाथ वे, बुजुर्गों को बैठने के लिए व्यवस्था सुनिश्चित की गई। जिले के इस नवाचार को राष्ट्रीय स्तर पर स्कॉच अवार्ड में सिल्वर श्रेणी में पुरस्कार प्रदान किया गया। नवाचार के सफल क्रियान्वयन में सभी पंचायतों एवं ग्रामीण विकास विभाग की टीम एवं संबंधित विभागों की अहम भूमिका रही है।

नगर में रात 12 बजे चले लात-घूंसे

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर के महूपुरा क्षेत्र में चीलर नदी के पास मंगलवार रात करीब 11 से 12 बजे के बीच युवकों के दो गुटों में मारपीट हो गई। इस विवाद के कारण इलाके में तनाव फैल गया। दोनों गुटों के बीच लात-घूंसे, डंडे और बेल्ट चले, जिससे चिल्लर नदी क्षेत्र से लेकर डांसी हनुमान मंदिर तक माहौल तनावपूर्ण हो गया।

घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में लोग मौके पर एकत्रित हो गए, जिससे स्थिति और बिगड़ गई। सूचना पर कोतवाली पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और भीड़ को हटाकर स्थिति को नियंत्रित किया। बताया जा रहा है कि यह पूरा विवाद पास लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया है। कई लोगों ने अपने मोबाइल फोन से भी घटना का वीडियो बनाया है। स्थानीय लोगों ने इस घटना के बाद क्षेत्र में भय का माहौल बन गया। एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि यह विवाद नशे के अवैध कारोबार से जुड़े युवकों के बीच हुआ हो सकता है। हालांकि पुलिस ने अभी तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

आयुक्त ने पैदल भ्रमण कर वार्डो की व्यवस्था देखी

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। वार्ड 11 एवं 12 में साफ सफाई व की जा रही स्वच्छता व्यवस्था का औचक निरीक्षण कर आयुक्त दलीप कुमार ने वार्डो में पैदल भ्रमण किया। बुधवार 14 जनवरी को आयुक्त के द्वारा वार्ड 11 में खुले प्लाटों में सीएनजी वेस्ट पाये जाने पर वार्ड स्वच्छता निरीक्षक भूषण पवार को चालानी कार्रवाई एवं दरोगा संजय मेवाती को सफाई करवाये जाने के निर्देश दिए, वार्ड 12 राजाराम नगर चाणक्यपुरी में आयुक्त द्वारा सफाई मित्रों की उपस्थिती चेक की गई पांच सफाई मित्र कर्मचारी उपस्थित मिले तथा शेष 7 सफाई मित्र अनुपस्थित मिलने एवं खुले प्लाटों में कचरा पाये जाने पर आयुक्त ने वार्ड 12 के दरोगा धीरज खत्री को नोटिस जारी करने के निर्देश स्वास्थ्यअधिकारी जितेन्द्र सिसोदिया को दिये तथा अनुपस्थित सफाई मित्रों के वेनत काटने हेतु कहा।

आनंद उत्सव का हुआ शुभारंभ, 28 जनवरी तक विभिन्न पारंपरिक खेल प्रतियोगिताओं का होगा आयोजन

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासन के निर्देशानुसार के जिले में कलेक्टर ऋतुराज सिंह के मार्गदर्शन में 28 जनवरी तक आनंद उत्सव का आयोजन किया जा रहा है, जिसका शुभारंभ बुधवार को किया गया। आनंद उत्सव के शुभारंभ अवसर पर बच्चों, बुजुर्गों एवं महिलाओं के लिए आयोजित विभिन्न पारंपरिक खेल प्रतियोगिता में सभी ने उत्साह से सहभागिता कर आनंद की अनुभूति प्राप्त की।

आनंद विभाग की इंदौर एवं उज्जैन संभाग की समन्वयक डॉ समीरा नईम ने बताया कि देवास जिले के सभी विकासखंडों एवं नगर परिषदों में लगभग 295 स्थानों पर आनंद उत्सव का आयोजन किया जाएगा। सभी जिलेवासी 28 जनवरी तक संचालित आनंद उत्सव में उत्साह के साथ सहभागिता कर पारंपरिक खेलों का आनंद लें। यह उत्सव नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों के महिला एवं पुरुषों में आनंद की अनुभूति दिलाने के लिए आयोजित किया जा रहा है। आनंद के इस कार्यक्रम अंतर्गत कबड्डी, कुर्सी दौड़, नीबू रेस, रस्सी खींच, बोरा दौड़ एवं अन्य पारम्परिक खेलों के साथ, गायन, नृत्य, भजन आदि, सांस्कृतिक गतिविधियों को शामिल किया गया हैं। आनंद उत्सव को सफलता पूर्वक मनाने के लिए जिले के सभी विकासखंडों में स्थित ग्राम पंचायतों को कलस्टर में विभाजित किया गया है, जिसमे प्रशासनिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ आनंदकों की सहभागिता भी सक्रिय रूप से रहेगी। इसका व्यापक प्रचार-प्रसार भी किया जा रहा है।

वाहन चालकों को मुफ्त में बांटी सुरक्षा

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। मौत का मांझा बन चुकी चायना डोर से लोगों की सुरक्षा को लेकर अब नगरवासी आगे आ रहे हैं जो लोगों को सुरक्षित करने के लिए उन्हें मुफ्त में सुरक्षा बांट रहे हैं। ऐसे ही नगर के श्याम पाटीदार हैं जिन्होंने नगर के कई वाहन चालको के वाहनों पर लोहे के तार लगाए ताकि वे हादसों से बचे रहें। शाजापुर ही नहीं बल्कि आसपास के कई जिलों में कई लोग चायना डोर के शिकार हो चुके हैं। बुधवार को भी इंदौर में एक युवक चायना डोर की वजह से जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रहा है। ऐसा हादसा नगर में किसी के साथ न हो इसके लिए नगर के श्याम पाटीदार ने अपनी दुकान पर आने वाले दो पहिया वाहन चालकों के वाहनों पर तार लगाए ताकि यदि अचानक उनका वाहन चायना डोर में उलझ जाए तो वे सुरक्षित रहें और अपने परिवार के साथ पर्व मना सकें। जेसीबी मैकेनिक श्याम पाटीदार ने बताया कि वे जानते हैं कि किसी अपने के साथ हादसा हो तो तकलीफ पूरे परिवार को होती है। इसलिए उन्होंने यह तरीका अपनाया और दोपहिया वाहन चालकों को सुरक्षित करने के लिए तार लगाए। नगर में उनके इस कार्य की प्रशंसा की जा रही है।

अमलतास इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद में युवा दिवस का आयोजन

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अमलतास इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद में आज 12 जनवरी 2026 राष्ट्रीय युवा दिवस का आयोजन माननीय फाउंडर चेयरमैन अमलतास ग्रुप देवास के शुभाशीष एवं मार्गदर्शन में उत्साहपूर्ण एवं गरिमामय वातावरण में किया गया। इस अवसर का उद्देश्य युवाओं को उनके कर्तव्यों, क्षमताओं एवं राष्ट निर्माण में उनकी भूमिका के प्रति जागरूक करना था।

कार्यक्रम में संस्थान के डायरेक्टर डॉ. अभिजीत तायडे, जनरल मैनेजर डॉ. मनीष शर्मा एवं प्राचार्या डॉ. अनीता घोडके, सभी शिक्षकगण, तथा छात्र छात्राओं की उपस्थिति रही। सभी अतिथियों ने अपने प्रेरणादायक विचारों के माध्यम से युवाओं को आत्मविश्वास, अनुशासन एवं लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने का संदेश दिया।

इस संपूर्ण कार्यक्रम का सफल समन्वय डॉ.अश्विन पंड्या द्वारा किया गया, जिनके मार्गदर्शन में कार्यक्रम सुव्यवस्थित रूप से संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों द्वारा भाषण प्रस्तुत किए गए।

24 बैच से कोटिश्री गुप्ता एवं आयुषी शर्मा ने युवा शक्ति, वर्तमान समय की चुनौतियों एवं आत्मविकास पर अपने विचार व्यक्त किए।

वहीं 25 बैच से तरुणा परिहार एवं पूर्वाक्षी परिहार ने युवाओं की सामाजिक भूमिका, आत्मनिर्भरता एवं सकारात्मक सोच पर प्रभावशाली वक्तव्य दिया।

विद्यार्थियों के भाषणों ने श्रोताओं को प्रेरित किया तथा कार्यक्रम को विशेष ऊर्जा प्रदान की। सभी वक्ताओं की प्रस्तुति सराहनीय रही। एवं आयोजित यह युवा दिवस समारोह सभी के लिए स्मरणीय रहा।

प्रेसवार्ता में मंत्री ने दी वीबी-जी-राम-जी योजना की जानकारी

मकर संक्रांति पर्व पर गिल्ली डंडा खेल निभाई परंपरा

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। बुधवार को प्रभारी मंत्री नारायण सिंह कुशवाहा ने भाजपा कार्यालय में प्रेसवार्ता करते हुए केंद्र सरकार की विकसित भारत जी-राम-जीयोजना के नए स्वरूप और उसके उद्देश्यों की विस्तृत जानकारी दी। मंत्री ने किए गए व्यापक बदलाव के बारे में बताया जिसका मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति देना और अधिक से अधिक लोगों को रोजगार उपलब्ध कराना है।

उन्होंने पूर्व में मनरेगा जैसी योजनाओं में सामने आई भ्रष्टाचार की शिकायतों का भी जिक्र किया। इसे ध्यान में रखते हुए नई योजना में अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग किया गया है। जीपीएस और रियल टाइम मॉनिटरिंग से कार्यों में पारदर्शिता सुनिश्चित की जाएगी। योजना के नामकरण को लेकर उठे सवालों पर प्रभारी मंत्री ने कहा कि रोजगार परक योजनाओं के नाम पहले भी कई बार बदले गए हैं। उन्होंने कहा कि अधिकांश योजनाएं नेहरू-गांधी परिवार के नाम पर केंद्रित रही हैं। वर्तमान नरेंद्र मोदी सरकार ने महात्मा गांधी के आदर्शों से प्रेरित होकर योजना का नाम जी-राम रखा है। मंत्री कुशवाह ने इस योजना को केंद्र सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल बताया। इसका लक्ष्य ग्रामीण भारत को सशक्त बनाना और भ्रष्टाचार मुक्त शासन सुनिश्चित करना है। पत्रकार वार्ता के दौरान विधायक अरुण भीमावद और भाजपा जिला अध्यक्ष रवि पांडे सहित कई पार्टी पदाधिकारी मौजूद थे। पत्रकार वार्ता के बाद मकर संक्रांति के अवसर पर प्रभारी मंत्री भाजपा कार्यालय परिसर में गिल्ली-डंडा खेलते हुए भी नजर आए।

विधायक श्रीमंत पवार ने पतंग तिल गुड वितरित कर किया आनन्द उत्सव का शुभारंभ

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मकर संक्रांति के अवसर पर विधायक श्रीमंत गायत्री राजे पावर ने गजरा गियर्स चौराहा पर आनंद उत्सव का शुभारंभ पतंग और तिल-गुड़ वितरित करके किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पारंपरिक खेलों को हर्षोल्लास के साथ सामुदायिक एकजुटता को बढ़ावा देना है।

कार्यक्रम के दौरान प्राचीन परंपरा का सम्मान करते हुए विधायक ने स्थानीय नागरिकों और बच्चों को तिल-गुड़ खिलाकर भारतीय संस्कृति में इस त्योहार के महत्व को साझा किया ओर बताया कि शासन के निर्देश पर नगर निगम द्वारा यह आनंद उत्सव 14 से 28 जनवरी तक शहर के विभिन्न स्थानों पर मनाया जावेगा। विधायक गायत्री राजे पवार के साथ विधायक एवं महापौर प्रतिनिधि दुर्गेश अग्रवाल, सभापति रवि जैन, जिलाध्यक्ष रायसिंह सेंधव, निगम स्वास्थ्य समिती अध्यक्ष धर्मेन्द्रसिह बैस, लोक निर्माण समिती अध्यक्ष गणेश पटेल ने पतंगबाजी का उपस्थित बच्चों के साथ आनंद लिया। उत्सव के दौरान आसमान रंग-बिरंगी पतंगों से सराबोर दिखा, जिसमें विधायक ने स्वयं पतंग उड़ाकर नागरिकों का उत्साहवर्धन किया व सामाजिक समरसता का संदेश देते हुए आनंद उत्सव के माध्यम से समाज के सभी वर्गों को एक साथ लाकर खुशी बांटने का प्रयास किया गया। इस अवसर पर विधायक ने सभी को मकर संक्रांति की शुभकामनाएं देते हुए जीवन में तिल-गुड़ जैसी मिठास और पतंग जैसी नई ऊंचाइयां छूने की प्रेरणा दी।

नगर में घुली तिल-गुड़ की मिठास, दिनभर चला दान-पुण्य का दौर

आसमान पर चली पतंगबाजों की जंग, धूमधाम से मनाया मकर संक्रांत पर्व

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कोई मंदिर पहुंचकर आशीर्वाद ले रहा था तो कोई गौ माता को घास का दान कर पर्व मना रहा था। लेकिन सबसे ज्यादा उत्साह दिखा पतंगबाजों में जो सुबह से जो छत पर चढ़े तो शाम तक नहीं उतरे। इन पतंगबाजों के उत्साह को दोगुना करने का काम किया ठंडी हवाओं ने जिससे इनका जोश और दोगुना हो गया। जिसके चलते सूरज निकलने के साथ शुरु हुआ काटा है और चल लपेट के स्वर सूरज ढलने के बाद थमे।

बुधवार को पूरे नगर में यही नजारा देखने को मिला। केवल युवक ही नहीं बल्कि महिलाएं और युवतियों ने भी पतंगबाजी में अपने हाथ दिखाए। बुधवार को माहौल लोगों की इच्छा के अनुरूप ही था। सुबह छत पर पहुंचते ही पिछले दो तीन दिनों से तैयारी कर रहे लोगों की तो जैसे बांछे खिल उठी। क्योंकि हवा ऐसी बह रही थी जो पतंगबाजी के लिए जरूरी है। बस फिर क्या था, शुरू हो गया डोर और पतंग के साथ आसमान में कलाबाजी दिखाने का दौर। आदर्श वातावरण के बीच पतंगबाजी को लेकर जो उत्साह बच्चों में था वो ही युवाओं में दिखाई दिया। साथ ही दोपहर को युवतियां और महिलाएं भी छत पर जा पहुंची। शहर भर में छतों से डीजे की धुन के बीच काटा है की आवाज सुनाई दे रही थी। सर्द हवाओं के बीच पतंगबाजी का दौर सुबह से शुरू हुआ तो देर शाम तक चलता रहा।

दान-पुण्य का भी लिया लाभ- एक ओर युवाओं की टोली सुबह से डोर पतंग लेकर छत पर पहुंच गई थी तो दूसरी ओर बुजुर्ग गाय को घास खिलाने के लिए चौराहों पर पहुंच गए थे। शहर में हर चौराहे पर लोगों ने गो-माता को घास खिलाकर दान किया तो कुछ ने गरीबों को भी दक्षिणा दी। साथ ही लोगों ने इस दिन तिल गुड़ का भी वितरण किया और शहर में दिन भर उत्साह का माहौल रहा।

मंदिरों में भी हुआ आकर्षक श्रृंगार- बुधवार को लोगों ने अपने दिन की शुरुआत प्रभु दर्शन से की। इस दिन नगर के मुरादपुरा, डांसी हनुमान मंदिर पर जहां राम भक्त हनुमान का आकर्षक श्रृंगार किया गया। वहीं नगर के श्री कृष्ण मंदिरों में भी प्रभु की प्रतिमाओं का आकर्षक श्रृंगार करते हुए विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस दिन प्रभु का पतंग से आकर्षक श्रृंगार किया गया था, जिसे निहारने मंदिरों में देर तक भक्तों की भीड़ लगी रही।

विधायक ने भी दी बधाई, की पतंगबाजी- विधायक अरूण भीमावद ने भी नगरवासियों को पर्व की बधाई देते हुए पतंगबाजी में अपने हाथ आजमाए। इस दौरान उन्होंने अपने समर्थकों के साथ तिल-गुड़ भी बांटा। इसके बाद भाजपा कार्यालय में उन्होंने गिल्ली डंडा खेलकर परंपरा का निर्वहन किया।

बिना लाइसेंस के व्यवसाय करने पर निगम ने कसा शिकंजा, दुकानें होंगीं सील

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में बिना (ट्रेड) लाइसेंस के व्यवसाय करने या लाइसेंस का नवीनीकरण नहीं करवाने वालों पर निगम आयुक्त दलीप कुमार के निर्देशानुसार निगम लाइसेंस प्रभारी हेमंत उबनारे, स्वच्छता निरीक्षक भूषण पंवार, हरेंद्रसिंह ठाकुर, संदीप सांगते, ओमप्रकाश पथरोड़, विजय सांगते, अनूप सांगते, वार्ड 39 दरोगा विकास सांगते, लाइसेंस वसूलीकर्ता चंद्रशेखर ठाकुर, गोविंद डागरे, साजिद शेख, रिमूवल टीम दरोगा अबरार पठान व उनकी टीम द्वारा सूतार बाखल, ईदगाह रोड़, जवाहर चौक, वार्ड 20 विकास नगर, वार्ड 18 पटेल नगर में चालानी कार्यवाही की गयी। निगम की टीम ने लगभग 50 दुकानों पर कार्यवाही की। आयुक्त ने कहा कि निगम सीमा में संचालित होने वाले प्रत्येक व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को व्यावसायिक अनुज्ञप्ति लेना अनिवार्य है। जिन लोगों ने लाइसेंस नहीं लिया या नवीनीकरण नहीं करवाया है वे नगर निगम कार्यालय में लाइसेंस शाखा में संपर्क कर नया लाइसेंस अथवा नवीनीकरण अनिवार्य रूप से करवा ले निरीक्षण के दौरान व्यवसाय (ट्रेड) लाइसेंस नहीं पाए जाने पर ऐसे दुकानदारों व व्यापारियों पर निगम दंडात्मक एवं चालानी कार्यवाही करेगा। साथ ही निगम लोक निर्माण विभाग की टीम को शहर मे एवं शहर के मुख्य मार्गो पर बने शापिंग मॉल, भवनों में एमओएस के विरूद्ध की जाने वाली कार्यवाही में कम्पाउंडिंग के निर्देश दिये।

सौतेले पिता ने किया था आयुष का अपहरण

12 घंटे में पुलिस ने किया मासूम को मां के हवाले, आरोपी का दोस्त गिरफ्तार, सौतेले पिता की तलाश कर रही पुलिस

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। निजी अस्पताल में सफाई का कार्य करने वाली महिला के पांच वर्षीय मासूम को और किसी ने नहीं बल्कि महिला के पहले पति ने ही अगवा किया था, जिसे पुलिस ने ढूंढ निकाला और उसे अपनी मां को सौंप दिया। इस साजिश में आरोपी का साथ दे रहे उसके दोस्त को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जबकि मासूम के सौतेले पिता की पुलिस द्वारा तलाश की जा रही है।

गौरतलब है लालघाटी थाने में ज्योतिनगर निवासी सुमन बाई सौराष्ट्रीय ने अपने बेटे आयुष के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। सुमन बाई गोहिल अस्पताल में सफाई का काम करती हैं। उन्होंने बताया कि सोमवार शाम करीब साढ़े पांच बजे आयुष अपने बड़े भाई अंश और मोहल्ले के बच्चों के साथ घर के बाहर खेल रहा था। कुछ समय बाद बड़ा भाई घर लौट आया, लेकिन आयुष वापस नहीं आया। काफी तलाश के बाद भी जब बच्चा नहीं मिला तो पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लिया और तलाश शुरू कर दी। पुलिस जांच में सामने आया कि सुमन बाई की पहले और दूसरी शादी से जुड़े पारिवारिक विवाद रहे हैं। पुलिस को मुखबिरों की सूचना और काल रिकार्ड के आधार पर पता चला कि बच्चे को उसकी मां के पूर्व पति राजेश उर्फ राधेश्याम घर के बाहर से ले गया था।

देवास जिले तक ले गया आरोपी- पुलिस के अनुसार आरोपी राजेश बच्चे को लेकर देवास जिले चला गया था। उसके साथ उसका दोस्त पीरुलाल भी था। पुलिस के दबाव से बचने के लिए राजेश ने सतवास से बच्चे को अपने दोस्त पीरुलाल के साथ बस में बैठाकर शाजापुर की ओर भेज दिया। मामले मे पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली और लालघाटी पुलिस की टीम बुधवार सुबह आष्टा बस स्टैंड पहुंची और पीरुलाल को पकड़कर बच्चे को सुरक्षित बरामद कर लिया। इसके बाद बच्चे को शाजापुर लाया गया और परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने दोस्त पीरुलाल को गिरफ्तार कर लिया है लेकिन राजेश फिलहाल फरार है जिसकी पुलिस द्वारा तलाश की जा रही है।

संत श्री गोविन्द जाने जी का पंचदेहरिया आगमन, चतुर्भुज जी महाराज के दर्शन कर दिया संरक्षण का संदेश

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अकोदिया ग्राम पंचदेहरिया में स्थित प्राचीन, ऐतिहासिक एवं जन-आस्था के महान केंद्र भगवान श्री चतुर्भुज जी महाराज के पावन धाम पर आज संत श्री गोविन्द जाने जी महाराज का शुभागमन हुआ। संत श्री गोविन्द जाने जी ने विधिवत पूजा-अर्चना कर भगवान चतुर्भुज जी महाराज के दर्शन किए तथा क्षेत्रवासियों के सुख, शांति एवं कल्याण की कामना करते हुए आशीर्वाद प्रदान किया।

इस अवसर पर उपस्थित श्रद्धालुओं एवं ग्रामवासियों को संबोधित करते हुए संत श्री गोविन्द जाने जी महाराज ने अपने ओजस्वी, प्रेरणादायक एवं विवेकपूर्ण वचनों से सभी को जागरूक किया। उन्होंने कहा कि पंचदेहरिया का यह प्राचीन स्थल केवल एक धार्मिक आस्था का केंद्र मात्र नहीं है, बल्कि यह हमारी सनातन संस्कृति, ऐतिहासिक विरासत और प्राचीन गौरव का जीवंत प्रमाण है।

महाराज श्री ने कहा कि इस स्थल पर विद्यमान प्राचीन अवशेष हमारी हजारों वर्षों पुरानी सभ्यता की कहानी कहते हैं, जो हमें अपने गौरवशाली अतीत से जोड़ते हैं। ऐसे ऐतिहासिक धरोहरों का संरक्षण करना केवल शासन या प्रशासन की ही नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक नागरिक का नैतिक और सामाजिक दायित्व है।

उन्होंने शासन एवं प्रशासन से आग्रह किया कि भगवान चतुर्भुज जी महाराज के इस ऐतिहासिक स्थल का शीघ्र संरक्षण, संवर्धन एवं वैज्ञानिक पद्धति से उत्खनन कराया जाए, ताकि यहां छिपे ऐतिहासिक तथ्यों और सांस्कृतिक विरासत को उजागर किया जा सके और यह अमूल्य धरोहर आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रह सके।

संत श्री गोविन्द जाने जी ने ग्रामवासियों से भी अपील की कि वे इस पवित्र स्थल की रक्षा हेतु सदैव जागरूक रहें, किसी भी प्रकार की क्षति से इसे बचाएं तथा अपनी सांस्कृतिक विरासत को सहेजने में सक्रिय भूमिका निभाएं।

महाराज जी के कोमल, प्रेरणादायक एवं दूरदर्शी वचनों से उपस्थित जनसमूह भावविभोर हो उठा और संपूर्ण क्षेत्र में भक्ति, श्रद्धा एवं आध्यात्मिक ऊर्जा का वातावरण व्याप्त हो गया। इस पावन अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु, ग्रामवासी एवं धर्मप्रेमीजन उपस्थित रहे।

दुष्कर्म करने वाले आरोपी सौतेले पिता को 20 वर्ष की सजा एवं कुल 3500 रूपये जुर्माने से दंडित किया गया

बडवानी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। तृतीय अपर सत्र न्यायालय/विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो एक्ट) बड़वानी, श्रीमती रेखा आर. चंद्रवंशी द्वारा आरोपी थाना नांगलवाड़ी को धारा 5(एम)/6, 5(एन)/6, 5(एल)/6 पॉक्सो एक्ट में 20 वर्ष का सश्रम कारावास व कुल 3000 रूपये जुर्माना एवं धारा 351(3) भादवि में 03 वर्ष का कारावास व 500 रूपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। अभियोजन की ओर से पैरवी श्री दुष्यंतसिंह रावत सहायक निदेशक अभियोजन बड़वानी एवं श्रीमति शीला अलावा विशेष लोक अभियोजक बड़वानी, जिला बड़वानी द्वारा की गई। अभियोजन मीडिया प्रभारी श्री राजमल सिंह अनारे सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी ने बताया कि 05 जून 2025 को अभियोक्त्री की माता व भाई मजदूरी करने के लिए गये थे अभियोक्त्री का दूसरा भाई व सौतेले पिता आरोपी घर पर थे। दोपहर लगभग 4 बजे अभियुक्त ने अभियोक्त्री के दूसरे भाई को नल से पानी भरने के लिए घाटी पर भेज दिया । अभियोक्त्री को आरोपी ने पानी लाने का कहा, अभियोक्त्री रसोई घर से पानी लेने गई तो आरोपी भी उसके पास में आ गया और उसका हाथ पकड़कर खींच लिया और आरोपी ने अपने हाथ से अभियोक्त्री का मुँह दबा दिया और उसके साथ जबरदस्ती गलत काम (दुष्कर्म) किया। उसके बाद आरोपी घर से भाग गया। अभियोक्त्री जोर-जोर से रोने लगी, उसकी आवाज किसी ने नहीं सुनी। जब रात को लगभग 7 बजे अभियोक्त्री की माँ काम पर से वापस घर आई तो अभियोक्त्री ने घटना के बारे में बताया। अभियोक्त्री ने अपनी माता को यह भी बताया कि, जब वह दिनांक 28.05.2025 को काम पर गई थी तब भी आरोपी ने दोपहर में उसके साथ गलत काम किया था और उसे धमकी दी थी कि अगर उसने यह बात किसी को बताई तो उसे जान से खत्म कर देगा, डर के कारण यह बात किसी को नहीं बताई । अभियोक्त्री व उसकी माता नें थाने पर रिपोर्ट दर्ज की।

उक्त रिपोर्ट पर से पुलिस थाना नागलवाड़ी में अपराध क्रमांक 155/2025 अंतर्गत धारा 64 (2) (एफ), 64 (2) (एम), 65(2), 351 (3) बी.एन.एस. एवं धारा-3/4, 5 (एम), 5 (एन), 5 (एल)/6 पॉक्सो एक्ट का अपराध पंजीबद्ध किया गया। न्यायालय में प्रस्तुत किया गया पुलिस ने अनुसंधान के दौरान आरोपी को गिरफ्तार किया और प्रकरण की विवेचना पूर्ण कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

कौषल विकास ही है आर्थिक विकास का आधार

बडवानी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। उद्यमिता विकास केन्द्र द्वारा आयोजित छः साप्ताहिकी जेम्स एण्ड ज्वेलरी निर्माण कार्यक्रम के समापन अवसर पर उन्होने कहा कि किसी भी समाज के विकास के लिये जरूरी है षिक्षित होना। परन्तु वर्तमान में रोजगार प्राप्त करने के लिऐ आवष्यक है, विषिष्ट योग्यता, किसी कार्य में दक्ष होना और दक्ष होने के लिऐ आपको कौषल विकसित करना होगा। जिसके पास किसी विषेष कार्य को करने की योग्यता है वह कभी भी बेरोजगार नही रह सकता। इसलिऐ आप जो भी कार्य प्रषिक्षण उपरांत करें तो उसे पूरी दक्षता के साथ पूर्ण करें। जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र बड़वानी के महाप्रबंधक श्री कैलाष माल ने महिलाओं को संबोधित करते हुऐ कहॉ कि केन्द्र सरकार व राज्य शासन द्वारा महिलाओं के आर्थिक विकास के लिऐ कई प्रकार की योजनाऐं संचालित की जा रही है। जिनका लाभ लेकर रोजगार व स्वरोजगार स्थापित कर अपना व परिवार का आर्थिक विकास कर किया जा सकता है। सेडमैप के जिला समन्वयक अरविन्द चौहान ने बताया कि सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग भारत सरकार द्वारा ईसडीपी योजनांतर्गत सेडमैप के सहयोग से जेम्स एण्ड ज्वेलरी निर्माण का छः साप्ताहिकी प्रषिक्षण का समापन आज अंजड़ में किया गया।

आज जूनियर सी-1 कैनो स्लालम प्रतियोगिता में प्रदेश के अभय व सलोनी ने जीता गोल्ड

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महेश्वर के सहस्त्रधारा घाट पर आयोजित सी-1 कैनो स्लालम प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश जूनियर महिला कैनो स्लालम सलोनी शर्मा ने 102.25 टाइमिंग के साथ स्वर्ण पदक प्राप्त कर प्रदेश को गौरवान्वित किया। वहीं जूनियर पुरुष वर्ग में अभय कहार ने 85.64 टाइमिंग के साथ स्वर्ण पदक प्राप्त कर प्रदेश को गौरवान्वित किया।

जूनियर महिला कैनो स्लालम प्रतियोगिता में मेघालय की रियंका एस. नोंगसीज ने 321.55 समय के साथ रजत पदक और अरूणाचल प्रदेश की डी. चेतना भगवती ने 480.59 समय के साथ कांस्य पदक जीता है। इसी प्रकार जूनियर पुरूष कैनो स्लालम प्रतियोगिता में मेघालय के इंद्र शर्मा ने 90.06 समय के साथ रजत पदक एवं अरूणाचल प्रदेश के डी. प्रधु लक्ष्मी श्रीनिवास ने कांस्य पदक जीता है।

जूनियर महिला कैनो स्लालम प्रतियोगिता मध्यप्रदेश की मानसी बॉथम दूसरे एवं जान्ही बॉथम तीसरे, मेघालय की रेबेका खारक्रांग पांचवे, धृति मारिया पेस सातवें एवं ओनिका आठवें स्थान पर रही है।

7 लीटर अवैध जहरीली शराब सहित आरोपी को किया गिरफ्तार

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। बुधवार को सूचना मिली थी कि रूनिजा अंडर ब्रीज के नीचे एक व्यक्ति हाथ में प्लास्टीक की कैन जिसमें शराब है लेकर खडा है किसी का इंतजार कर रहा है । सूचना पर संज्ञान में लेते हुए थाना प्रभारी अशोक पाटीदार ने तत्काल टीम तैयार कर मौके पर कार्यवाही के लिये रवाना की। जिस पर पुलिस टीम द्वारा प्रभावी कार्यवाही करते हुए संदीग्ध व्यक्ती को घेराबंदी कर पकड़ा जिससे पूछताछ करने पर उसने अपना नाम राजेश सिर्वी पिता जगदीश सिर्वी उम्र 38 साल निवासी बंगरेड तहसील बड़नगर वर्तमान पता व्यास कालोनी बड़नगर बताया । राजेश के हाथ में ली हुई प्लास्टिक की केन को चैक करते उसमे हाथ भट्टी की बनी कच्ची महुआ शराब मात्रा करीबन 7 लीटर किमती करीबन 700/- रुपये की होना पाई गई । पास से सुंघने पर प्लास्टिक की कैन में से तेज व तीखी यूरिया युक्त शराब की गंध आ रही थी जो की जहरीली प्रतीत हो रही थी आरोपी से उक्त जहरीली शराब को जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया । आरोपी राजेश सिर्वी के विरुद्ध थाना बड़नगर पर अपराध क्रमांक 16/2026 धारा 34, 49-ए आबकारी एक्ट का पंजीबद्ध कर आरोपी को न्यायालय पेश किया गया है जंहा से आरोपी को जेल भेजा गया है ।

सराहनीय भूमिका- उक्त प्रसंशनीय कार्य में थाना बड़नगर पुलिस टीम निरीक्षक अशोक कुमार पाटीदार, उनि सुरेन्द्र सिंह गरवाल, प्रआर राहुल सिंह राठोर, आर. अजय चौहान, आर महेश मोर्य, आर. कैलाश गरवाल, आर. नारायण सरा, आर.राकेश रायकवार सैनिक अमर सिंह की सराहनीय भुमिका रहा ।

गौ सेवा से तृप्त होते हैं पूर्वज, जीवन में होता है सर्वमंगल

गौ माता साक्षात कामधेनु, भावपूर्ण सेवा से पूर्ण होती हैं सभी इच्छाएं - पंडित कुलदीप महाराज

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। सनातन धर्म की मूल आत्मा गौ सेवा में निहित है। जो श्रद्धालु नित्य भावपूर्वक गौ माता की सेवा करता है, उन्हें स्नान कराता है, स्नेहपूर्वक पीठ पर हाथ फेरता है, उसके पूर्वज तृप्त होते हैं और उसके जीवन में मंगल कार्यों का शुभारंभ हो जाता है। यह उद्गार श्री ओंकार गोपाल गौशाला, ग्राम ऊंटवास राघवपुर में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के दौरान कथा व्यास पंडित कुलदीप महाराज ने व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि गौ माता साक्षात कामधेनु हैं। हृदय से भागवत भाव रखते हुए की गई गौ सेवा से मनुष्य की समस्त इच्छाएं पूर्ण होती हैं। गौ सेवा केवल पुण्य कर्म नहीं, बल्कि जीवन को संस्कार, समृद्धि और धर्म से जोड़ने का श्रेष्ठ माध्यम है।

गौ माता के आहार हेतु 1,51,000 का सहयोग कथा के पावन अवसर पर श्री जीविका फाउंडेशन द्वारा गौ माता के लिए गुड़ एवं खली हेतु एक लाख एक हजार रुपये की सहयोग राशि प्रदान की गई। साथ ही ओवडा समिति द्वारा 51 हजार की राशि प्रदान की गई।यह राशि कंपनी के जनरल मैनेजर मुकेश बैरागी एवं कमलेश पाटीदार द्वारा गौशाला समिति के अध्यक्ष सत्यनारायण शर्मा, कैलाश पटेल,नंद किशोर मंडलोई , दुर्गा शंकर शर्मा एवं श्री सतीश शर्मा को भेंट की गई।कार्यक्रम में मनीष पटेल, राजेश शर्मा, अरविंद व्यास, दिनेश शर्मा, गोकुल परसाई,गोवर्धन पटेल,पवन त्रिवेदी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन श्री राकेश शर्मा नेता ने किया।

गोपाल गौशाला समिति की बैठक हुई

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। बडनगर मकर संक्रांति के पावन पर्व पर गोपाल गोशाला में गोमाता के जय घोष के साथ समिति की बैठक हुई जिसमें संस्था अध्यक्ष डॉक्टर वासुदेव काबरा ने बताया कि मुक्ति धाम के पास गोशाला परिसर में 60-40 का नया टीन शेड बनाया जाएगा जिसमें गोमाता की ठंड गर्मी बारिश से सुरक्षा होगी। गोशाला द्वारा मुक्तिधाम का संचालन किया जाता है इसके सौंदर्य के लिए गेट का निर्माण होगा, प्रतिवर्ष अनुसार 400 गोवंश को शिशिर ॠतु अनुसार 40 दिवसीय पौष्टिक आहार अलसी, गुड के लड्डू गेहूं के फाड़े की सेवा निरंतर समिति के द्वारा हो रही हे ।इस अवसर पर गोशाला में कार्यरत गोपालको को मकर संक्रांति की शुभकामना के साथ गजक भेट की गई ।बैठक में प्रमुख रूप से अशोक गोधा ,विष्णु पोरवाल,महेंद्र पोरवाल, सुनील गोलेचा, रामनिवास नवहाल ,संदीप मारू,विनोद बम उपस्थित थे।

गो हत्या पूर्णरूप से बंद होना चाहिए हम सब मिल को इसका संकल्प लेना चाहिए- भागवता आचार्य नितिन देव

गोलोकधाम गौशाला में श्री मद भागवत कथा के पांचवें दिन का आयोजन

उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। उन्हेंल गोलोकधाम गौशाला में श्री मदभागवत कथा के पांचवें दिन का आयोजन सुप्रसिद्ध कथाकार श्री नितिन देव महाराज चित्रकूट धाम के मुखारबिंद से किया गया। इस अवसर पर महाराज ने बताया कि धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष के लिए गौ माता की पूजा सेवा और रक्षा करना आवश्यक है। जो गौसेवा में लग गया वो समझो संसार में सब कुछ पा गया। ओर बताया कि गौ माता आवारा लावारिस हालात में नहीं घूमनी चाहिए गौ हत्या पूरी तरह से बंद होना चाहिए। गौ माता की हत्या पाप है और इसे बंद कराना हमारा कर्तव्य है। इस बात का सभी संतानियों को प्रण ओर संकल्प लेना चाहिए ।

महाराज ने बताया कि जो बार-बार पकड़े और बार-बार छोड़े वह यह जीव है, और जो किसी को पकड़ता नहीं और एक बार पकड़ ले तो जीवन में कभी नहीं छोड़ता वहीं पर ब्रह्म कृष्ण कन्हैया ओर वो सभी प्रसन्न होगा जब गौ की सेवा होगी आज गोवर्धन नाथ की पूजा कर 56 भोग लगाया गोवर्धन नाथ की कथा में भक्तों ने खूब नृत्य किया और गोवर्धन परिक्रमा का आनंद लिया

व्यासपीठ का पूजन पूर्व सांसद सत्यनारायण जटिया नागदा खाचरोद विधायक तेजबहादुर सिंह चौहान आलोट विधायक चिंतामणि मालवीय पूर्व जिला अध्यक्ष बहादुर बोरमुडला पूर्व जिला अध्यक्ष मदनलाल सांखला ने व्यासपीठ का पूजन कर गुरु जी का आशीर्वाद लिया ब्लॉक कांग्रेस कमेटी से शंकर पटेल सुधाकर विपट मुकेश जायसवाल दिलीप जैन प्रवीण जैन इंदर सिंह पीपावत राजेंद्र मोदी पंच धाकड़ समाज से रामगोपाल मदारिया पूनमचंद खामोरिया गोविंद सलित्रा जगदीश सेकवाडीया नंदराम बंबोरिया प्रकाश नायमा भेरूलाल बगड़ रामगोपाल वाक्तालिया रामलाल पोपांडिया जवाहरलाल धाकड़ बैरागी समाज से गिरीश प्रपन ओम बैरागी महेश बैरागी ॠतिक बैरागी दर्जी समाज से राधेश्याम परमार ओम परमार दिनेश टेलर दिनेश मकवाना हरीश पवार नानू ट्रेलर श्री कृष्ण उत्सव समिति से दिनेश खमोरिया भारत खमोरिया अनिल पटेल सुनील एलिया कान्हा खामोरिया मुकेश पटेल मुकेश खमोरिया संजय वाक्तालिया सोहन आठमिया राधेश्याम पटेल सोहन सेकवाडीया नानू चौधरी सुनील सलित्रा मुकेश नदेडा सुरेश खामोरिया दिनेश फगान भंडारा के यजमान सुनील यति व सुरेश गुर्जर परिवार द्वारा नगर भोज का भंडारा करवाया जाएगा आज के भोजन प्रसादी यजमान भंवरलाल राठौर परिवार शाम के भोजन प्रसादी यजमान दिनेश खामोरिया जितेंद्र सोलंकी परिवार रहा सात दिवसीय प्रसादी यजमान बापू लाल सोनगरा परिवार रहा भागवत पूजा मुख्य अजमान सरवन सिंह ठाकुर परिवार द्वारा लिया गया इस अवसर पर हजारों की संख्या में भक्तगण उपस्थित होकर धर्म लाभ लिया।

पीपलू मंडल का हिंदू सम्मेलन 25 जनवरी को होगा आयोजित

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। पीपलू में हिंदू सम्मेलन की तैयारी जोरो शोरो से है।कार्यक्रम मे पिपलु दोत्रु नावदा बड़गारा गाजीखेड़ी बिरगोदा के सकल समाज के लोगो की सहभागिता रहेगी । इस निमित्त आज मकर संक्रांति के पावन अवसर पर धर्म ध्वजा का रोपण किया गया एंव हिन्दु सम्मेलन के निमित्त कार्यालय का शुभारंभ भी किया गया। जिसमे हिन्दु सम्मेलन की मंडल कार्यकारिणी के संयोजक ईश्वर पाटीदार सह संयोजक राजेंद्र पटेल , प्रेमशंकर पाटीदार एंव संरक्षक समिति मे लालाराम पटेल , दशरथ जायसवाल, कोषाध्यक्ष ईश्वर सेन , भूपेंद्र रावल,प्रचार प्रमुख सागर अग्निहोत्री, व्यवस्था प्रमुख पूनमचंद पिपलु गांव की समिति से बालाराम बारोड़ , प्रकाश चावड़ा , संतोष चौहान , प्रदीप, गणेश , कैलाश मकवाना एंव अन्य सभी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

शिवानी ई-बाईक शोरुम का शुभारम्भ राज्यपाल डॉ. गेहलोत ने किया

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नागदा शहर में बुधवार को रामलखन गुर्जर के नवीन प्रतिष्ठान शिवानी ई-बाईक शोरुम के शुभारंभ भव्य रूप में हुआ।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कर्नाटक प्रदेश के राज्यपाल डॉ. थावरचंद गेहलोत उपस्थित थे । विशिष्ट अतिथि केंद्रीय संसदीय बोर्ड के सदस्य डॉ सत्यनारायण जटिया, विशेष अतिथि विधायक डॉ. तेजबहादुरसिंह चौहान, जिलाध्यक्ष राजेश धाकड़, मंचासीन रहे।

सर्वप्रथम मंचासीन अतिथियो का जिला उपाध्यक्ष चैनसिंह गुर्जर एवं पिछडा मोर्चा अध्यक्ष लाखन गुर्जर के द्वारा दुपट्टे व पुष्पगुच्छ के द्वारा स्वागत किया। इसके पश्चात् राज्यपाल डॉ. गेहलोत ने शिवानी ई-बाईक शोरूम का शुभारम्भ किया।

इस अवसर पर पूर्व विधायक गहलोत, पूर्व विधायक लालसिंह राणावत, पूर्व विधायक दिलीपसिंह शेखावत, पूर्व जिला अध्यक्ष मदन सांखला, नपाध्यक्ष संतोष ओपी गेहलोत, हिंदू जागरण मंच मालवा प्रांत संयोजक भेरुलाल टांक, प्रदेश कार्य समिति सदस्य शिवलाल बोराना, मंडल अध्यक्ष प्रकाश जैन, विजय पटेल, गोवर्धन परिहार, मोती सिंह शेखावत, विजेंद्र सिंह पटेल, आर सी पाटिल, विनोद निगम, राजेंद्र भदौरिया सहित नगर के गणमान्य नागरिक एवं कार्यकर्ता बंधु उपस्थित रहकर गुर्जर परिवार को शुभकामनाएं दी।

ई-टोकन प्रणाली से उर्वरक वितरण के संबंह्लध में दिया प्रशिक्षण

खण्डवा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग द्वारा जिले के सेवा सहकारी प्रबंधको एवं समिति के ऑपरेटरो को ई-टोकन के माध्यम से उर्वरक वितरण की व्यवस्था के संबंध में एक दिवसीय प्रशिक्षण जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक खंडवा में दिया गया।

उप संचालक कृषि श्री नितेश कुमार यादव द्वारा प्रशिक्षण में बताया गया कि कृषक स्वयं अपने मोबाइल या एमपी ऑनलाइन या कॉमन सर्विस सेंटर के माध्यम से ई-टोकन प्राप्त कर, अपनी सुविधा अनुसार उर्वरक क्रय कर सकते है। किसान भाई https://etoken.mpkrishi.org के माध्यम से अपने आधार नंबर एवं ओटीपी फीड कर लॉग इन कर सकते है। लॉग इन करने के बाद पोर्टल पर एग्रीस्टैक फार्मर आई.डी. से भू अभिलेख के रिकार्ड अनुसार कृषि भूमि अपडेट होगी, मौसम एवं फसल का चयन करने के उपरांत फसल तथा धारित रकबे अनुसार उर्वरकों की मांग की गणना होकर पोर्टल पर प्रदर्शित होगी 7 कृषक भाईयों को जिले के अधिकृत उर्वरक विक्रेता जैसे मार्कफेड, एम. पी. एग्रो, विपणन समिति एवं निजी उर्वरक विक्रेताओ के यहाँ उपलब्ध स्टॉक की जानकारी प्रदर्शित होगी, जिसमे कृषक भाई अपनी सुविधा अनुसार उर्वरक विक्रेताओं का चयन कर स्लॉट बुक कर सकेंगे, जिसकी जानकारी ई-टोकन के माध्यम से कृषक के पंजीकृत मोबाइल पर प्राप्त होगी । कृषक भाई चयनित उर्वरक विक्रेता को ई टोकन दिखाकर उर्वरक क्रय कर सकते है। कृषक भाई अपनी सुविधा अनुसार उर्वरक विक्रेता का चयन करेंगे चयनित उर्वरक विक्रेता के यहाँ पर ई-टोकन से कृषक भाई 3 दिवस में उर्वरक क्रय कर सकेंगे। ई-टोकन केवल 3 दिवस तक मान्य रहेगा। निर्धारित समय में उर्वरक नहीं लेने पर टोकन स्वतः निरस्त हो जाएगा और किसान को पुनः पंजीयन कराना होगा। कृषक भाई ई-टोकन, चयनित विक्रेता को दिखायेगे, विक्रेता मोबाईल ऐप से टोकन में अकिंत क्क्रकोड को स्कैन कर उर्वरक प्रदाय करने की प्रक्रिया संपन्न करेंगे।

प्रशिक्षण के दौरान बताया गया कि ई-विकास प्रणाली के द्वारा उर्वरक प्राप्त करने के लिये कृषको की लंबी कतारे, काला बाजारी, समय पर उर्वरक प्राप्त न होना तथा अन्य उत्पादो की टैगिंग से कृषको को निजाद मिलेगी। सभी विक्रेता अपने ग्राहक कृषको फार्मर आईडी बनवाने एवं ई-टोकन पंजीयन प्रक्रिया का प्रचार प्रसार करें। अन्त में उप संचालक कृषि द्वारा प्रश्नोत्तरी सत्र के माध्यम से सेवा सहकारी प्रबंधको की शंकाओं का समाधान किया गया। कार्यक्रम के दौरान श्री नितेश कुमार यादव, उप संचालक कृषि, श्री अलोक यादव, सीईओ जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक, श्री गजेन्द्र अत्रे परिवेक्षक श्री जितेन्द्र सिंह रावत सहायक संचालक कृषि उपस्थित रहे।

कड़कनाथ मुर्गी पालन पर एक दिवसीय कार्यशाला, 328 दीदियों ने लिया प्रशिक्षण

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन जिला पंचायत झाबुआ के तत्वावधान में आजीविका कलादीर्घा भवन में कड़कनाथ मुर्गी पालन पर एक दिवसीय विस्तृत कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य कड़कनाथ मुर्गी पालन के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना था। कार्यक्रम में जिले के सभी 6 विकासखंडों से 328 स्वयं सहायता समूह की दीदियों सहित जिला एवं विकासखंड स्तरीय अमले ने सक्रिय सहभागिता की।

कार्यशाला को राज्य कार्यालय से पधारे राज्य परियोजना प्रबंधक श्री महेश बावनकर ने संबोधित किया। उन्होंने कड़कनाथ पालन के उद्देश्य, संभावनाओं एवं इसकी वैल्यू चेन पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने दीदियों को प्रेरित किया कि वे केवल उत्पादन तक सीमित न रहें, बल्कि यह भी समझें कि उनका उत्पाद बाजार में किस रूप में और किस मूल्य पर बिक रहा है। साथ ही, कड़कनाथ के स्वास्थ्य प्रबंधन में समय पर उपचार, संतुलित आहार एवं सही निर्णय को व्यवसाय की स्थिरता के लिए आवश्यक बताया।

कार्यक्रम में विषय विशेषज्ञों एवं वरिष्ठ अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। राज्य कार्यालय से तकनीकी सहयोग हेतु डॉ. अरविंद यादव, पशुपालन विभाग के उपसंचालक श्री अमर दिवाकर, नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक श्री नरेंद्र मोहिते, ट्राई फाउंडेशन के श्री अंकित राज एवं सारा फाउंडेशन के श्री जिमी निर्मल उपस्थित रहे।

वैज्ञानिक सत्र एवं नस्ल सुधार- कार्यक्रम के प्रथम सत्र में पशुपालन विभाग के उपसंचालक श्री अमर दिवाकर ने कड़कनाथ नस्ल की शुद्धता, इसके औषधीय गुणों तथा बाजार में बढ़ती मांग पर प्रकाश डाला। उन्होंने पारंपरिक तरीकों के स्थान पर वैज्ञानिक पद्धति से पालन की जानकारी दी, जिसमें शेड निर्माण, चूजों का प्रारंभिक पालन-पोषण, संतुलित आहार प्रबंधन एवं रोग नियंत्रण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

संकुल विकास एवं बाजार रणनीति- दोपहर के सत्र में ट्राई फाउंडेशन के श्री अंकित राज ने संकुल विकास मॉडल एवं सामूहिक उत्पादन के महत्व को समझाया। उन्होंने बताया कि उत्पादक समूह एवं संकुल स्तरीय संघ बनाकर किस प्रकार लागत कम कर आय बढ़ाई जा सकती है।

वित्तीय सत्र- नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक श्री नरेंद्र मोहिते ने पीएमएफएमई योजना, बैंक ऋण की प्रक्रिया तथा लागत-लाभ विश्लेषण पर जानकारी दी। वहीं, सारा फाउंडेशन के श्री जिमी निर्मल ने जीवित मुर्गी विक्रय के बजाय मांस विपणन, उत्पाद ब्रांडिंग एवं किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) से जुड़ने की रणनीतियों पर मार्गदर्शन दिया।

समापन सत्र में मिशन के जिला परियोजना प्रबंधक द्वारा दीदियों की शंकाओं का समाधान किया गया तथा भविष्य की कार्ययोजना पर चर्चा की गई, जिससे झाबुआ की दीदियां कड़कनाथ पालन के माध्यम से 'लखपति दीदी' बनने की दिशा में आगे बढ़ सकें। इस अवसर पर स्वयं सहायता समूह की कुछ दीदियों ने अपनी सफलता की कहानियां भी साझा कीं, जो अन्य प्रतिभागियों के लिए अत्यंत प्रेरणादायक रहीं।

आजीविका मिशन अंतर्गत पतंग महोत्सव (हौसलो की उड़ान) कार्यक्रम का हुआ आयोजन

खरगोन/ अंजु त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मकर संक्रान्ति के अवसर पर म.प्र. डे. राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा नई चैतना 4.0 जेण्डर आधारित हिंसा के खिलाफ राष्ट्रीय अभियान चलाया जा रहा है। यह अभियान आजीविका मिशन के स्व सहायता समूह की महिलाओं के लिये 13 से 16 जनवरी तक किया जा रहा है। इसी क्रम में 14 जनवरी को नवग्रह नगरी में मां कुंदा नदी के तट पर पतंग महोत्सव (हौसलो की उड़ान) का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अजीविका मिशन खरगोन के जीवन ज्योति सीएलएफ एवं लक्ष्मी माता सीएलएफ के स्व सहायता समूह की महिलाओं ने भाग लिया। इस दौरान समूह की दीदियों ने अपने डर को आजादी दिलाने के लिए पतंगों पर संदेश लिखकर उन्हें उड़ाया और हौसलों को नई उड़ान दी। इस अवसर पर सभी महिलाओं को गुड़-तिल के लड्डू एवं मेहंदी के कोन वितरित किए गए। जिला पंचायत जिला प्रबंधक, कौशल उन्नयन श्रीमती रीना गुप्ता उपस्थित रहीं। विकासखंड प्रबंधक श्री धर्मेंद्र दुबे ने आभार व्यक्त कर कार्यक्रम का समापन किया।

विज्ञान प्रदर्शनी में झलकी छात्रों की वैज्ञानिक सोच

ग्वालियर/दैनिक मालवा हेराल्ड। शासकीय उत्कृष्ट उमावि मुरार में जिला स्तरीय विज्ञान एवं सामाजिक विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। जिले के विभिन्न स्कूलों से आए 6 से 8वी कक्षा तक के 84 विद्यार्थियों द्वारा प्रदर्शित किए गए मॉडल ने विद्यार्थियों की वैज्ञानिक सोच से परिचित कराया। प्रदर्शनी में विद्यार्थियों द्वारा सजाए गए मॉडल, उर्जा संरक्षण, जल संरक्षण, सड़क सुरक्षा आदि पर केन्द्रित थे। प्रदर्शनी देखने पहुँचीं जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दुर्गेश कुंअर सिंह जाटव और व उपाध्यक्ष श्रीमती प्रियंका सत्येन्द्र घुरैया ने बच्चों को अच्छे व आकर्षक मॉडल बनाने के लिए विद्यार्थियों को बधाई दी। साथ ही प्रदर्शनी के विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया । विजयी प्रतिभागी जोन स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी में सहभागिता करेंगे। प्रदर्शनी के पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में कार्यक्रम में संयुक्त संचालक श्री अरविन्द सिंह सिकरवार, संयुक्त संचालक विधि श्री अजय कटियार, जिला शिक्षा अधिकारी श्री हरिओम चतुर्वेदी, जिला परियोजना समन्वयक श्री रविन्द्र सिंह तोमर व जिला योग प्रभारी श्री दिनेश चाकणकर उपस्थित थे। आभार प्रदर्शन नोडल अधिकारी एवं प्राचार्य श्री प्रबुद्ध गर्ग द्वारा किया गया निर्णायक की भूमिका श्री डी एन सुरेश की अध्यक्षता में आचार्यगण श्री रविशंकर त्रिपाठी, सुश्री नीतू मिश्रा, डॉ. पी के दिबौलिया, श्री अमिताभ मिश्रा, श्री त्रिलोक सिंह एवं डॉ. अनु परमार ने निभाई। विषयवार विजयी प्रतिभागी ज़ विज्ञान = हर्षिता तोमर व कृष्णा राठोर । ज़ गणित = समर बघेल व तनुष्का। ज़ पर्यावरण = अनुप्रिया शर्मा व लक्ष्मी भदौरिया। ज़ पर्यावरण गीत = वर्षा सारिवासी व सोमनाथ अवस्थी । ज़ सेमीनार = साक्षी शर्मा व युवान आर्य। ज़ लघु नाटक = सहजवीर कौर व अनुष्का राठौर । ज़ सामाजिक विज्ञान (इतिहास) = रेवती माहौर व साधना कुशवाह। ज़ भूगोल = युवराज धाकड़ व भूपेश पाण्डे। ज़ सामाजिक व राजनीतिक जीवन = भूमि सोनी व सहजवीर कौर।

सशस्त्र बल वेटरन्स दिवस' मुरार सैन्य स्टेशन में गरिमामय समारोह आयोजित

ग्वालियर/दैनिक मालवा हेराल्ड। सशस्त्र बल वेटरन्स दिवस (भारतीय सशस्त्र सेना पूर्व सैनिक दिवस) के उपलक्ष्य में बुधवार को मुरार स्थित सैन्य स्टेशन में गरिमामय समारोह का आयोजन हुआ। राष्ट्र की सुरक्षा व संप्रभुता के लिए अपना जीवन समर्पित कर चुके पूर्व सैनिकों, वीर नारियों एवं वीरता पुरस्कार प्राप्त सैनिकों को समारोह में सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि पूर्व सैनिक राष्ट्र की सुरक्षा व्यवस्था की मजबूत नींव हैं। पूर्व सैनिकों का अनुभव, अनुशासन और बलिदान आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। मुरार सैन्य स्टेशन परिसर में स्थित बाज ऑडीटोरियम में 10वे पूर्व सैनिक दिवस के उपलक्ष्य में यह समारोह सेवानिवृत्त मेजर जनरल श्री राजिंदर सिंह (अति विशिष्ट सेवा मेडल, सेना मेडल व विशिष्ट सेवा मेडल से सम्मानित) के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुआ। कार्यक्रम की मेजबानी स्टेशन कमांडर ब्रिगेडियर डी.वी. सिंह द्वारा की गई।

इस अवसर पर कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान, ब्रिगेडियर ए.ए.के. वर्मा सेना मेडल, जिला सैनिक कल्याण अधिकारी श्री नरेन्द्र सिंह तोमर सहित भारतीय थल सेना के अन्य अधिकारी मौजूद थे। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हर हिन्दुस्तानी के दिल में सैनिकों के त्याग, बलिदान व देश सेवा के जज्बे के प्रति सम्मान रहता है। सेना की वर्दी हम सबको देश सेवा के लिये प्रेरित करती है। उन्होंने पूर्व सैनिकों और उनके परिजनों का आह्वान किया कि 70 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके पूर्व सैनिक भी अपना आयुष्मान कार्ड बनवा सकते हैं।

16 जनवरी को महिला सशक्तिकरण अंतर्गत राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन

खरगोन/ अंजु त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में महिला सशक्तिकरण अंतर्गत राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन 16 जनवरी 2026 को माखन नगर, नर्मदापुरम में किया जाएगा। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना के हितग्राहियों को जनवरी 2026 की मासिक आर्थिक सहायता राशि का अंतरण होगा, जिसका लाइव वेबकास्ट webcast.gov.in/mp/cmevents पर प्रसारित किया जाएगा। प्रत्येक जिले में एक मुख्य स्थल सहित ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में इसे दिखाया जाएगा।

जिला पंचायत सीईओ श्रीमती रेखा राठौर ने जिले के समस्त जनपद सीईओ, नगरीय निकायो के सीएमओ एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के परियोजना अधिकारियों को जिले के सभी वार्डों एवं ग्राम स्तर पर कार्यक्रम आयोजित कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं। ग्राम व वार्ड स्तर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों, लाडली बहना सेना, जनसेवा मित्र, पेसा मोबिलाइजर, जन अभियान परिषद, अंत्योदय समितियां, महिला स्वसहायता समूह, स्वच्छता दूत, किसान मित्र, सहयोगिनी मातृ समितियां, शौर्य दल के सदस्य, 15 वर्ष से अधिक आयु की बालिकाएं एवं स्वयंसेवी संगठनों की भागीदार सुनिश्चित करने कहा है।

प्रत्येक ग्राम पंचायत कार्यालय एवं वार्ड में बड़ी स्क्रीन पर सजीव प्रसारण की व्यवस्था करने व बैठने, पेयजल, तिल-गुड़ व स्थानीय उपहार वितरण सुनिश्चित किया जाए। मकर संक्रांति पर्व के अवसर पर मुख्य कार्यक्रम से पूर्व एवं पश्चात स्थानीय खेल जैसे गुल्ली-डंडा व पतंग इत्यादि का आयोजन किया जाए लेकिन पंतग उड़ाने में चाइना डोर का उपयोग न किया जाए। ग्राम पंचायतों व वार्ड स्तर पर रंगोली, लोकगीत, नृत्य, नुक्कड़ नाटक एवं अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम किये जाए। कार्यक्रम में महिला हेल्पलाइन 181, वन स्टॉप सेंटर, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 का प्रचार किया जाए। लाडली बहना एवं लक्ष्मी योजना हितग्राहियों की अधिक भागीदारी, शाला त्यागी बालिकाओं को चिन्हित कर उन्हें पुनः शिक्षा से जोड़ने/कौशल विकास प्रशिक्षण के लिए प्रेरित किया जाए एवं रूचि अनुसार ओपर स्कूलिंग/ट्रेनिंग के लिए व्यवसाय का चयन कर सूचिबद्ध किया जाए।

सामुदायिक स्तर पर स्वास्थ्य विभाग के सहभागिता से आशा कार्यकर्ता प्रसव पूर्व देखभाल के लिए नई गर्भवती महिलाओं के शीघ्र पंजीयन हेतु जागरुकता, गर्भावस्था के दौरान पौष्टिक आहार जैसे हरी पत्तेदार सब्जियाँ, दालें, दूध, गुड़ और चना, आयरन युक्त फल (अनार, केला सेब) संतरा और नींबू जैसे विटामिन-सी युक्त खाद्य पदार्थ खाने हेतु प्रोत्साहित करना, गर्भावस्था के दौरान आयरन तथा कैल्शियम की गोली का सेवन और जननी सुरक्षा योजना एवं प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, प्रसूति सहता योजना जैसी आवश्यक सरकारी योजनाओं के बारे में परिवारों को जागरूक करेंगी एवं संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने हेतु परामर्श देंगी। एएनएम और सीएचओ उनके क्षेत्राधिकार में आने वाले किसी एक गांव में आयोजित कार्यक्रम में सहभागिता कर गर्भवती महिलाओं की एएनसी जांच करेंगी और उच्च जोखिम वाली गर्भावस्था की पहचान कर उन्हें उच्च केंद्रों पर रेफर करने का कार्य करेंगे। ग्रामीण विकास विभाग के सहभागिता से राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की लखपती सीआरपी एवं बैंक सखी आंगनवाड़ी केन्द्रों में उपस्थित होकर महिलाओं को लखपति की श्रेणी में लाने हेतु आजीविका से सम्बन्धित जानकारी प्रदान करेंगी। इसके लिए आंगनवाड़ी केन्द्र स्तर पर अधिक से अधिक हितग्राहियों की सहभागिता सुनिश्चित की जाये। स्थानीय स्तर पर आयोजित होने वाले समस्त सांस्कृतिक कार्यक्रम/उत्सव, राज्य स्तरीय मुख्य कार्यक्रम के प्रारंभ होने के 01 घण्टा पूर्व आयोजित किये जाएं।

कुपोषित बच्चों को चिन्हित करने हेतु अधिकारी 16 जनवरी को ग्रामीण क्षेत्र का दौरा करेंगे

खण्डवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता ने बताया कि जिले के ऐसे आंगनवाड़ी केन्द्रों में जहां का कोई भी बच्चा अतिगंभीर कुपोषित प्रदर्शित नहीं हो रहा है, उन गांवों के आंगनवाड़ी केन्द्रों का निरीक्षण करने के लिए अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है। उन्होंने बताया कि कुल 323 आंगनवाड़ी केन्द्रों के निरीक्षण के लिए 100 से अधिक अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है। यह अधिकारी 16 जनवरी को आंगनवाड़ी केंद्र में जाकर देखेंगे कि वहां कोई बच्चा अतिगंभीर कुपोषित तो नहीं है। यदि कोई बच्चा कुपोषित पाया जाएगा, तो उसका उपचार कराया जाएगा। कलेक्टर श्री गुप्ता ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे निर्धारित आंगनवाड़ी केन्द्रों पर जाकर सभी बच्चों को देखें और रिपोर्ट दें।

इसके लिए जारी ड्यूटी आदेश में आंगनवाड़ी केन्द्र आशापुर क्रमांक 3 और 4 के लिए जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. नागार्जुन बी. गौड़ा की ड्यूटी लगाई गई है, जबकि खंडवा शहरी क्षेत्र के अंबेडकर वार्ड स्थित माली अवार आंगनवाड़ी केन्द्र और मोहनलाल वर्मा साल के पीछे स्थित आंगनवाड़ी केन्द्र के निरीक्षण के लिए अपर कलेक्टर श्रीमती सृष्टि देशमुख गौड़ा की ड्यूटी लगाई गई है। ग्राम डुल्हार के आंगनवाड़ी केन्द्र क्रमांक 2 और क्रमांक 4 के आंगनवाड़ी केन्द्र के निरीक्षण के लिए अपर कलेक्टर श्री के. आर. बड़ोले की ड्यूटी लगाई गई है, जबकि भंडारिया ग्राम के आंगनवाड़ी केन्द्र क्रमांक 1 एवं आंगनवाड़ी क्रमांक 2 के निरीक्षण के लिए अपर कलेक्टर श्री अरविंद चौहान की ड्यूटी लगाई गई है।

इसी तरह बलड़ी विकासखंड के जूनापानी ग्राम के आंगनवाड़ी केन्द्र क्रमांक 1 और लाछोरा के क्रमांक 2 आंगनवाड़ी के निरीक्षण हेतु सिटी मजिस्ट्रेट श्री बजरंग बहादुर सिंह की ड्यूटी लगाई गई है। हरसूद के आंगनवाड़ी केन्द्र पलानी रैयत और पलानी माल के निरीक्षण के लिए एसडीएम हरसूद श्री आर. सी. खतेड़िया की ड्यूटी लगाई गई है। पुनासा विकासखंड के मोरटक्का माफी क्रमांक 1 एवं क्रमांक 3 आंगनवाड़ी केन्द्र के निरीक्षण के लिए एसडीएम पुनासा श्री पंकज वर्मा की ड्यूटी लगाई गई है, जबकि खंडवा शहरी क्षेत्र के आंगनवाड़ी के लवकुश नगर स्थित आंगनवाड़ी तथा विद्या नगर आंगनवाड़ी के निरीक्षण हेतु एसडीएम खण्डवा श्री ऋषि सिंघई की ड्यूटी लगाई गई है। बलड़ी विकासखंड के ग्राम सिरकिया के आंगनवाड़ी केन्द्र तथा मलूद के आंगनवाड़ी केन्द्र क्रमांक 3 के निरीक्षण के लिए एसडीएम पंधाना सुश्री दीक्षा भगोरे की ड्यूटी लगाई गई है। खंडवा शहर के भीलट बाबा गली और संजय नगर तथा दुबे कॉलोनी स्थित आंगनवाड़ी केन्द्र का निरीक्षण डिप्टी कलेक्टर श्री दिनेश सावले करेंगे, जबकि बोरगांव बुजुर्ग के कहार मोहल्ला खिराला के आंगनवाड़ी क्रमांक 5 तथा क्रमांक 3 का निरीक्षण डिप्टी कलेक्टर श्री मुकेश काशिव करेंगे। देशगांव के आंगनवाड़ी केन्द्र क्रमांक 1 और 3 के निरीक्षण के लिए संयुक्त कलेक्टर श्रीमती निकिता मंडलोई की ड्यूटी लगाई गई है। इसके अलावा चिड़िया मैदान खंडवा और ईंट भाटा मार्ग आंगनवाड़ी केन्द्र के निरीक्षण के लिए आयुक्त नगर निगम श्रीमती प्रियंका राजावत की ड्यूटी लगाई गई है। गणेशगंज खंडवा क्रमांक 1 और परदेशीपुरा के आंगनवाड़ी केन्द्र के निरीक्षण के लिए अधीक्षण यंत्री विद्युत वितरण कंपनी श्री दधीचि रेवड़िया की ड्यूटी लगाई गई है। परदेसी पुरा वार्ड तथा पारिजात कंट्रोल के पास स्थित आंगनवाड़ी केन्द्र के निरीक्षण के लिए कार्यपालन यंत्री पी.डब्ल्यू.डी. श्री नरेंद्र मंडलोई की ड्यूटी लगाई गई है। पंधाना विकासखंड के ग्राम जुलवानिया और गोंडवाड़ी मोहल्ला स्थित आंगनवाड़ी केन्द्र के निरीक्षण के लिए कार्यपालन यंत्री जल संसाधन श्री मनमीत मंडराई की ड्यूटी लगाई गई है। जबकि जलकुआ क्रमांक 2 और जलकुआ क्रमांक 1 के आंगनवाड़ी केन्द्र के निरीक्षण के लिए कायपालन यंत्री पीएचई विभाग सुश्री वर्षा शिवपुरे के ड्यूटी लगाई गई है।

सैनिकों की बदौलत ही हम खुले में आजादी की सांस लेते हैं - सांसद

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सैनिकों के अदम्य साहस व बलिदान की बदौलत ही हम सब खुले में आजादी से सांस लेते हैं। देश व समाज के प्रति सैनिकों का योगदान अद्वितीय होता है। घनघोर बरसात व कड़ाके की सर्दी में जब हम सब अपने घरों में चैन की नींद सो रहे होते हैं उस समय सेना के वीर जवान देश की रक्षा के लिये सीमा पर डटकर खड़े होते हैं।

इस आशय के विचार सांसद श्री भारत सिंह कुशवाह ने जिला प्रशासन द्वारा सशस्त्र बल वेटरन्स दिवस (भारतीय सशस्त्र सेना पूर्व सैनिक दिवस) के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में व्यक्त किए। इस अवसर पर जिला प्रशासन की ओर से सांसद श्री कुशवाह ने 100 से अधिक वीर नारियों एवं देश की रक्षा में अपना जीवन समर्पित करने वाले सेना के रणबांकुरों को पुष्पाहार एवं शॉल ङ्क श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में जिला प्रशासन की ओर से संयुक्त कलेक्टर श्री विनोद सिंह, जिला सैनिक कल्याण अधिकारी सेवानिवृत्त कर्नल श्री नरेन्द्र सिंह तोमर एवं वीर नारियां व पूर्व सैनिक मौजूद थे। कार्यक्रम में पूर्व सैनिकों की वीरगाथाओं को साझा किया गया। साथ ही देश की रक्षा के लिये दिए गए उनके योगदान के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की गई। सशस्त्र बल वेटरन्स दिवस भारतीय सेना के प्रथम भारतीय कमाण्डर-इन-चीफ फील्ड मार्शल के एम करियप्पा के सेवानिवृत्त होने की स्मृति में मनाया जाता है। 14 जनवरी 2016 से हर साल यह दिवस मनाया जाता है। इस अवसर पर पूर्व सैनिकों के त्याग, बलिदान एवं उनकी अनुकरणीय सेवाओं को श्रद्धा व सम्मानपूर्वक नमन किया जाता है।

प्रभारी मंत्री के निर्देश पर प्रधानमंत्री आवास आवंटन के संबंध में शिकायत की कराई जायेगी विभागीय जांच

ग्वालियर/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर निगम ग्वालियर द्वारा निर्मित प्रधानमंत्री आवास योजना में आवास आवंटनों को लेकर प्राप्त शिकायतों की जाँच कराने के आदेश प्रदेश के जल संसाधन मंत्री एवं प्रभारी मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय को दिए हैं। उन्होंने कहा कि शासन की अति महत्वपूर्ण योजना के क्रियन्वयन में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी नहीं होना चाहिए।

आवास आवंटनों के संबंध में वस्तुस्थिति के लिये विभागीय स्तर पर वरिष्ठ अधिकारी से जांच कराई जाए। जाँच में अगर कोई भी अधिकारी दोषी पाया जाता है तो उसके विरूद्ध दण्डात्मक कार्रवाई की जाए। प्रभारी मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने दूरभाष पर नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय से चर्चा कर प्रधानमंत्री आवास योजना के संबंध में विस्तार से जानकारी प्राप्त की।

उन्होंने कहा कि योजना के क्रियान्वयन में पूरी पारदर्शिता रखी जाए। नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय ने बताया कि ग्वालियर नगर निगम द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी एएचपी घटक अंतर्गत मानपुर में 2112 कमजोर वर्ग के लिये आवास निर्मित किए गए हैं। आवासों को जिन हितग्राहियों को आवंटित किया गया है उसकी जांच के लिये भौतिक सत्यापन समिति का गठन किया गया है। प्रधानमंत्री आवास योजना के आवासों के आवंटन के संबंध में प्राप्त शिकायत की विस्तृत जांच भी प्रभारी मंत्री के निर्देश पर निगम द्वारा कराई जा रही है।

उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के संबंध में राज्य शासन द्वारा जारी निर्देशों के तहत रजिस्ट्रीकरण एवं स्टॉप विभाग मध्यप्रदेश में रजिस्ट्री के लिये स्पष्ट उल्लेख है कि प्रधानमंत्री आवास योजना का हितग्राही 10 वर्ष तक किसी भी व्यक्ति, संस्था का विक्रय, दान, बख्शीश करने का अधिकार नहीं होगा। इसके साथ ही 10 वर्ष तक आवास को न तो विक्रय कर सकता है और न हीं किसी अन्य नाम से दस्तावेजों में बदलाव कर सकता है। इसके साथ ही प्रत्येक चयनित हितग्राही का पंजीयन केन्द्र शासन के पीएमएवाई पोर्टल पर किया जाता है। नगर निगम द्वारा हितग्राहियों के भौतिक सत्यापन के लिये गठित समिति द्वारा सत्यापन का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है।

बुधवार को समिति द्वारा मानपुर में स्थित तीन ब्लॉक ई-1, ई-2 व ई-3 के तहत 144 आवासों में हितग्राहियों का भौतिक सत्यापन किया गया। सत्यापन के दौरान हितग्राहियों के आधारकार्ड के साथ पहचान की गई। इसके साथ ही जिस हितग्राही को आवास आवंटित हैं वह स्वयं रह रहा है या नहीं, इसका भी सत्यापन किया गया। सत्यापन के दौरान निगम द्वारा आवंटित हितग्राहियों की सूची से निवासरत व्यक्तियों का मिलान भी किया गया है।

होंसलों की उड़ान' कार्यक्रम में लखपति दीदियों ने साझा किया आत्मनिर्भरता का सफर

ग्वालियर/दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्वालियर जिले में भी महिला सशक्तिकरण को और सुदृढ़ करने के उद्देश्य से तीन दिवसीय ÷होंसलों की उड़ान÷ कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं। इस क्रम में राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा कार्यक्रम के पहले दिन जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती दुर्गेश कुंअर सिंह जाटव के मुख्य आतिथ्य में सामुदायिक प्रशिक्षण केंद्र फूल बाग पर लखपति दीदी संवाद का कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस अवसर पर लखपति दीदियों ने अपने आत्मनिर्भर बनने के सफर को साझा किया। साथ ही अपने-अपने गाँव में समूहों से जुड़ीं अन्य महिलाओं को भी लखपति दीदी बनाने की शपथ भी ली। ज्ञात हो ÷होंसलों की उड़ान÷ के तहत 13 से 15 जनवरी तक सम्पूर्ण प्रदेश में कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं। कलस्टर लेवल फेडरेशन एवं ग्राम पंचायत स्तर पर महिला समूह सदस्यों के साथ संवाद स्थापित करते हुए विभिन्न प्रकार की गतिविधियों की जा रही है। राज्य शासन के दिशा-निर्देशों के तहत ÷होंसलों की उड़ान÷ कार्यक्रम आयोजित हो रहा है। सामुदायिक प्रशिक्षण केन्द्र में मंगलवार को हौसलों की उड़ान के तहत आयोजित हुए कार्यक्रम में जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती दुर्गेश कुंवर जाटव ने बड़ी संख्या में मौजूद लखपति दीदियो से संवाद किया। इस अवसर पर लखपति दीदियों ने अपनी सफलता के अनुभव भी साझा किए। जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती दुर्गेश कुवर जाटव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा है कि समूहों से जुड़ीं हर दीदी आत्मनिर्भर बने। आप सब सरकार की योजनाओं का लाभ उठाकर खुद आत्मनिर्भर बनें और अपने परिवार व गाँव की उन्नति में योगदान दें। जिला परियोजना प्रबंधक एनआरएलएम श्री विनीत गुप्ता द्वारा बताया गया कि लखपति दीदियों को ÷एक बगिया मां के नाम÷ स्कीम का फायदा भी मिल रहा है। साथ ही कार्यक्रम में मौजूद दीदियों से कहा कि शासन की अधिकतर योजनाएं महिलाओं को केंद्र में रखकर बनाई गईं हैं, दीदियां इन योजनाओं से जुड़कर स्वावलंबन की राह को आसानी से तय कर सकती हैं। कार्यक्रम का संचालन श्री न्यायमूर्ति पुरोहित ने किया। किसी ने खोली कैफे दीदी तो किसी ने अपने पति को मिस्त्री से बनाया दुकान मालिक बंधौली गांव की रहने वाली लखपति दीदी श्रीमती शशि यादव द्वारा अपने संघर्ष की कहानी को सभी के साथ साझा किया गया। उन्होंने बताया कि समूह में जुड़ने से पूर्व उनकी स्थिति बहुत अच्छी नहीं थी, लेकिन समूह से लगातार मिलने वाले ऋण और सहयोग ने उन्हें आज अपने पैरों पर खड़ा कर दिया है। आज वे अपने स्वयं की दीदी कैफे पुलिस अधीक्षक कार्यालय में चल रही हैं, इससे इनको अच्छी आमदनी हो रही है। इसी तरह इसी प्रकार कल्याणी ग्राम की लखपति दीदी श्रीमती सरोज द्वारा बताया गया कि किस प्रकार उन्होंने समूह से लोन लेकर अपनी बेटी के लिए एक दुकान खुलवाई ।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

मकर संक्रांति पर सुबह से शुरु हुई पतंगबाजी, महाकाल में आज मनेगी

तोपखाना क्षेत्र में देर रात तक पतंग डोर की बिक्री हुई, देशी मांझा सूतते नजर आए युवक, चाइना डोर पर पुलिस की कड़ी नजर

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मकर संक्रांति पर्व इस बार दो दिन का बताया जा रहा है, लेकिन शहर में मकर संक्रांति का उत्साह सुबह से छाने लगा है और आसमान रंगबिरंगी पतंगों से गुलजार होने लगा है। जबकि महाकालेश्वर मंदिर में कल गुरुवार को यह पर्व मनाया जाएगा। बीती रात तोपखाना क्षेत्र में पतंग की दुकाने खुली रही और लोगों ने जमकर डोर पतंग खरीदी।

उल्लेखनीय है कि बुधवार दोपहर 3 बजकर 7 मिनट पर सूर्यनारायण के धनु से मकर राशि या दक्षिणायन से उत्तरायण की ओर स्थानांतरित होते ही शहर में मकर संक्रांति का पर्व उल्लास के साथ मनाया गया। आज 15 को भी संक्रांति का महत्व रहेगा। इधर मंगलवार शाम से ही शहर के तोपखाना, शहीद पार्क, सिंधी कॉलोनी सहित कई बाजारों में देर रात तक खरीदार उमड़ते रहे। चाइना डोर पर सख्ती होने के कारण दुकानों से लोगों ने देशी मांझा खरीदा। शहर में कई जगह लोग देशी मांझा सूतते नजर आए। इधर प्रशासन की सख्ती के चलते दुकानदारों ने अपनी दुकानों पर स्पष्ट पेम्पलेट लगाए हैं यहां चायना डोर नहीं मिलती। कार्रवाई की आशंका से चायना डोर की बिक्री लगभग बंद नजर आ रही थी।

कई लोग स्नान करने पहुंचे, आज भी महत्व- ज्योतिष मत के अनुसार आज गुरुवार को मकर संक्रांति स्नान-दान पूर्णिमा मानी जा रही है, लेकिन बुधवार सुबह भी रामघाट और दत्त अखाड़ा घाट पर श्रद्धालुओं की भीड़ नजर आ रही थी। कई लोग आज भी शिप्रा स्नान करने पहुंच रहे थे। चौराहों पर जगह जगह लोग दान पुण्य के साथ गौ माता को चारा भी डाल रहे थे।

महाकाल में तिल पकवानों का भोग आज- आज गुरुवार को महाकालेश्वर मंदिर में भी मकर संक्रांति का उल्लास रहेगा। पं. आशीष पुजारी के अनुसार, तडक़े भस्मार्ती में सुगंधित द्रव्यों के साथ तिल के तेल युक्त गर्म जल से भगवान का अभिषेक होगा।इसके बाद विशेष श्रृंगार और तिल्ली से बने पकवानों का भोग अर्पित किया जाएगा। मंदिर में आकर्षक सजावट रहेगी।

नव संवत नव विचार के 29वें विक्रमोत्सव में मुख्यमंत्री डॉ. यादव विक्रम अलंकरण से होंगे सम्मानित

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सम्राट विक्रमादित्य द्वारा प्रतिपादित विक्रम संवत को गौरवशाली परंपरा से मनाने के 29वें वर्ष में संस्था नवसंवत् - नवविचार मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को विक्रम अलंकरण से सम्मानित करेगी।

मकर संक्रांति की पूर्वाह्न 11 बजे सांदीपनि विधि महाविद्यालय के सभाकक्ष में आयोजित नगर के बुद्धिजीवियों, समाजसेवियों, अभिभाषकों एवं चिकित्सकों की बैठक में यह निर्णय लिया गया। संस्था अध्यक्ष योगेश शर्मा चुन्नू एवं सचिव प्रतीक जैन के अनुसार संस्था नवसंवत् नवविचार 28 वर्षो से विक्रम संवत के प्रथम दिवस से नवमी तक विक्रम महोत्सव का आयोजन करती आ रही है। प्रथम दिवस फव्वारा चौक पर महावीर उद्यान से रामघाट तक प्रभात फेरी निकालकर सूर्य को अर्ध्य दिया जाता है।

एवं गोपाल मंदिर पर इंद्र ध्वज आरोहण के साथ समारोह आरंभ होता है। प्रतिदिन सम्राट विक्रमादित्य के नवरत्नों पर आधारित व्याख्यान, चित्रकला प्रदर्शनी का आयोजन होता है। सम्राट विक्रमादित्य की परंपरा में संस्कृति एवं कला के लिए समर्पित व्यक्तित्व को विक्रम अलंकरण प्रदान किया जाता है। इस वर्ष मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को यह अलंकरण उज्जैन की गरिमा में अभिवृद्धि के निरंतर प्रयासों और सम्राट विक्रमादित्य की कीर्ति को समूचे विश्व तक फैलाने के उनके प्रयासों के आधार पर प्रदान किया जाएगा। अध्यक्षता कर रहे कुलगुरु सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय प्रो. अर्पण भारद्वाज ने कहा आयोजन को लेकर महत्वपूर्ण बैठक विश्वविद्यालय के सभाकक्ष में शीघ्र रखी जाएगी। नगर की विभिन्न संस्थाओं को इसमें जोड़ा जाएगा। विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रोफेसर रामराजेश मिश्रा ने 29 वर्षो के की यात्रा का सिंहावलोकन प्रस्तुत किया।

जेल में बंद 100 से अधिक कैदियों को है गंभीर बीमारियां, ह्रदय रोगी भी शामिल

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। भैरवगढ़ जेल में बीमार कैदियों की संख्या 100 से अधिक है। जेल में टीबी, कैंसर और हार्ट जैसी बीमारियों के कारण 100 से ज्यादा कैदी पीड़ित हैं। कुछ मामलों में, कैदियों को कैंसर जैसी बीमारियां भी हैं। मिली जानकारी के मुताबिक भैरवगढ़ जेल दो हजार से ज्यादा कैदी हैं, जिनमें से 20 कैदी हार्ट के मरीज हैं। वहीं 50 कैदी ऐसे हैं जिन्हें मानसिक रोग ने घेर रखा है। कुछ तो पागलपन की स्थिति तक पहुंच गए हैं। चार कैदी कैंसर, 4 कैदी टीबी, 12 से 15 कैदी एड्स से ग्रसित हैं। यह बात राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत भैरवगढ़ जेल में समय समय पर लगाए जाने वाले स्वास्थ्य कैंप में सामने आई हैं। बता दें कि भैरवगढ़ जेल में बंद 50 से अधिक कैदियों में मानसिक बीमारी की समस्या बनी हुई है। इसमें 6 महिला कैदी हैं। ऐसे में जेल प्रशासक को भी इन कैदियों का ध्यान रखने में काफी समस्या आती है। इसके अलावा दूसरे कैदियों की सुरक्षा की चुनौती भी रहती है। भैरवगढ़ जेल में भी मानसिक रूप से ग्रसित कैदियों की दिमागी हालत के मद्देनजर गंभीर रूप से बीमार कैदियों को दूसरों से अलग शिफ्ट करने की व्यवस्था की गई है। ताकि वे दूसरे कैदियों को नुकसान ना पहुंचा सकें।

तंबाकू के खिलाफ सख्तीः उज्जैन जिला अस्पताल में 367 को परामर्श, 23 पर जुर्माना

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत जिला अस्पताल में 60 दिवसीय तंबाकू मुक्त युवा अभियान चलाया गया। इसमें 367 लोगों को परामर्श और दवा दी गई। जबकि अस्पताल परिसर में तंबाकू के सेवन करने का 23 लोगों पर जुर्माना लगाया गया। जिला चिकित्सालय उज्जैन में नोडल अधिकारी डॉ. शिव मेन्या ने बताया कि तंबाकू के दुष्प्रभावों को लेकर व्यसन मुक्ति की दिशा में ठोस कदम उठाए गए। अभियान के दौरान जिला अस्पताल परिसर में संचालित तंबाकू व्यसन मुक्ति केंद्र के माध्यम से 367 लोगों को तंबाकू उत्पादों का सेवन नहीं करने हेतु परामर्श दिया गया। वहीं, तंबाकू छोडने के इच्छुक 81 व्यक्तियों को निःशुल्क दवाइयां दी गई, ताकि वे इस लत से स्थायी रूप से मुक्त हो सकें। इसके साथ ही जिला अस्पताल एवं उसके परिसर में तंबाकू नियंत्रण अधिनियम की धारा-4 का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई भी की गई। जांच के दौरान 23 लोग सार्वजनिक स्थानों पर तंबाकू का सेवन करते पाए गए, जिन पर कुल 1510 रुपए जुर्माना लगाया गया। डॉ. मेन्या ने बताया कि युवाओं को तंबाकू से दूर रखना अभियान का मुख्य उद्देश्य है और इसके लिए निरंतर निगरानी, परामर्श तथा कानूनी कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

चाइना डोर से युवक का गला, महिला के कटे दोनों पैर

चार अन्य लोग भी हुए जख्मी, प्राथमिक उपचार के बाद भी छुट्टी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मकर संक्रांति पर चाइना डोर से कोई हादसा ना हो इसके प्रयास पुलिस द्वारा पूरी तरह से किए गए थे बावजूद इसके युवक का गला कट गया और महिला के दोनों पैर। चार अन्य लोग भी डोर से घायल होना सामने आए हैं जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दी गई थी।

घातक हो चुकी चाइना डोर पर मकर संक्रांति से दो माह पहले ही प्रतिबंध लगा दिया गया था। बावजूद इसके आधा दर्जन लोगों के गले कट गए थे। मकर संक्रांति पर कोई हादसा ना हो इसको लेकर पुलिस ने पूरे जिले में सख्त सर्चिंग अभियान चलाया था और कई युवकों को पकड़कर प्रतिबंधित डोर की 130 से अधिक रील बरामद की थी। मकर संक्रांति पर कोई हादसा ना हो इसको लेकर पुलिस पूरी तरह से मुस्तैद थी लेकिन आगर रोड पर बुधवार सुबह बाइक सवार युवक अंतर पिता मांगीलाल बंजारा 19 साल निवासी रतलाम का गला कट गया। उसे कुछ लोगों ने अस्पताल पहुंचाया जहां डॉक्टरों ने गले में 8 टांके लगाए। कुछ देर बाद ही फजलपूरा नगरकोट क्षेत्र में रहने वाली सीमा पति भीमराम 45 साल को गंभीर हालत में अस्पताल लाया गया उसके दोनों पैर कटे हुए थे चाइना डोर उलझने से हादसा हुआ था। सीमा के एक पैर में 7 टांके लगाए गए दूसरे पर की सर्जरी की गई। सीमा घर से सब्जी खरीदने के लिए पैदल जा रही थी। सुबह हुई दो घटना के बाद दोपहर में हाटकेश्वर कॉलोनी के रहने वाले जॉन पिता सुशील 28 साल को चरक अस्पताल लाया गया था डोर से उसका होट कट गया था। डॉक्टर ने टांके लगाने के बाद उसे उपचार के लिए भर्ती किया। यही नहीं सुगन भाई पति ओमप्रकाश 51 साल निवासी जयसिंहपुरा का एक पर चाइना डोर लगने से कट गया था। कृष्ण पिता राम प्रताप निवासी पटेल नगर और रिजवान पिता अब्दुल रशीद निवासी जनसापूरा भी चाइना डोर से घायल हुए हैं। पिछले वर्ष जिस तरह से मकर संक्रांति पर और उसके एक दिन पहले एवं बाद में जिस तरह के मामले सामने आए थे उसमें इस वर्ष कमी देखी गई है। पुलिस का कहना था कि अगले साल पतंग बाजी के दौरान इस तरह की घटना ना सामने आए इसको लेकर भी पूरे प्रयास जारी रहेंगे।

भागीरथपुरा कांड के बाद उज्जैन में निगम अलर्ट, 9 स्थानों पर हुई जल सुनवाई

महापौर मुकेश टटवाल ने कहा, पेयजल से जुड़ी शिकायतों का हो त्वरित निराकरण, लापरवाही बर्दाश्त नहीं

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर के भागीरथपुरा जल संकट कांड के बाद उज्जैन नगर निगम ने भी पेयजल व्यवस्था को लेकर सख्ती दिखानी शुरू कर दी है। नागरिकों को शुद्ध एवं नियमित पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मंगलवार को शहर के 9 प्रमुख स्थानों पर जल सुनवाई का आयोजन किया गया। सुनवाई के दौरान नागरिकों की समस्याएं सुनी गईं और उनके समाधान के लिए मौके पर ही अधिकारियों को निर्देश दिए गए। महापौर मुकेश टटवाल एवं निगम अध्यक्ष कलावती यादव के निर्देश पर आयोजित इस जल सुनवाई में प्रातः 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक नागरिकों की शिकायतें दर्ज की गईं। जल कार्य समिति प्रभारी प्रकाश शर्मा के नेतृत्व में कार्यपालन यंत्री वैभव भावसार के साथ महापौर श्री टटवाल ने दशहरा मैदान स्थित पानी की टंकी एवं चामुंडा माता पीएचई कंट्रोल रूम पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

महापौर ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि पेयजल नागरिकों का मूल अधिकार है और इसमें किसी भी तरह की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जल सुनवाई में प्राप्त हर शिकायत का निश्चित समय-सीमा में निराकरण किया जाए और नागरिकों को इसकी जानकारी भी दी जाए।

इन स्थानों पर हुई जल सुनवाई

- बुधवारिया पानी की टंकी
- दशहरा मैदान पानी की टंकी
- चकोर पार्क पानी की टंकी
- देवास गेट पानी की टंकी
- नागझिरी पानी की टंकी
- नगर निगम मुख्यालय, आगर रोड
- कलेक्टर कार्यालय, कोठी
- ऋषिनगर पानी की टंकी

जल सुनवाई में आई 13 शिकायतें

- 02 शिकायतें - हैंडपंप से संबंधित
- 01 शिकायत - पेयजल सप्लाई का समय बढ़ाने की
- 02 शिकायतें - मैला/गंदा पानी आने की
- 03 शिकायतें - पाइपलाइन लीकेज की
- 02 शिकायतें - पानी की गुणवत्ता जांच की
- 03 शिकायतें - नल में पानी नहीं आने की

रेतीघाट सेवा बस्ती मे मनाया पतंग उत्सव

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। संस्था सर्वसहाय वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा मकर संक्रांति पर सेवा बस्ती में श्रमिक परिवारों व जरूरतमंद बच्चों के साथ खुशियाँ साझा कर गिल्ली डंडा प्रतियोगिता रखी गई बच्चो को चाइना डोर से पतंग न उड़ाने की समझाइश दी गई। संस्था द्वारा आज मकर संक्रांति के पावन अवसर पर सेवा बस्ती में श्रमिक परिवारों एवं जरूरतमंद बच्चों के साथ उत्सव मनाया गया। इस अवसर पर बच्चों एवं परिवारजनों के साथ पारंपरिक रूप से मकर संक्रांति का पर्व मनाते हुए तिल-गुड़, मिठाई पतंग एवं आवश्यक सामग्री भेट की गई। संस्था के सदस्यों ने बच्चों के साथ खेलकूद कर, पतंग उड़ाकर एवं आपसी संवाद के माध्यम से उन्हें त्योहार की खुशियों से जोड़ने का प्रयास किया। संस्था का उद्देश्य समाज के वंचित वर्गों तक पर्वों की खुशियाँ पहुँचाना एवं उनके जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करना है। कार्यक्रम के दौरान संस्था अध्यक्ष सुनील बारोड ने कहा कि मकर संक्रांति सामाजिक समरसता, सहयोग और सेवा भावना का संदेश देती है। भविष्य में भी संस्था इसी प्रकार समाजसेवा के कार्य निरंतर करती रहेगी। इस आयोजन में मुख्य रूप से संस्था के सदस्य, कवि राहुल शर्मा शुभम शर्मा चेतन जोशी आशुतोष कुमारिया कुशल जाधव अंकुर अवस्थी रौनक गोयल आदि स्थानीय नागरिक एवं स्वयंसेवकों की सराहनीय सहभागिता रही।

घर में साथियों के साथ जुआ खेलते गिरफ्त में आया स्थाई वारंटी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। रात्रि गश्त पर सोमवार-मंगलवार रात निकली पुलिस को कुछ लोगों द्वारा ताशपत्ती से हार-जीत का दांव लगाकर जुआं खेलने की खबर मिली। पुलिस ने दबिश मारी तो 2 जुआरी भाग निकले। 3 को हिरासत में लिया गया, जिसमें एक स्थाई वारंटी होना सामने आया। जो 2 मामलों में फरार चल रहा था।

बड़नगर थाना प्रभारी अशोक कुमार पाटीदार ने बताया कि रात्रि गश्त के दौरान खबर मिली थी कि आदिनाथ कालोनी में कुछ लोग जुआ खेल रहे है। तत्काल एसआई सुरेन्द्रसिंह गरवाल, सौभागसिंह पंवार, प्रधान आरक्षक हेमराज खरे, राहुलसिंह राठौर, आरक्षक रोहित मालवीय, नारायण सरा,रूपेश हिरवे के साथ आदिनाथ कालोनी में अमित पिता नेमीचंद सकेलचा के मकान पर दबिश दी गई। पुलिस की दबिश पड़ते ही छत के रास्ते 2 जुआरी भाग निकले, मौके से 3 को हिरासत में लिया गया। जिसमें अमित सकलेचा, आजाद पिता मुरार शाह निवासी लोहाना कुटी और रामेश्वर पिता महादेव रीछा निवासी शांतिनिकेतन चौराहा बड़नगर को हिरासत में लिया। उनके पास से ताशपत्ती के साथ 6620 रूपये जप्त किये गये। थाना प्रभारी के अनुसार अमित सकलेचा काफी समय से 2 मामलों में फरार चल रहा था, उसके खिलाफ स्थाई वारंट भी जारी हो चुका था। हिरासत में आये तीनों जुआरियों के साथ मौके से भागे उनके 2 साथियों के खिलाफ जुआ एक्ट में प्रकरण दर्ज किया गया। फरार 2 जुआरियों की तलाश में एक टीम को अलर्ट पर रखा गया है। वहीं स्थाई वारंटी के गिरफ्त में आने पर उसे मंगलवार को कोर्ट में पेश किया।

सीईओ जिला पंचायत द्वारा जिला चिकित्सालय का औचक निरीक्षण किया गया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। बुधवार को मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री श्रेयांस कूमट द्वारा जिला चिकित्सालय उज्जैन में औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान कार्यकारी अभियंता पी. डब्ल्यूडी. श्री गौतम अहिरवार, ई.एम.पी. डब्ल्यूडी श्री एम.एस.पंवार उपस्थित थे। सीईओ जिला पंचायत ने निरीक्षण के दौरान लिफ्ट, सीवरेज लाइन का अवलोकन कर चरक अस्पताल में नागरिकों एवं मरीजों को आने जाने में कोई असुविधा न हो इसके लिए आज ही बंद लिफ्ट का कार्य करवा कर लिफ्ट चालू करवाने के निर्देश दिए। इसमें किसी प्रकार की लापरवाही न बरते जाने के निर्देश दिए। साथ ही सीवरेज लाइन का भी काम आज ही चालू कर तय सीमा मे पूर्ण किए जाने के निर्देश दिए। आपसी समन्वय कर काम में प्रगति लाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर अन्य आवश्यक निर्देश भी दिए।

इस अवसर पर जिला चिकित्सालय के प्रभारी सिविल सर्जन डॉ. अनिता भिलवार शिशु रोग विशेषज्ञ,आर.एम. ओ. डॉ. चिन्मय चिंचोलीकर, अस्पताल प्रबंधक श्रीमती हिमांगी चौहान सहित अन्य अधिकारी /कर्मचारी उपस्थित थे।

जैन सोशल ग्रुप समन्वय ने मकर संक्रांति पर्व पर किया वस्त्रदान

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मकर संक्रांति के पावन अवसर पर जैन सोशल ग्रुप समन्वय द्वारा सामाजिक सरोकारों को ध्यान में रखते हुए वस्त्रदान का एक सराहनीय एवं पुण्यदायी कार्यक्रम आयोजित किया गया। ग्रुप के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए जरूरतमंदों के लिए उपयोगी, स्वच्छ एवं अच्छी स्थिति में पुराने वस्त्र दान किए।

संस्थापक अध्यक्ष जयंतीलाल फाफरिया ने बताया कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के वंचित एवं जरूरतमंद वर्ग को सहायता प्रदान कर मानव सेवा को प्रोत्साहित करना रहा। संस्था अध्यक्ष नगीन नलवाया ने कहा कि मकर संक्रांति जैसे पर्व पर दान का विशेष महत्व है और वस्त्रदान से न केवल जरूरतमंदों को राहत मिलती है, बल्कि समाज में सेवा, सहयोग और संवेदनशीलता की भावना भी विकसित होती है।

इस अवसर पर ग्रुप सचिव आशिष नांदेचा ने बताया कि जैन सोशल ग्रुप समन्वय निरंतर सामाजिक, धार्मिक एवं सेवा गतिविधियों के माध्यम से समाज में सकारात्मक योगदान देने का प्रयास करता रहा है और भविष्य में भी इस प्रकार के सेवा कार्य जारी रहेंगे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सदस्यों ने भाग लेकर इसे सफल बनाया।

अंत में पल्लवी नलवाया एवं प्रिया नांदेचा द्वारा सभी सदस्यों को स्वल्पाहार कराया गया तथा समाज के अन्य लोगों से भी इस प्रकार के सेवा कार्यों में आगे आने की अपील की गई। इस अवसर पर ग्रुप के पूर्व अध्यक्ष विजय बम्बोरी, कमलेश जैन आदि पदाधिकारी मौजूद रहे।

भाषा से भविष्य तक-हिंदी, युवा और राष्ट्रवाद की त्रिवेणी : कुलगुरु प्रो अर्पण भारद्वाज

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, युवा वर्ग, नई दिल्ली एवं सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में हिंदी भाषा के वैश्विक महत्त्व एवं युवाओं की राष्ट्र निर्माण में भूमिका पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

अध्यक्षता कुलगुरु एवं न्यास के प्रांत अध्यक्ष प्रो. अर्पण भारद्वाज ने की। मुख्य अतिथि न्यास के राष्ट्रीय प्रचार प्रमुख अथर्व शर्मा एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में न्यास के पदाधिकारी डॉ. राकेश ढांड, डॉ. गीता नायक, डॉ.राममोहन शुक्ल एवं डॉ. नीरज सारवान थे। न्यास के क्षेत्रीय संयोजक प्रचार प्रसार डॉ जफर महमूद ने बताया कि कार्यक्रम में केरल की अदिति जोशी ने भरतनाट्यम की मनमोहक प्रस्तुति दी। कुलगुरु प्रो. अर्पण भारद्वाज ने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि हिंदी केवल एक भाषा नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति, सभ्यता और आत्मबोध की संवाहक है। हिंदी हमें अपनी जड़ों से जोड़ते हुए वैश्विक मंच पर पहचान दिलाती है। यदि युवा अपनी ऊर्जा को सकारात्मक दिशा में लगाएं तो राष्ट्र को और सशक्त बनाया जा सकता है। मुख्य अतिथि अथर्व शर्मा ने स्वामी विवेकानंद को स्मरण करते हुए युवाओं से आह्वान किया कि वह अपने भीतर आत्मविश्वास, अनुशासन, सेवाभाव एवं विवेक को विकसित करें, तभी सामाजिक एवं राष्ट्रीय परिवर्तन संभव है। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि सप्ताह में एक दिवस अवश्य रूप से मातृभाषा का प्रयोग करें।

विशिष्ट अतिथि डॉ. राकेश ढांड ने कहा कि पृथ्वी पर जब भी क्रांति हुई है युवा वर्ग ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हिंदी भाषा सर्वाधिक वैज्ञानिक है। विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ भाषाविद डॉ. गीता नायक ने भाषा और युवा को शक्ति समन्वय का प्रतीक बताते हुए कहा कि यही समन्वय राष्ट्र की दिशा को तय करता है। उन्होंने युवाओं को हिंदी में हस्ताक्षर करने और इंडिया को भारत कहने का संकल्प दिलवाया। कुलानुशासक प्रो. शैलेन्द्र कुमार शर्मा ने हिंदी को संस्कृत की जननी बताते हुए प्रवासियों द्वारा हिंदी के प्रसार पर अपने विचार व्यक्त किए।

डॉ. राममोहन शुक्ल, प्रो. डी.डी. बेदिया, प्रो. शेखर मैदमवार ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन शोधार्थी पूजा परमार ने किया। कार्यक्रम के संयोजक शोधार्थी गौरव गौतम ने आभार व्यक्त किया।

बदमाश के पास मिला सालभर पहले चोरी हुआ मोबाइल

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सालभर पहले चोरी हुआ मोबाइल रामगंज मंडी कोटा के रहने वाले बदमाश राहुल के पास से बरामद किया गया है। बदमाश को जीआरपी थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मोबाइल 32 हजार रूपये कीमत का था। बदमाश से पूछताछ की जा रही है। एक बदमाश के गिरफ्त में आने के बाद जीआरपी थाने 2 मोबाइल चोरी होने की शिकायत ओर पहुंची। उज्जैन से मथुरा जाने के लिये रोहित ठाकुर प्लेटफार्म नम्बर 1 पर पहुंचा था। उसी दौरन उसका पर्स और मोबाइल चोरी हो गया। पर्स में 3 हजार रूपये रखे थे। इसी प्रकार रतलाम का रहने वाला कृष्ण कुमार गौरखपुर से रतलाम की यात्रा ट्रेन से कर रहा था। उसका मोबाइल भी आज्ञत बदमाशों ने चोरी कर लिया। उक्त दोनों मामलों में जीआरपी ने प्रकरण दर्ज कर चोरी हुए मोबाइल की लोकेशन ट्रेस करना शुरू किया है।

शराब के साथ हिरासत में आई महिला

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। अवैध शराब लेकर आ रही महिला की खबर मिलने पर झारड़ा थाना पुलिस ने ग्राम माल्या नई आबादी में घेराबंदी की और झोला लेकर आ रही महिला को रोका। झोले की तलाशी लेने पर उसके पास से अंग्रेजी शराब के 20 क्वार्टर बरामद हो गये। शराब के संबंध में जानकारी लेने पर अवैध होना पाई गई। महिला के खिलाफ आबकारी एक्ट अधिनियम का प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया गया। महिला को जमानत पर रिहा किया गया है। पुलिस के अनुसार चालान न्यायालय में प्रस्तुत किया जायेगा।